

समता पाँवर

SAMTA POWER

Non Profit Earning Company

2022



www.samtapower.com



समता पॉवर

SAMTA POWER

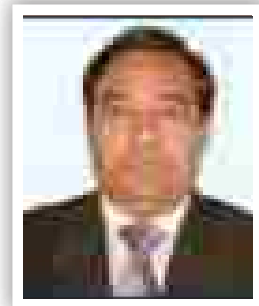
BOARD OF DIRECTORS



Bal Mukund Sanadhya



Bhawmesh Chandra Mathur



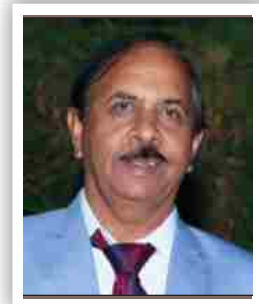
Ramesh Ch. Sharma



Sudhir K. Katiyar



Er. Bharat Dwiedi



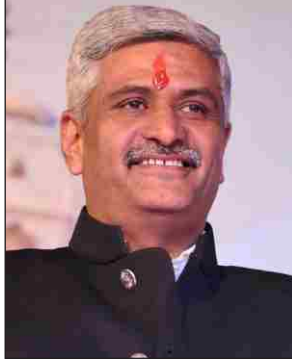
Er. Vipin Mathur



Hastimal Chordia



Ramavatar Vijay



Gajendra Singh Shekhawat

**Minister of Jal Shakti
Government of India**

Off. : 210, Sharam Shakti Bhawan
Rafi Marg, New Delhi - 110 001
Tel. : 011-23711780, 23714663, 23714200
Fax : 011-23710804
E-mail: minister-mowr@nic.in

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि समता पॉवर इस वर्ष स्मारिका प्रकाशित करने जा रही है। समता पॉवर सेवानिवृत्त इंजीनियर्स द्वारा पोषित संस्थान है, जो विद्युत क्षेत्र में जन-सहभागिता में सुधार हेतु कार्यरत अलाभ मंतव्यक्त संस्थान है।

स्मारिका में प्रकाशित समाग्री संस्थान के सदस्यों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी एवं उनमें आपसी सम्पर्क एवं सम्बंध स्थापित करने में यह प्रकाशन मार्ग प्रशस्त करेगा। आपका यह प्रयास अत्यंत सराहनीय एवं प्रशंसनीय है।

मैं स्मारिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।


(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

समता पॉवर

गगन, 3 च 1, द्वितीय पुलिया
चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर



Justice Gopal Krishan Vyas

Chairperson
(Former Judge Rajasthan High Court)



Rajasthan State Human
Rights Commission
S.S.O. Building Secretariate,
Jaipur
Ph. : 141-2227565
Fax : 0141-2227738

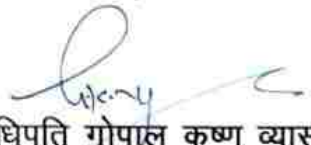
Date : 06-01-2022

शुभकामना संदेश

समता पॉवर द्वारा चुनौतियों के बावजूद विद्युत सुधार हेतु निरंतर प्रयास किये जाने एवं इसे सेवानिवृत्त इंजीनियर्स के अथक प्रयास से पोषित किये जाने की मैं भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूँ।

‘समता पॉवर’ द्वारा किये जा रहे सराहनीय प्रयासों के लिए समता पॉवर में कार्यरत सम्पूर्ण अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई तथा शुभकामनाएं। आप इन अथक प्रयासों के लिए सर्वदा सफलता की ओर अग्रसर रहे, ऐसी मैं ईश्वर से कामना करता हूँ।

भवदीय,


(न्यायाधिपति गोपाल कृष्ण व्यास)
अध्यक्ष

श्री भवनेश चन्द्र माथुर

निदेशक समता पॉवर

सेवानिवृत्त अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

जोधपुर डिस्कॉम



index

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	लेखक	पेज नं.
1.	Editorial	B.C. Mathur	5
2.	Introduction of Samta Power	Bal Mukund Sanadaya	6
3.	Profile of Samta Power		9
4.	Board of Directors		14
5.	List of Member of samta Power		17
6.	Public Awareness Campaign by Samta Power	Rahul Agarwal	20
7.	Photo Gallery of Samta Power		26
8.	Events of Samta Power		33
9.	समता पाँवर की संयुक्त याचिका	इंजी. डी.पी. चिरानिया	34
10.	News Papers Cuttings	संकलित बी.सी. माथुर	46
11.	Access of Energy	Er. B.C. Mathur	53
12.	विद्युत वाहन एवं उनके लिए चार्जिंग व्यवस्था	इंजी येवंती कुमार बोलिया	57
13-	Hydrogen Energy of Future	Er. D.D. Agarwl	60
14.	Adverse Impace of Wind Power	Praveen Mathur	69
15.	विद्युत शक्ति के दुष्प्रभाव	सतीश माथुर	73
16.	Smart Metering	Er. P.C. Tiwari	76
17.	Biomass Fuel For Power Plant	N.M. Mathur	83
18.	Purpose & Benefit of Roof Top Solar Plants	B.P. Mathur	84
19.	Asset Management	Rajeev Gour	85
20.	What is Data Science	Shubhani Mathur	88
21.	Fiexed Focus Fully Tracked 60 sq. m Paraboloid Dish With Heat Storage	B.K. Jayasimha	91
22.	विद्युत उपभोक्ताओं के अधिकार नियम 2020	इंजी. येवंती कुमार बोलिया	95
23-	विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत विनयामक आयोग ने दिये अधिकार	लियाकत अली	97
24-	प्रेरक प्रसंग	संकलित बी.सी. माथुर	100
25-	Ethics in Governance	Rajendra Bhanawat I.A.S.	104
26.	सकारात्मक सोच का जादू	इंजी. भवनेश चन्द्र माथुर	106



क्र.सं.	विवरण	लेखक	पेज नं.
27.	माँ की ममता	इंजी विपिन माथुर	110
28.	आत्म उर्जा	डॉ. श्रीमती कमलेश माथुर	111
29.	प्रकृति के तीन कड़वे नियम जो सत्य है	अंजु माथुर	113
30.	केस स्टडी (1) एक दस साल की बच्ची की	सुनीता पांडेय	114
31.	केस स्टडी (2) भूलने की बीमारी	सुनीता पांडेय	116
32.	Time Management	Ms. Priyanka Mathur	118
33.	मौसम	संकलित बी.सी. माथुर	120
34.	सख्त अधिकारी	संकलित बी.सी. माथुर	120
35.	फीस	संकलित बी.सी. माथुर	120
36.	गुड की डली	संकलित बी.सी. माथुर	121
37.	हैलो जिन्दगी	संकलित बी.सी. माथुर	121
38.	What is Passion	Er. Shilpa Mathur	122
39.	जीना सीखा	संकलित बी.सी. माथुर	124
40.	Need v/s Wants	Ms. Priyanka Mathur	125
41.	मुंशी प्रेमचंदजी की सुन्दर कविता	संकलित बीसी माथुर	126
42.	पन्द्रह अगस्त पन्द्रह अगस्त लो फिर आया पन्द्र ह अगस्त	चेतन प्रकाश	128
43.	रिश्वत की व्यांगात्मक व्याख्या	चेतन प्रकाश माथुर	129
44-	Life	Advika Mathur	130
45.	संकल्पों की साकार स्वरूप में प्राप्ति	बी. के. सुधीर कुमार	131
46.	कविता : ब्रह्मकुमारी (1) आत्म ज्ञान		133
47.	(2) कल्प वृक्ष		133
48.	परमात्व ज्ञान		134
49.	राजयोग		134
50.	सृष्टि चक्र		135
51.	84 का चक्र		135
52.	ईश्वर से प्यार		136
53.	गीता महामंत्र		136
54.	उमर की ऐसी तैसी	अटल बिहारी वाजपेयी	137



editorial

सम्पादकीय

भारत वर्ष में राष्ट्रीय चेतना के कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं द्वारा समय-समय पर आयोजित किये जाते हैं। मूल रूप से स्मारिकाओं का प्रकाशन संस्थाएँ अपनी गतिविधियों का लेखा-जोखा देकर अपनी संस्था के क्रिया-कलापों तथा उद्देश्य से समाज को परिचित करने के लिए करती हैं।

हमारा प्रयास है कि 'समता पावर' की गतिविधियों के साथ-साथ अन्य ज्ञानवर्धक एवम् उपयोगी जानकारी भी समाज में साझा की जाये।

अध्यक्ष महोदय की प्रेरणा से सूर्यनगरी जोधपुर चेप्टर की 'समता पावर' संस्था द्वारा स्मारिका प्रकाशन का यह हमारा प्रथम प्रयास है। हमने प्रयास किया है कि इस अंक में अधिक से अधिक विषयों पर सामग्री सम्मिलित की जाय ताकि स्मारिका अलग-अलग रुचि वाले समस्त पाठकों के लिए रुचिकर व उपयोगी सिद्ध हो।

'समता पावर' अपने स्थापना काल के सोलह वर्ष पूरा कर युवा अवस्था की ओर अग्रसर हो रही है।

मुझे सम्पादन कार्य में अपने सहयोगी साथियों का भरपूर सहयोग मिला, जिसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करना अपना कर्तव्य समझता हूँ।

किसी भी अव्यवहारिक सामाजिक संस्था द्वारा स्मारिका प्रकाशन तथा विमोचन के लिए वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए विज्ञापनों का अवलंब अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं सभी विज्ञापन दाताओं का आभार प्रकट करना अपना परम कर्तव्य समझता हूँ, जिनके बिना स्मारिका इस रूप में प्रस्तुत करना सर्वथा असंभव था।

यद्यपि इस स्मारिका के प्रकाशन में हमने पूर्ण सावधानी बरती है परन्तु फिर भी कोई त्रुटि रह गई हो तो हम पाठकों तथा लेखकों से करबद्ध क्षमा याचना करते हैं तथा आप सभी से भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा रखते हैं।

जिन माननीय महानुभावों ने स्मारिका प्रकाशन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं वे निश्चय ही धन्यवाद के पात्र हैं जिनकी शुभकामनाओं से हमें बल मिला व स्मारिका का प्रकाशन निर्बाधरूप से हो सका।

सधन्यवाद

सम्पादक

भवनेश चन्द्र माथुर





समता पाँवर:

एक परिचय

Introduction of SAMTA POWER

बालमुकुन्द सनाढ्य

समता पाँवर 'भारतीय कम्पनी अधिनियम'- 1956 की धारा 8 (वर्तमान अधिनियम की धारा 25) के अंतर्गत वर्ष 2005-06 में पंजीकृत एक गैर लाभ मंतव्यक कंपनी है। 'जन-सहभागिता से विद्युत क्षेत्र में सुधार' का ध्येय लेकर समाज के सभी नागरिकों को बिजली की समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान में यह कंपनी स्थापित की गई थी। बिजली को जीवन की एक बुनियादी आवश्यकता के रूप में मान्यता प्राप्त है और सभी के लिए इसकी समान पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है।

हालाँकि, बिजली का वितरण इस तंत्रकी सबसे कमजोर कड़ी है, जिसके कुछ मुख्य कारण हैं भारी 'समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक हानि' (ए.टी.एंड सी लॉस), खराब बुनियादी ढांचे, ऋणग्रस्तता, अकुशल प्रबंधन, पुराने नेटवर्क में निवेश और नवीन प्रौद्योगिकी अपनाने में शिथिलता आदि।

'समता पाँवर' द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है -

(प) उपभोक्ता जुड़ाव, नीति वकालत और नियामक के माध्यम से प्रणालीगत सुधार कार्यवाही

(पप) तकनीकी परामर्श।

अपनी पहली पहल के रूप में, 'समता पाँवर' ने ग्रामीण क्षेत्रों में घाटे को कम करने के लिए आर्थिक रूप से व्यवहार्य मॉडल के विकास की एक परियोजना बनायी। इस परियोजना को 'आईडीएफसी लिमिटेड', 'जी.टी.जेड.' और अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड. द्वारा समर्थित किया गया था. परियोजना के निष्कर्षों को 'ग्रामीण विद्युतिकरण निगम (आर.इ.सी.)' और वर्ल्ड बैंक जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकाय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था और इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली जैसी प्रतिष्ठित अकादमिक पत्रिकाओं में प्रकाशित भी हुए। <https://www->



epwin/journal/2005/07/special&articles/political&economy&electricity&theft&ruralareas-html

‘समता पॉवर’ राजस्थान के विद्युत वितरण निगमों (डिस्कॉम्स) द्वारा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग आर.इ.आर.सी. के समक्ष दायर वार्षिक राजस्व आवश्यकता व टैरिफ निर्धारण, निवेश योजनाओं, टर्मु-अप आदि विभिन्न याचिकाओं पर नियमित टिप्पणियां व सुझाव प्रस्तुत कर विचार विमर्श करती है।

एक मामले में, इसने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (आर.इ.आर.सी.) द्वारा पारित टैरिफ आदेश के खिलाफ विद्युतअपीलीय न्यायाधिकरण (अप्टेल), दिल्ली के समक्ष सफलतापूर्वक अपील की तथा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के विरुद्ध ‘स्थगन आदेश जारी करा कर निर्देश भी प्रदान कराये। इसके अतिरिक्त ‘सर्वोच्च न्यायालय’ व राजस्थान उच्च न्यायालय में जनहित से जुड़े मामलों पर याचिकाओं में भी शामिल रहे हैं।

‘समता पॉवर’ परियोजना-विकास और परियोजना-परामर्श सेवाएं प्रदान करती रही है। यह प्रचार, उपयोग, परीक्षण और व्यवहार्यता के लिए परियोजनाओं का कार्य करती है। इस कम्पनी के पास अक्षय और गैरपारंपरिक ऊर्जा, और हाइब्रिड ऊर्जा की स्वीकृति और उपयोग सिस्टम में इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञता वाले लोगों की एक समर्पित टीम है। यह (प्रारम्भ इंसेप्शन) से कमीशन करने तक की अवधारणा दृष्टिकोण के साथ काम करती है, परामर्श प्रदान करती है और विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में सेवाएं भी देती है। कम्पनी की प्रमुख शक्तियों में से एक मानव संसाधन के क्षेत्र में निहित है। कम्पनी पूर्व वरिष्ठ अनुभवी इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और समाजसेवा हेतु प्रतिबद्ध व्यक्तियों / संस्थाओं द्वारा स्थापित की गयी व सतत समर्थित है। इसके राज्य के विद्युत निगमों और वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ सक्रिय संबंध हैं और यह प्रणालीगत सुधारों को सुविधाजनक बनाने की स्थिति हेतु सतत कार्यरत है।





ETE



Er. Rahul Khanalwal

ENERGY & TELECOM ENGINEERS

ABOUT US

We deal into EHV substation & Transmission Lines, having equipments like DPGW cable, Insulators (Glass disc, Bus Post Insulator, Polymer insulator), EHV Transformer, GIS, Substation equipments, Electric Vehicle Charging system, NIFPS system, Transformer Bushings, Construction Tools.

Satisfied Clients: PGCIL, NTPC, Starlite Grid, ESSEL Infra and reputed EPC's like TATA, L&T, KEC, Techno Electric, GE, ABB, Toshiba, Siemens and many more.

Voltage rating: Up to 800KV

Special Technology: SVC, Statcom, HVDC, Solar, EV Charging

WHY CHOOSE US

- Well experienced Team in EHV substation & Transmission Line
- PGCIL & NTPC approved Equipments
- Experience of upto 765KV for many equipments
- Timely & Cost effective Deliveries

Website: etegroup.in

E: energyandtelecomengineers@gmail.com

P: +01 124 4202146 | +91 9829942390

A: E-17A/5, First Floor, DLF Phase-2, Behind ABW Tower, Iffco Chowk, Gurgaon, Haryana-122002



Established since 2006

SAMTA POWER

NON-PROFIT EARNING COMPANY

Registered U/S 25 Company Act 1956
Registration No. K-17-022443 (2006-2007)

(An Initiative in Power Sector reform through People Participation)

www.samtapower.com

*Electrifying India -
Intelligently*



VISION

Be the world leader in providing renewable and eco friendly solution by leveraging our technological and human powers to energize a greener earth that will empower man kind to reach the height of human excellence in harmony with nature.

Adopting leadership role in solving today's key issue of energy crisis and climate change.

Samta Power has been providing consultancy services for project development and project facilitation services. We undertake projects for promotion, use, testing and feasibility for renewable and conventional energy, and the popular acceptance and use of hybrid energy systems. We've a dedicated team of engineers and people with technical expertise in the company. We work with a "concept to commissioning" approach and offer consultancy and services in varied renewable energy projects.

MISSION

The delivery of latest technology and expertise to market, the flow of global finance into green project and adoption of these solution by society.

We believe that profit is not the reason for our business, rather it is the useful by product of our intention to grow together harmoniously as enshrined in the dictum: SAMASTHA LOKA SUKHINO BHAVANTHU (May all worlds be happy)

OUR MOTTO

To ensure delivery of quality power at reasonable rate and consumer satisfaction.



BOARD OF DIRECTORS



Bal Mukund Sanadhya



Bhawmesh Chandra Mathur



Ramesh Ch. Sharma



Sudhir K. Katiyar



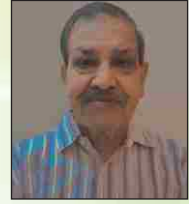
Er. Bharat Dwiedi



Er. Vipin Mathur



Hastimal Chordia



Ramavatar Vijay

Core Management Team



Bhawmesh Ch. Mathur



Er. K. L. Vyas



Er. D. P. Chirania



A. B. Dangayach



Er. Narendra M. Mathur



Er. P. C. Chouhan



Er. Suresh Ch. Mathur



Priyanka Mathur



Er. D. D. Agrawal

Our Consultants



Er. Satish Chanra



Er. Irshad Ahmed Farooqui



Er. Piyush Mathur



Er. Sumit Mathur



U.S. Sharma



Er. Satya Pal Jaggi



Er. S.C. Kothari



Er. Harendra Kumar
Soni



Dr. Kamlesh
Mathur



Sudha Mathur



Nirmla Mathur

Our Associated Energy Auditors

Er. R. N. Vaishnawa (Accredited)
Pralhad Ch. Tiwari (Accredited)
Er. Ashish Mathur

Er. Ashok Mathur
Er. A. K. Singh
Er. Praveen Mathur

Er. Sunil Bohra
Er. Manish Sharma (Discom)
Er. Manish Sharma (Transco)

Er. Sunil Choudhary
Er. Vinod Luhadia (Accredited)
Er. Bharat Dwiedi



OBJECTIVES

The main objects for which the company is established are:-

To undertake projects for increasing the efficiency, qualities of services provided by the public utilities, specially electricity.

To form common platform of consumers, employees and other direct stakeholders, in the electricity sector with a view to solve problems of stakeholders and increase technical and commercial efficiency.

To provide research and consultancy services in the energy and related sectors to national and international organization.

To engage in activities leading to sustainable and community oriented provision of public services, specially for the poor and disadvantaged, and in remote and underserved areas.

To undertake projects for promotion, use testing and feasibility for renewable and conventional energy and the proper acceptance and use of hybrid (renewable and conventional energy system)

To create awareness about and promote the rational safe, environment friendly and sustainable use of energy.

To operate training center.

To accept any donation, aid, subscription any individual firm, association in India to achieve the objects of the Company, but not detrimental to the interest of the nation and security of the Country.



Services



- Project Management
- Detailed Project Reports
- Project Feasibility Reports
- Turnkey EPC Solution
- Regulatory Advisory
- Detailed Engineering



Helping Hands

Samta Power begin to work with the poor rural people & with the rural women by helping them come together, articulate their need and aspirations a group and concentrate their impressive determination and strength on organizing themselves into a people's development organization.

In the socio technical approach, the local community people (the end users) are considered and recognized as primary stake holders and are kept in the center in any development, promotional and implementation program. The RET (Renewable Energy Technology) is the only be a means to empower people. Samta Power (NGOs) undertake the projects related to RET for sustainable Energy Solution in rural areas/ access to energy for the poor rural people.

In this regard, we would welcome any kind of donation from those people/ agencies who are interested in helping others improve their living conditions and in turn ensuring them a bright future.

Projects

- Access Energy for Poor Rural People
- CDM Benefit Project



- Energy Efficient Buildings
- Energy Management Project
- Grid Connected Systems
- Off-Grid Systems
- Preparation of Detailed Project Report
- Remote Village Electrification Projects
- Renewable Energy Certificate
- Solar Photovoltaic
- Solar Pumping System
- Solar Water Heating Systems
- Wind Tubines

Project development work of "Energy for Poor" in joint venture with 'TERI' and 'MRIDA Renergy & Development Pvt. Ltd.'

Tax benefit of donating...

Remember you can avail of tax benefit for financial donation that you make. For Indian tax payers the following benefits apply:

Under section 80G of the IT Act – upto 50% of your donation is deductible.

Under section 35AC of the IT Act (only specified projects) – 100% of your donation is deductible from your income.



Achievements

- SAMTA POWER[®] is pursuing & completed project management consultancy from concept to commissioning approach for following projects:-
 - Proving off grid solar PV roof top plants of 1KW, 5KW, 25KW, and 100KW in Rajasthan & Haryana
 - Energy conservation projects of Trinity Hospital Jodhpur, LM College of Science & Technology, Jodhpur, Municipal Corporation, Palli, Brahma Kumari Spiritual Meditation Center, Faridabad.
 - R & D Project of 1 MW solar thermal project at Abu Road, MNRE (Govt), German Govt., NGO from Germany, Brahmakumari (NGO-Certified by UNESCO) are the partners doing this R & D Project.
 - SAMTA POWER is working for project "Access to Energy for the Poor in Rural Area" (The clean energy option) jointly collaborate with "TERI", "Gram power" and "MRIDA RENERGY" in their projects as under:-
 - "TERI", Smart Solar Mini-Grid (SMG) for "Off-Grid Rural Electrification and Energization of Solar Pump in Rajasthan.
 - "Gram-Power" smart solar micro grid for off grid rural electrification in Rajasthan
 - "MRIDA" & "SAMTA POWER" are jointly working for remote village electrification, empowering villagers life, fulfilling their dreams, and promoting rural self sufficiency through, (a) Energy Access (b) Agriculture business, (c) providing enabling opportunities & (d) unleashing the potential within.
 - Recently a "240 Watt DC Solar Mini Grid" was installed to electrify 25 Households in Panch Deval Village of Abu Road Block with a simple Technology as under:-
 - 240 Watt Solar Panel
 - 2 Watt LED Bulbs – 2 nos. per house hold
 - 100 Ah Battery – 2nos
 - Automatic charge controller – switches on light after sunset and switches off on sunrise.
 - 1 mobile charging per house hold. Copper wiring for HH
 - Development of model for power sector reform at Pratapgarh Area which was funded by German Govt., GTZ, IDFC & Ajmer Discom.
 - Sharing of experiences in power sector reform through people participation with South Asian Countries at Sri Lanka which was funded by USAID, under its "SARI Program".
- Model of franchise Development approved by REC under consideration.



We are the largest solar solution provider in India.



With Best Compliments

SAMTA POWER

For any query relating to electricity, contact at www.samtapower.com

Registered Office :
 Er. B. M. Sanadhya (Director)
 Mob. 9928322685
 54/144, Mansarover, Jaipur
 Email ID :
samtapower10@gmail.com

Administrative Office :
 Er. B. C. Mathur (Director)
 Mob. 9928222244
 'GAGAN', 3-CH-1, CHB, Jodhpur
 Email ID :
samtapower.jodhpuri@gmail.com

Regional Office :
 Er. Y. K. Bolla (Adl. Director)
 Mob. 9414254531
 S.F.14, Gayatri Nagar, Hiran Magari,
 Sector 5, Udaipur
 Email Id : ykbolla@gmail.com

Administrative Office : Er. D.D. Agrawal, B-49, Lal Kothi Scheme, Sahakar Marg, Jaipur-5; Mob. 94140 41718, Email : agarwaldd@yahoo.com



OBJECTIVES

The main objects for which the company is established are :-
 To undertake projects for increasing the efficiency, qualities of services provided by the public utilities, specially electricity utilities.
 To form common platform of consumers, employees and other direct stakeholders, in the electricity sector with a view to solve problems of stakeholders and increase technical and commercial efficiency.
 To provide research and consultancy services in the energy and related sectors to national and international organization.
 To engage in activities leading to sustainable and community oriented provision of public services, specially for the poor and disadvantaged, and in remote and underserved areas.
 To undertake projects for promotion of renewable and conventional energy and use of hybrid, renewable and conventional energy system.
 To create awareness for safe, environment friendly and sustainable use of energy.
 To operate training center.
 To accept any donation, aid, subscription from individuals, firms, associations in India and abroad to achieve the objects of the Company, but not detrimental to the interest of the nation and security of the Country.



Chairman Diacom Rajasthan, MD JVVNL & DIRECTOR TECH, JVVNL, Attending Group Discussions with Stakeholders Organized by SAMTA POWER

SERVICES

- Project Management
- Detailed Project Reports
- Project Feasibility Reports
- Turnkey EPC Solution
- Regulatory Advisory
- Detailed Engineering
- Man Power Training & Safety Regulations
- Power Sector Policy Research & Advocacy



D.D. Agarwal & R.M. Sandhu Speaking on Various Issues Being Faced by Stakeholders with Electricity Utility Companies

HELPING HANDS

Samta Power begin to work with the poor rural people & with the rural women by awakening them, to come together, articulate their needs and aspirations as a group and concentrate their impressive determination and strength on organizing themselves into a people's development organisation.

In the socio technical approach, the local community people (the end users) are considered and recognized as primary stakeholders and are kept in the center in any development, promotional and implementation program. The RET (Renewable Energy Technology) is the only be a means to empower people. Samta Power (NGOs) undertake the projects related to RET for sustainable Energy Solution in rural areas/access to energy for the poor rural people. In this regard, we would welcome any kind of donation from those people/agencies who are interested in helping others improve their living conditions and in turn ensuring them a bright future.

PROJECTS

- Access Energy for Poor Rural People
- CDM Benefit Project
- Energy Efficient Buildings
- Energy Management Project
- Grid Connected Systems
- Off-Grid Systems
- Preparation of Detailed Project Report
- Remote Village Electrification Projects
- Renewable Energy Certificate
- Solar Photovoltaic Technology
- Solar Pumping System
- Solar Water Heating Systems
- Wind Turbines
- Kusum Yojna for Benefit to Agriculturists





Boards of Directors



Er. Bal Mukund Sanadhya
(B.E. Electrical)
Director

Served as Dy. Chief Engineer in Rajasthan State Electricity Board and retired on 31st October, 2000

Experience:

- 36 Years of work experience in Power Sector. Worked in Project, Planning, Commercial affairs, Construction, Operation Maintenance in Electricity Distribution, Transmission and Generation.

Education:

BE (Electrical Engineering) from MBM Engineering College at Jodhpur in 1965.

Achivement & Experience includes:

- Fellow and life member institution of engineering, India
- Life member Indian Institute of Public Admin
- Life Member National Productivity Council
- Life Member Society of Power Engineers Ind.
- Member of other NGO's working in the field of various social activities particularly for the deprived section of the Society.

Core Competency:

- Participated in number of public presentation by various generation companies, transmission, Distribution, undertakings and submitted very important suggestions/ Comments to Rajasthan Electricity Regulation commission in connection with various investment plan, Tariff petition, multiyear Tariff and Annual revenue requirements and preparation of regulation etc.



Bhawnesh Chandra Mathur
BE (Electrical Engineering),
FIE (India)
Director

Experience:

- 38 years of work experience in Power. Electricity Generation, Transmission & Distribution Domain.
- Served as Chairman and Managing Director (CMD) in Jodhpur Distribution company (Discom) – a Rajasthan State Govt. Organization.

Played various roles as an Electrical Engineer:

Started carrier with Junior Engineer and reach to Chief Engineer role and later retired as the Top Executive post as Chairman and Managing Director (CMD), Jodhpur Discom in April 2008.

Achivement / Experience includes:

- Improving financial performance of the company.
- Implementation of feeder renovation programme of Technical loss reduction (T & D Losses)
- Closely worked with power Generation & Distribution companies.
- Taken various strategic decision in overall revenue recovery.
- Monitored various task of rural Electrification and I.T services to department & Consumers.
- My services were well appreciated from all corner of society and by Government of Rajasthan.
- Received various appreciation Certificates from Government of Rajasthan.

Core Competency:

Presently serving in the capacity of senior Vice President in Private Sector for over all management of company with focus to timely execute Projects related to Transmission, Distribution & Renewable Energy, Solar Projects.



Er. Sudhir Kumar Katiyar
(BE Mechanical) PG in
Rural Management
Director

Education:

- BE (Mechanical) MNR College, Allahabad University in 1985.
- PG in Rural Management , Institute of Rural Management ANAND in 1987.

Current Associations:

- Project Coordinator PRAYAS since April 2006
- 'Prayas' Coordinates and anchors a multistate network of NGO and trade union across four states Gujrat, Rajasthan, M.P. and Chhattisgarh.

Work Experience:

- Full time position as Director 'Prayas', Pratap Garh – 1994 – 96
- Action research Project Supported by National Labor Institute & CAPART – 1990 - 1994
- Development Associate PRADAN/ASSEFA, Banswara – 1987 – 1990
- ProgrammeAssociateCenter for Environment Education, Ahemdabad – 1987

Research and Consultancy Assignment:

- Coordinator – Aajeevika, study on livelihood change in Rajasthan. ARAVALI/ UNDP – 2002 – 03
- Team Leader – Aid supported integrated Rural Development Project in Barmer – 2004
- Team Leder – Evaluation of Tribal strategy in District poverty Program MP PPIP/ World Bank – 2003
- Team Leader – Social assessment of 30 earth quake affected village in Kutch Gujrat CARE India – 2001
- Team Leader – Magra Area Development Planning Exercise GOR/ ARAVALI – 2000
- Co-Consultant RUDA GOR – 1999 – 2000
- From 1996 – 1999 worked as coordinator/ Team Leader and consultant in various projects in collaboration with other NGO's



Er. Ramesh Chandra Sharma
(BE Electrical + Honors)
Director

Education:

- Electrical Engineering (Hon) BE (Elect.) from Birla Institute of Technology and Science Pilani, Rajasthan in the year 1974.
- Done German Language Course.

Others:

- Life member of Loss Prevention Association of India Ltd.
- Fellow Member Institute of Insurance Surveyors & Adjusters, Bombay.
- Student member Chartered Insurance Institute, London.
- Life member Delhi Insurance Institute Delhi.

Experience:

- As independent loss Adjuster & engineers and consultant from 1983 to till now.
- Worked for about 8 years in a cement plant as Manager Engineering.

Career Achievement:

- Working as loss adjuster for the last 30 years as Sr Professional in this field in RajasthanState.
- Associated with Top Loss Adjuster of Country for local Assistance.
- List in the Panel of Surveyors at Regional offices of all the public sector Insurance companies and Private sector insurance companies.
- During the tenure for a foreign assignment in the field of survey and loss adjustment worked with multinational Insurance Companies, People of different National and Culture.
- Worked as guest faculty, Development Training Center. The Oriental Insurance Co. Ltd, Udaipur for Property, Engineering, Motor and Marine Cargo Department.



H.M Chordia
(M Com) Director

Professional Education:

- M Com, Indore University, 1968.

Experience:

- 55 Years service as Account Officer. Presently working as a consultant in electricity matters in Udaipur Zone retired from Ajmer Vidhyut Vitaran Nigam Limited as Accounts Officer.



Bharat Dwivedi
B.E. (Electrical) Director

Education:

- B. E (Electrical) from M. R. Engg. College, Jaipur (Raj.)

Work Experience:

- 46 Year of Strong Work Experience.

Core Competency:

- Presently Working as ' BabaPD Enterprise' as HOD O&M.



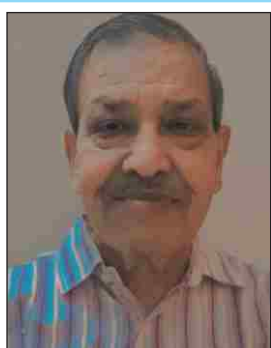
Vipin Mathur
B.E. (Mechanical)
Director

Professional Education:

- BE (Mechanical) from M.B.M Engineering College, Jodhpur (Rajasthan) in the year 1983.

Experience:

- Rajasthan Rajya Vidyut Prasaran Nigam (RVPN) - From 1985 to 2019
- 34 years of experience in electricity generation, distribution, and transmission projects in the state.
- Director, Samta Power (NGO) 2020 - Present
- (Undertaking projects for promotion, use, testing and feasibility for renewable and conventional energy in Rajasthan.)
- Sole Arbitrator, Rajasthan High Court 2019 - Present
- (Appointed as a sole arbitrator by the Chief Justice of Rajasthan)
- Rajasthan Rajya Vidyut Prasaran Nigam (RVPN) 1985-2019
- Director (Projects) in RVPN Jaipur, (2017 - 2019).
- Executed various 765 kV, 400kV and 200kV projects on turn-key basis in Rajasthan
- Chief Engineer (IT), RVPN Jaipur, (2017 - 2019).
- Implementation of SAP ERP in the transmission company
- Construction of 220 kV and 132 kV GSS with associated lines in Jaisalmer.



Ram Avatar Vijay
Director

Father's Name : Late Shri JAGDISH NARAIN VIJAY

D,O,B : 20.05.1952

Qualification : B.Com.

Employment : Retd.A.A.O (ii) from JVVNL on 31.05.12



List of Members of Samta Power

S.No.	Name	Ph. Number	Number	E-mail Id
1	Sh B M Sanadhya	9928322885	9928322885	samtapower10@gmail.com
2	Sh Sudhir Katiyar	9414296542	9414296542	kutsudhir@gmail.com
3	Sh Jagdish Choker			
4	Sh Ramesh Chandra Sharma	9414156285	9414156285	technomic@gmail.com
5	Sh Rajiv Khandelwal	9414165851	9414165851	
6	Dr.Narendra Gupta	9414110328	9414110328	narendra531@gmail.com
7	Sh Yogendra Upadhyay	9829018460	9829018460	
8	Sh Hastimal Chordia	9414109764	9414109764	hastimalchordia 1944@gmail.com
9	Sh Ramesh Chandra Hardenia	7737769546	9079853906	Jhardwino@gmail.com
10	Sh B C Mathur	9928222244	9928222244	b_cmathur@yahoo.com
11	Sh PVD Mathur	9024830842		
12	Sh Prakash Adwani	7726821589		
13	Sh Satish Mathur	9414119770	7023757700	mathursatishjod@yahoo.co.in
14	Sh SP Garg	9530457763	9530457763	
15	Sh Y K Bolia	9414254531	9414254531	ykbolia@gmail.com
16	Smt Chandra Kanta Dangayach	9829063005	9829063005	
17	Sh N.M Mathur	9784003141	9784003141	nmmathur 2007@yahoo.co.in
18	Sh PC Chauhan	9414119705	9414119705	pcchauhan@gmail.com
19	Sh A Faruquee	9414295546	9414295546	maqboolchishty@gmail.com
20	Sh Suresh Chandra	9414127669	9414127669	scmathur77@hotmail.com
21	Sh Ashish Mathur	8003425381	9214417404	ashish_mathur810@rediffmail.com
22	Sh Sumit Mathur	9460468358	8505011142	siddhivinayak_enterprises 006@yahoo.com
23	Sh Ashok Mathur	9413359033		ashokjdvvn@gmail.com
24	Sh Prahlad Chandra Tiwari	9413364941	9413364941	shringyapctiwari@gmail.com
25	Sh RN Vaishnav	9660656060	9660656060	rnvaishnawa_1879@gmail.com
26	Sh Sh A K Singh	9413359118	9413359118	aks.jodhpur@gmail.com
27	Sh Sunil Chaudhary	9413359292		sunilchoudhary24@gmail.com
28	Sh Sunil Bohra	9413359291		sbohra71@gmail.com
29	Sh Manish Sharma (Discom)	9414050102	9414050102	ms_100972@rediffmail.com
30	Sh Manish Sharma (Transission)	9829833699	9829833699	manish_er28@yahoo.co.in
31	Sh Gajendra Bohara	9829066205	9829066205	gajendraboehra007@gmail.com



List of Members of Samta Power

S.No.	Name	Ph. Number	WhatsApp Number	E-mail Id
32	Sh SL Bhansali			
33	Smt Sudha Mathur	9414119784	9414119784	
34	Smt Dr Kamlesh Mathur	9414803779	9414803779	
35	Sh Praveen Mathur	9461595799	9461595799	parveen.mathur1@gmail.com
36	Sh Uday Sharma	9829234504	9829234504	sharmauday1951@gmail.com
37	Sh CP Pidwa	9799990608	9799990608	
38	Sh SP Jaggi	9828455959	9828455959	jaggisatpal@gmail.com
39	Smt Nirmala Devi Mathur	9414191901	9414191901	
40	Sh Ankit Gurgar			
41	Sh Piyush Mathur	9214066000	9214066000	erpiyushmathur@gmai.com
42	Sh Harendra Saini	8740000996	8740000996	harendra.saini9@gmail.com
43	Smt Priyanka Mathur	8007664002	8007664002	priyankamathu@gmail.com
44	Sh Amar Singh Dewal(Karni Fabriks)	9799849604	9799849604	amarsinghdeval@gmail.com
45	Sh Tara Prakash Pali(S N Dusad)	6376550245	9829020118	tpmaharwal@yahoo.com
46	Sh Bharat Dwivedi	9351156519	9351156519	dwivedi_bharat@rediffmail.com
47	Sh SC Kothari	9251037517	9251037517	
48	Sh PC Kanthalia	9414290225	9414290225	pckanthaliya@gmail.com
49	Sh Moti Singh	9828675386	9828675386	
50	Sh Akhatar Husain	9413076811	9413076811	
51	Sh Deepak Joshi			fcadeepakjoshi@gmail.com
52	Sh D D Agarwal	9414041718	9414041718	agarwaldd@yahoo.com
53	Smt Sushma Agarwal	9166518795	9166518795	agarwaldd@yahoo.com
54	Sh Harash Agarwal	9414028689	9414028689	agarwaldd@yahoo.com
55	Smt Meghana Agarwat	9414041718		agarwaldd@yahoo.com
56	Preeti Agarwal	9351372008	9166803472	agarwaldd@yahoo.com
57	Sh Ramavtar Vijay	9829054258	9829054258	ramavtarvijay@hotmail.com
58	Sh Ram Swaroop Sharma	9214999393		
59	Sh Kuldeep Varma	9694222004	9413332004	kuldeepvarma38@gmail.com
60	Sh Kailash Chand Saini	9468597450	9468597450	kcsaini83.kcs@gmail.com



List of Members of Samta Power

S.No.	Name	Ph. Number	Number	E-mail Id
61	Sh Atul Garg	9829019995	9829019995	atulcumagargias@gmail.com
62	S RS Chaudhary	9460050614	9460050614	
63	Sh Gopalji Somani	8826150873	8826150873	gopallal.somani.mmepl@gmail.com
64	Sh SC Sharma	8209916937	8209916937	scarsss@gmail.com
65	Sh O P Agrawal	9414461888	9414461888	Jopagarwal.29@hotmail.com
66	Sh Nerendra Modi	9414297652	9414297652	nk.modi@gmail.com
67	Sh A K Sharma	9829064999	9414043999	arvindsharma_109@gmail.com
68	Smt Meghna Agrawal	7597420434	7597420434	meghnaagarwal06@gmail.com
69	Sh Vipin Mathur	9414061033	9414061033	mthrvipin@gmail.com
70	Sh D.P.Chirania	9414065555	9414065555	dpchirania@hotmail.com
71	Er. Bhagwana Ram Choudhary	9414133587		karnimatacc@gmail.com
72	Er. Rahul Khandelwal	9829942390		rkhandelwall_99@yahoo.com
73	Er. Bhagwati Prasad Mathur	9602187539		bpmathur1958@gmail.com
74	Er. Sanjay Bhoot	9166122166		sanjayboot88@gmail.com
75	Rajesh Jangid	9696825489		rajveerbewal@rediffmail.com

With Best Compliments From

Shailesh Kothari

Filteration Division

Mob. : 94143 28822

GOODLUCK ENTERPRISE

Govt. Approved Registered

"A" Class Electrical Contractor Licence No. 2112

Specialist in :

Dehydration & Filtration of Transformer oil.

Regeneration Reclamation or Reconditioning of Transformer Oil.

Turbine Oil, Hydraulic Oil, Gear Oil & Purificatin / Filtration.

Repair of Transformers.

Testing of Relays.

Day Air Generator.

Correspondence Address

A-14, RIICO Housing Colony

Ajmer Road, Beawar - 305 901 (Raj.)

Hello : 01462-226910

E-mail : goodluck.enterprises@yahoo.com

Website : www.goodluckenterprises.cin

A Goup of Engineers & Consultants



Public awareness Campaign by **SAMTA POWER** during 'LOCK DOWN' period due to COVID-19

As physical work during lockdown period from 15st March,2020 onwards was not possible, SAMTA POWER decided to arrange Webinars on Virtual platform 'ZOOM' on Technical issues for public awareness. Details as follows

By Rahul Agarwal

1. Webinar on 'SOLAR ENERGY' on 20th August,2020 at 05.45 PM to 08.00 PM, main panelist in Webinar were as follows:-

- Mr. Anil Kumar Gupta, MD (RRECL) / Mr. Sunit Mathur, Additional Director, RRECL, on topic- Government Policy, MNRE Policy & present status of Solar Sector in Rajasthan.
- Mr. M.M. Bhardwaj (Ex CMD, REIL) on topic- Issues related to Roof top Solar plants & Standard Equipments to be used in Houses, Malls, Factories, Schools, Hospitals, etc.
- Mr. Gopal Somany (Ex-Chief Engineer, RSEB & Ex-Director, RRECL) on topic- Role of Grid Connected Solar plants & how they are beneficial for Consumers & Discoms.

webinar was moderated by Er. D.D. Agarwal & Q & A session was taken up by Mr. B.C. Mathur, Director, Samta Power & Ex-CMD-JodVVNL)

About 100 members attended the Webinar & having wonderful interaction regarding 'SOLAR POWER' for Homes, C&I Consumers & other institutional Consumers & present Government of India & State government policies on Solar Power.

2. Another Webinar was organized by Samta Power on 13th



Wash hands for about 20 seconds with soap and hot water or use a sanitiser gel



Use a tissue for coughs and sneezes



If you don't have a tissue use your sleeve



Avoid touching your eyes, nose and mouth with unwashed hands

Avoid close contact with people who are unwell



September, 2020 from 11.00 AM to 12.30 PM on “20 years of Discoms-Increasing Losses in Discoms- increased Tariffs, inspite Cheaper Renewable generations, Reasons & Solutions”.

Panelist included

- a. Mr. R.G Gupta, Ex CMD, Discom & Ex Energy Advisor, Government of Rajasthan.
- b. Mr. P.N. Bhandari, IAS- Ex Chairman, RSEB- As Guest Speaker who participated in Q & A.
- c. Ms. Ann. Josey, Senior Research Associate, PRAYAS ENERGY Group, PUNE

Session was moderated by Er. D.D. Agarwal, Welcome by Er. B.M. Sanadhya & Thanks by Er. B.C. Mathur, Directors of Samta Power.

90 members participated in Webinar & a greater depth reasons of losses in Discoms was discussed alongwith probable solutions for the same.

3. After two very successful, informative & depth discussion in previous two Webinars, Samta Power organized its 3rd Webinar on Zoom platform on 24th October, 2020, Saturday from 6.00 PM to 7.30 PM on topic “SMART METERING”.

Panelist in meeting included highly technical authorities & Concern engineers of Discom including A.K. Gupta, M.D., JVVNL, Jaipur.

M/s Next Gen- Udaipur

First Generation Co. represented by Mr. Sanjay Bhardwaj, Er Amit Gupta, Secure Meters (AGM International operations), Udaipur

Er. P.C. Tiwari, AVVNL

Er. A.K. Tyagi, JVVNL

Er. Umesh Mathur, Retired JodVVNL

Implementation of Smart Metering is the latest addition of Technology in Discoms, which shall revolutionize Metering, Billing & revenue realization & likely to bring down losses by 2-3 % with no interface with Consumers.

Webinar had great response & attended by about 75-80 members with great Q.A. session completely technical in nature.

Session was moderated by Er. D.D. Agarwal, Welcome by Er. B.M. Sanadhya & Vote of Thanks by B.C. Mathur, both Directors of Samta Power.

4. 4th Webinar was proposed on ‘Discussion on Privatization of Discoms’ on November 22, 2020 from 11.00 AM to 12.30 PM. Discussion was held in view of New Electricity Amendment Act, 2020, implemented in U.T.’s

Panelist were amongst the Ex RSEB Discom Engineers including experts from private sector & industries.



About 45 members attended the Webinar with an open house like session detailing out reasons & solutions if Discoms are privatized & why it can't be run efficiently in as per present status.

5. Samta Power conducted another Webinar on Zoom Platform on “STORAGE BATTERY TECHNOLOGY AND ELECTRIC VEHICLE CHARGING SOLUTIONS” on 27th November, 2020, Friday from 06.00 PM to 07.30 PM.

This webinar had very knowledgeable & Technical persons as panelist.

Er. Gaurang Desai, Sr. Business Manager, FLUENCE ENERGY, a subsidiary of M/s Siemens & AES Company. Mr. Desai detailed out various processes of Storage & gave details of Storage Battery Technology, present status & its India prospectus.

Er. P.M. Singh- Chief Technology Officer (EVSE) Exicom Telesystem Ltd. briefed on various Technologies, prospects & status of Electric Vehicle Charging Stations in India.

Opening remarks in Webinar was given by Shri Rajendra Bhanawat, IAS & Ex MD- RILCO & Concluding remarks were delivered by Er. Anil Saboo, Chairman, IEEMA & Member of CII Central Council.

In beginning, Mr. B.M. Sanadhya, Founder Director, Samta Power welcome the attendees & Vote of thanks by Er. B.C. Mathur, Ex CMD, JodVVNL & Director, Samta Power.

This Webinar was well attended by about 100 technocrats & interested persons. This Webinar was highly successful in giving complete details of Battery storage & EV Charging Stations.

Er D.D. Agarwal moderated the session & managed Q & A session as well.

In series of Webinar by SAMTA POWER, next in line was organized on 20th December, 2020 from 10.50 AM to 12.30 PM

A highly technical TOPIC was taken up in this Webinar “SMART GRID”

Once again, highly technical persons from Industry & academetia were invited to discuss ‘SMART GRID’ concept in the Webinar.

Opening remarks were proposed by Sh. Shreemat Pandey, IAS (Retired) Chairman, Rajasthan Electricity Regulatory Commission, Jaipur who incidentally could not attend the session.

Main panelist were

1. **Er. Rajib Roy Chowdhary**, B. Tech, MBA, Ex Tata Power, highly experienced in the Power Sector presented his views, on Smart Grid concept through Slides, importance & necessity of having SMART GRID concept in practically in field to save energy, infrastructure Cost, Continuity of Power. It was a wonderful Technical details on Smart Grid by Rajib.
2. **Er. N.P. Padhy**- Professor, Electrical Engineering, IIT Roorkee; Topic being Advantages & challenges of Smart Grid Development. A very renowned Technologist, who participated in Paris Climate Change agreement on behalf of Country in PM's team, vast technical knowledge, explained how &



why 'SMART GRID' is necessary in today's Power Scenario, He also elaborated challenges in implementing 'SMART GRID' - Concept in India, specially involvement of high infrastructure cost-Finance needed is high.

3. **Er. P.C. Tiwari**, M. Tech, Energy Auditors representing Ajmer Vidyut Vitaran Nigam Ltd. gave his presentation of various works taken up in AVVNL to fulfill dream of 'Smart Grid' in 33/11 K.V. side in distribution Company. Presentation was very well supported with slides, explaining SKADA system, etc.
4. **Er. M.K. Gaur**, Retired Superintending Engineer, Rajasthan Vidyut Vitaran Nigam Ltd. & Professor in MB Engineering College, Jodhpur explained in details work of laying optical fibre by RVPN to strengthen & regulating Smart Grid Concept in RVPN, how Load Dispatch Centres at State Level, North Zone level & National Level can be feed with latest datas to arrive at a proper decision, a very basics of SMART GRID.

Session ended with Concluding remarks by Er. Y.K. Rayzada- Ex Director- Technical, RVPN, Jaipur.

Session & QA was moderated by Er. D.D. Agarwal & Er. Y.K. Boila, members of Samta Power.

In beginning, Mr. B.M. Sanadhya, Director, Samta Power welcomed the attendees & Er. B.C. Mathur presented Vote of Thanks.

This Session was attended by more than 80 Technocrats & it was very knowledgeable Webinar.

To fight out Corona Syndrome in minds of Samta Power members, A New year Cultural event/ evening by Members of Samta Power was organized on 1st January, 2021 from 05.00 PM to 07.00 PM. This event had great response, about 35 entries received, each were allotted 3 minutes to present Song, Poem, Chutkala, Story & Prayer. Shri Atul Garg, IAS, Retired Additional Chief Secretary, Government of Rajasthan (a member of Samta Power) & Shri Rajendra Bhardwaj, IAS, Retired MD, RILCO alongwith members, spouse & family members participated & presented Song, Prayer, Dance, etc.

It was a very entertaining & well attended successful event for SAMTA POWER, 1st Three Winners in each event were awarded by a panel of experts including Mr. Devendra Saxena, Ex C.E., RVPN.

This event help Samta Power in reducing fear of Covid-19, diverting day today new & what's up on this disease.

Another Webinar on Zoom on the Topic "Major impact of Changes proposed in SOLAR ROOF-TOP NET METERING Policy" by State Regulator (RERC) & in view of notification of Ministry of Power, Government of India, New Delhi, was organized on 26th January, 2021.

It was in way, an open house discussions, as Government proposed to restrict use of Net Metering to C & I Consumers & upto 10 KW to household Consumers.

Speakers from diverse backgrounds including Rajasthan Solar Association, Solar Power Service & Equipment Suppliers, Industrial Associations, Consumers & Consumer activist (NGO's) presented their view & based on that, SAMTA POWER sent detailed representations to Regulator & Ministry of Power, Government of India, New Delhi.

Samta Power is taking up issues regarding Tariffs & Investment plans proposed by Discoms before Regulator, since last 15 years.

In this process, a "Brain Storming Session" on Tariff petition & Investment Plan 2020-21 (Multi year) proposed before RERC by Discoms were taken up on 23rd February, 2021 from 06.00 PM to 07.00 PM.

Stake holders from Industry, Khadya Vyapar Sangh, Journalist, Trade, CII & Ex Engineers of Discoms,



who participate in regulatory affairs presented their views.

It was a great discussion & Overall view emerged that “Datan provided by Discoms are generally not correct, half truth, some are fake, exaggerated & needs to further review, as such RERC should return the Petitions to ‘DISCOMS’ for necessary corrections.

A representation based on above discussion was submitted to RERC & Discoms & same points were raised by SAMTA POWER members on RERC’s public hearing platform on these petitions.

Session was moderated by Er. D.D. Agarwal, a member of Samta Power.

It was attended by about 40 stakeholders.

Webinar on Zoom by SAMTA POWER ‘Discussion on proposed “NATIONAL ELECTRICITY POLICY” (NEP-2021) on dated 22nd May, 2021 at 10.45 AM-12.00 Noon.

National Electricity Policy is a policy document, earlier made in year 2006. This policy gives direction to all agencies, MNRE, CEA, PFC, REC, SECI, NTPC, NHPC & State Power Sector Utilities as to what steps, they should follow to achieve NEP objectives. This policy specially specific to Renewable Energy, Smart Grid, Smart Meters, Rural Electrification, Power for all with quality & security of Power, etc.

To know the Gist of Policy, SAMTA POWER invited a renowned Research Oriented group in Power Sector- “PRAYAS ENERGY GROUP’ PUNE & it was represented by its head Mr. “Shree Kumar Nhalur” who presented in details the nut & bolt of Policy. Incidentally, ‘Prayas Group’ was also invited by Ministry Of Power, Government of India, New Delhi, to give their views, while formulizing draft of NEP-2021.

NEP-2021 was discussed in detail. Er. D.D. Agarwal elaborated initially the main points of concern in NEP 21, which were later on explained in detail by Sh. ShreeKumar of Prayas Energy Group.

Er. Y.K. Bolia, Member of Samta Power also elaborated in details regarding NEP2021 & specially in context of State of Rajasthan.

Based on above discussions, SAMTA POWER members put up a detailed note on NEP 2021 before Ministry of Power, Government of India, New Delhi.

This meeting was attended by about 60 Technocrats from various fields including Solar & Wind Association, Industrial Association, CII, IEEMA, Various Engineering Colleges & other stakeholders.

A good technical Discussion were summed up by Er. D.D. Agarwal, member of SAMTA POWER.

Initially, Er. B.M. Sanadhya, Er. B.C. Mathur welcomed & presented Vote of Thanks on behalf of SAMTA POWER to all attendees specially Prayas Energy.

A highly renowned personality in Power Sector, Padmashree awardee, Dr. Ashok Jhhunjhhnuwala, Professor at Department of Electrical Engineering, IIT Madras, Ex Advisor, Ministry of Power, Government of India, New Delhi & a brain behind NEP 2006 was invited in a Webinar organized by SAMTA POWER on 13th June, 2021 from 05.45 PM to 07.00 PM.

Topic being “HOW INDIA CAN MOVE TOWARDS 100% RENEWABLE ENERGY (SOLAR, WIND, BIOMASS)

In the present power sector scenario, RE generation Cost is declining & it is necessary that the Cheaper generation Cost of Solar & Wind energy be transferred to Consumers.

To have a depth tit bits of Renewable Energy & India’s present growth Story, Challenges in transition of RE in Grid System due to its intermittent nature, a great challenges is faced in RE generation, as Cost of storage of RE is very high, which makes RE Power transition Costly.

Dr. Ashok Jhhunjhhnuwala, explained various options available for such RE Power transition in Grid



& suggested a new method, which is being implemented in Campus of IIT Madras, which is reducing Cost of Supply to C & I Consumers by amount of Rs 1 to Rs 1.50 per unit.

Session was very well attended from various technocrats from all over India, Academic as well as Engineering College Students, Various National Associations, Solar Wind, Industrial Associations attended the presentation by Dr. Ashok Jhhunjhhnuwala.

About 85 stakeholders attended the presentation, which gave real depth of 100 % RE generation & use, possibility in India.

It was a wonderful, highly technical presentation by Dr. Ashok Jhhunjhhnuwala.

Session was moderated by Er. D.D. Agarwal, a member of Samta Power, who briefed up present status of RE power in State & Country.

Er. B.M. Sanadhya & Er. B.C. Mathur from Samta Power welcomed the penal member & attendee & presented Vote of Thanks.

SAMTA POWER in Association with Rotary Club, Jaipur Mid Town & BITSAA, Jaipur Chapter (Alumni Association of BITS Pilani) organized a Webinar on “COMPUTER SHIKSHA”

An NGO ‘COMPUTER SHIKSHA’ managed by BITSIAN Er. Rakesh Suri developed a Software to teach Computer education to Children in Villages (specially have nots) through this system at three levels from Basics (primary) to 12th Standards Students without intervention of any teacher. This organization provides “Computer Shiksha” free of cost. Initial expenses in System development is organized by NGO himself from Corporate donations.

It was a wonderful experience having Er. Rakesh Suri.

Computer Shiksha is needed to everyone in today’s scenario as digitalization is fast popularizing.

Er. Rakesh Suri , a highly professional person, having experience of about 35 years working in MNC’s turned philanthropist & presently teaching more than 1 lac students in 750 schools of Country in 12 States.

SAMTA POWER is grateful to see his devotions towards serving downtrodden of Society, making them employable in today’s World.

This Webinar was organized by SAMTA POWER alongwith Rotary Club Mid Town, Jaipur & BITSAA was keeping in view of its motto to generate a kind of belief in members regarding service to Society.

In Webinar, two other panelists presented, how they helping in Schooling poor families of Rikshawala, Rediwala, Fruit Sector, etc. by providing free education facilities equivalent to CBSE Schools.

A good initiative by SAMTA POWER.



Photo Gallery





Photo Gallery





Photo Gallery





Photo Gallery





Photo Gallery

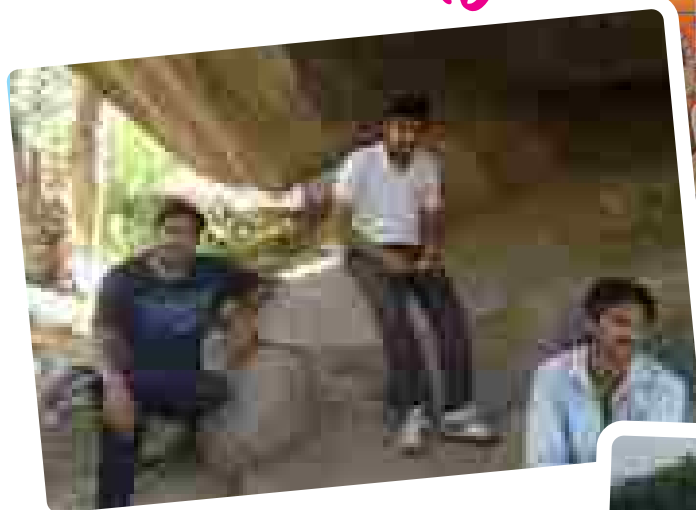
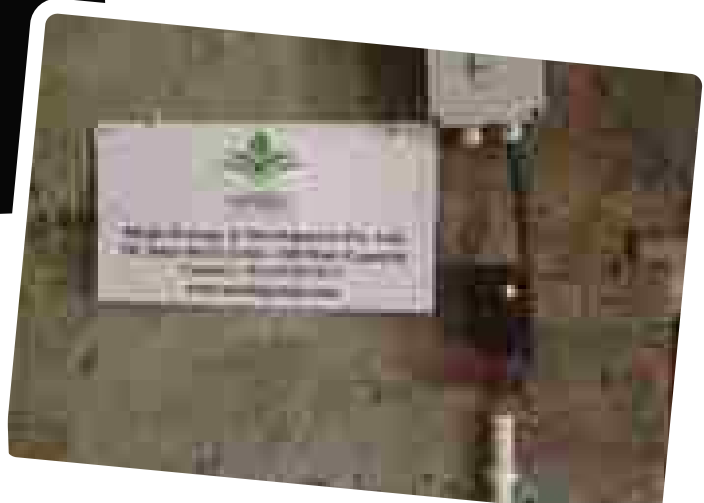






Photo Gallery



The Chairman and Organising Committee of  **ieema**
your link to electricity


 **ELEC RAMA-2020**
we are all about electricity


would like to thank


M/s **SAMTA POWER**

for their participation in

ELEC RAMA 2020
18-22 January 2020, India Expo Mart Ltd.
Greater Noida, India


Anil Saboo
Chairman, Organising Committee


Sunil Misra
Director General


R. K. Chugh
President, IEEMA



Samta Power participated in following International & National Exhibitions during year 2020-21 to show case & achieve their mission, Promote Green Energy Use.

1. International Exhibition Organized by 'IEEMA' (Indian Electrical & Electronics Manufacturers Association) in NOIDA from 18th January, 2020 to 22nd January, 2020 at NOIDA, U.P., in name of 'ELECARAMA'. Samta Power was allotted a space of 100 sqft, where it promoted Use of Clean Energy by Society & possibilities of Setting up new RE generation plants in State of Rajasthan. This exhibition had about 950 exhibitors (650 National & 300 International).
2. International Exhibition 'STONA' was organized by 'FIGSA' 'Federation of Indian Granite & Stone Association' at Bangalore from 6th February, 2020 to 9th February, 2020 in State of Karnataka. About 400 exhibitors participated including about 50 international exhibitors. Samta Power was allotted a space of 100 sqft to showcase, relevance of Renewable energy situation to Stone & Granite Industry, as well as other grievances of Stakeholders taken up by Samta Power.
3. International Exhibition by "Indo Agri Food & Feed International" at JECC, Sitapura Industrial Area, Jaipur from 23rd February, 2020 to 25th February, 2020. Samta Power was allotted a space as an exhibitor where it promoted role of Renewable energy in Agriculture Sector, Government of India; MNRE Scheme of KUSUM Scheme, Feeder Separation Scheme, etc. alongwith public/ Agriculturist were given advice regarding regulatory affairs.
4. 'UDYOG SAMAGAM' Exhibition at Rajnagar was from 05.03.2020 to 06.03.2020 & Sh. Y.K. Boila & Mr. H.M. Chordia represented Samta Power. Samta Power participated in promotion of Renewable Energy 'specially 'SOLAR ENERGY' for C & I Consumers, in an exhibition Organized by Small Industries Service Institution (MSME) Government of India, Jaipur; Commissioner (Industries), Rajasthan (DIC, Rajnagar) & Associations of Stones, Marble & Others at Rajnagar, where representatives of Samta Power delivered lectures on role, aim & objectives of Company to various entrepreneurs of area (Udaipur, Chittorgarh & Kahkroli (Rajnagar) & had a MOU with Marble Members of Association in respect of power issues.

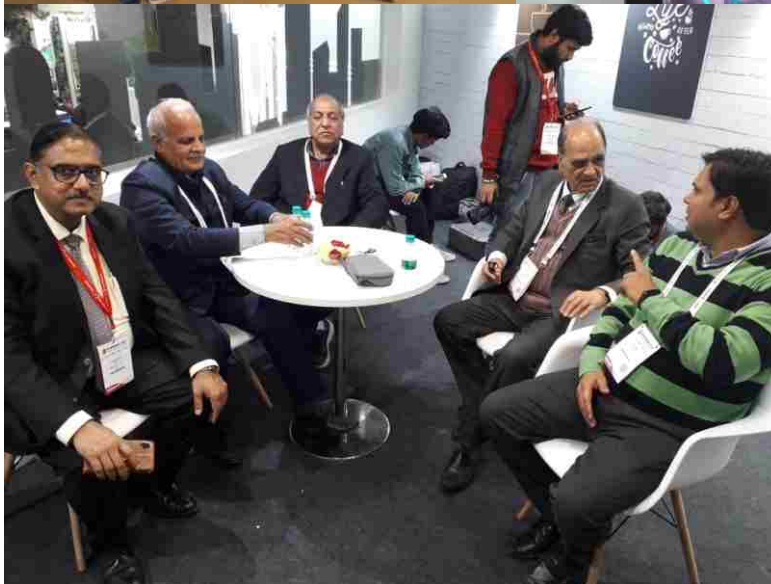
Participation by Samta Power in all these exhibitions, gave a big broader vision to SAMTA POWER in eyes of public/ entrepreneurs/ Power Users.



समता पाँवर



EVENTS





समता पाँवर

54/144, सेक्टर-5, हीरापथ, मानसरोवर, जयपुर-302020
एवं

आर.एस.ई.बी. रिटायर्ड अभियन्ता एवम् अधिकारी जन कल्याण ट्रस्ट, जयपुर
2/668, जवाहर नगर, जयपुर 302004

की संयुक्त याचिका

विषय : राजस्थान की विद्युत वितरण कम्पनियों द्वारा
सुरक्षा नियमों की खुली अवहेलना
नित्य होती विद्युत दुर्घटनाओं से मौतों पर अंकुश हेतू

विरुद्ध

- i- सचिव, राजस्थान विद्युत नियामक आयोग, जयपुर
विद्युत विनियामक भवन, स्टेट मोटर गेराज के पास, जयपुर
- ii- प्रबन्ध निदेशक, जयपुर विद्युत वितरण निगम, जयपुर
विद्युत भवन, ज्योती नगर, जयपुर
- iii- प्रबन्ध निदेशक, अजमेर विद्युत वितरण निगम, अजमेर
विद्युत भवन, पंचशील नगर, मकरवालि रोड, अजमेर-305004
- iv- प्रबन्ध निदेशक, जोधपुर विद्युत वितरण निगम, जोधपुर
न्यू पावर हाउस, जोधपुर-342003
- v- वरिष्ठ विद्युत निरीक्षक, विद्युत निरीक्षणालय, नन्दपुरी जयपुर
- vi- उर्जा सचिव, राजस्थान सरकार, सचिवालय, जयपुर





माननीय अध्यक्ष महोदय,

राजस्थान मानवाधिकार आयोग, जयपुर

1. श्रीमान

नित्य प्रकाशित अखबारों में विद्युत दुर्घटनाओं पर मौत की खबर, एक स्थाई कॉलम का रूप लेता जा रहा है। हाल ही एक पार्क में हुई बच्चे की मौत का आपने स्व-संज्ञान लिया, यह एक स्वागत योग्य कदम है।

2. श्रीमान, पूर्व में भी आपका आयोग विद्युत दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिये विद्युत वितरण कम्पनियों के साथ बैठक कर चुका है, व तत् सम्बन्ध में राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित खबर की प्रति सलगनक-1 में प्रस्तुत है। हम, उस बैठक में, आप द्वारा जारी निर्देश को पूनः अभिव्यक्त, निम्नानुसार करना चाहेंगे, क्यों कि यह हमारे आगे के कथन का आधार होगा।

‘प्रदेश में पिछले तीन सालों में बिजली करंट की अलग-अलग घटनाओं से 1200 लोगों की मौत हो चुकी है। विद्युत हादसों पर रोकथाम के लिये राज्य मानवाधिकार आयोग सदस्य एम.के.देवराजन की अध्यक्षता में यह चौकनेवाला तथ्य सामने आया। देवराजन ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर जबाब मांगा तो अधिकारी सीधा जबाब देने के बजाय अपनी मजबूरियां गिनाने लगे। देवराजन ने विद्युत हादसों में मौत की इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बिजली कम्पनियों के अधिकारियों से इनकी रोकथाम के लिए एक्शन प्लान बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक संख्या में होते रहे मौत के कारण खोजें जाएं और उन समस्याओं को दूर करने के लिए उपाय किए जाएं। मरनेवालों में विद्युत कर्मचारी के अलावा काफी संख्या में जनसामान्य भी है। इसकी प्रमुख वजह खस्ताहाल विद्युत तंत्र है। बैठक में राज्य की सभी विद्युत वितरण कम्पनियों के अध्यक्ष आर.जी.गुप्ता सहित विद्युत कम्पनियों के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

23 करोड़ मुआवजा की चपत

विद्युत भवन में हुई में मौत के आंकड़ों के साथ ही ये भी बात सामने आई है कि कंगाली से जूझ रही कम्पनियां इन हादसों के पीड़ितों को बतौर मुआवजा 23 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुके हैं। गुप्ता ने कहा कि ऐसे मामलों में अनदेखों पर जिम्मेदारी तय की जायेगी। साथ ही आश्वासन दिया कि घटनाओं पर रोकथाम के लिए खुले तारों को जल्द ठीक किया जायेगा। खुले बॉक्स भी सुधारे जायेंगे।

3. श्रीमान, अफसोसजनक स्थिति यह है कि उस बैठक के दस वर्ष बाद भी, उपरोक्त बैठक में जो स्थिति थी उसमें कोई सुधार नहीं आया, न विधुत तन्त्र की खस्ता हालत सुधरी, न जिम्मेदारों पर कोई कार्यवाही हुई. न खुले तार ठीक हुये व न खुले बॉक्स कम हुये, न किसी ने विद्युत हादसों की वजह जानी व न ही हादसे कम हो उस पर प्रयत्न हुआ। आप को उस समय दिये आश्वासन पर 1 प्रतिशत भी कार्य नहीं हुआ।

4. श्रीमान, बिजली हादसों की वजह, विद्युत क्षेत्र में काम करने वाले हर व्यक्ति को विदित है, यह वजह है विद्युत सुरक्षा नियमों की अनदेखी। केन्द्रिय विद्युत प्राधिकरण (CEA) द्वारा 2010 व 2011 में जारी सुरक्षा नियम, निम्न नामों से जाने जाते हैं व अगर इनकी पालना अक्षरत् की जावे तब विद्युत जनित हादसे नगण्य हो सकते हैं-

i- Central Electricity Authority Regulation on Measures relating to Safety and Electric Supply – 2010

ii- Central Electricity Authority Regulation on Safety Requirements for Construction] Operation and Maintenance of Electric Lines- 2011

5. विद्युत सुरक्षा नियम, विद्युत लाईन आदि पर कार्य कराने वाले के लिये बहुत सी जिम्मेदारी दे रहा है, यथा, हर कर्मचारी न्युनतम दो साल का ITI होल्डर होना चाहिये, हर कर्मचारी जिस-जिस काम के लिये अधिकृत है, उसका रजिस्टर होना चाहिये, वह रजिस्टर विद्युत निरीक्षणालय को उपलब्ध करवाना चाहिये, विद्युत निरीक्षणालय का दायित्व है कि उस रजिस्टर अनुसार जाँच करे की कर्मचारी जिस कार्य के लिये अधिकृत किया गया है उसके योग्य व प्रशिक्षित है, वरना उसका अधिकृत निरष्ट करेगा, पूर्ण अधिकार युक्त सुरक्षा विभाग होगा, उस विभाग की निरीक्षण आदि की जिम्मेदारी तय की हुई है, हर नये व कार्यरत अभियन्ता, सुपरवाइजर व तकनिकी कर्मचारी के लिये सर्विस जॉईनिंग के समय व सर्विस के दौरान प्रशिक्षण का समय व



सेलेबस तय किया हुआ है, कम्पनियों से चाहा गया है कि वे अपनी ट्रेनिंग सन्स्था बनाये, निर्धारित समय पर विद्युत लाईनों, सब-स्टेशन, प्रोटेक्शन, उपभोक्ताओं के इन्सटालेशन आदि की जाँच, विद्युत निरीक्षणालय द्वारा विद्युत हादसे की जाँच, सुरक्षा विभाग द्वारा किये गये निरीक्षण की जाँच, सुरक्षा मेन्युवल, लाईनों की ऊँचाई, मकानों से दूरी, स्ट्रूट व सड़क क्रॉसिंग पर लाईनों की गार्डनिंग, अर्थिंग, अर्थिंग पोइन्ट कन्ज्यूमर के यहाँ, अर्थ-वायर, पिलर बॉक्स की लोकिंग, स्टे-इन्सुलेटर आदि सुरक्षा नियमों का प्रावधान किया हुआ है, जिनकी घौर उपेक्षा हो रही है।

आपकी तत्काल जानकारी हेतु हमने, उपरोक्त सुरक्षा रेगुलेशन की कुछ प्रमुख धाराओं की जानकारीयां सलगनक -2 में प्रस्तुत की है।

6. श्रीमान, हमारा ट्रस्ट विद्युत हादसों से सुरक्षा के लिये एक दशक से प्रयत्नशील है। हम वितरण कम्पनियों, राज्य विद्युत नियामक आयोग, राज्य विद्युत निरीक्षणालय व राज्य सरकार पर लगातार केन्द्रिय विद्युत प्राधिकरण (CEA) द्वारा 2010 व 2011 में जारी सुरक्षा नियमों की पालना सुनिश्चित करने का दबाव बनाये हुये है परन्तु वितरण कम्पनियां ढीठ बनी हुई है,

वितरण कम्पनी	गार्डिंग नहीं		लाईन की ऊँचाई सही नहीं		ट्रान्सफोर्मर की अर्थिंग नहीं	
	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की
जयपुर	8574	578	8181	1156	3201	737
अजमेर	51713	8744	8358	3117	1897	1312
जोधपुर	9500	816	4767	1764	2187	1175
कुल	69787	10138	21306	6037	7285	3224

वितरण कम्पनी	लम्बे स्पान		झूलती लाईने		टेडे पोल	
	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की
जयपुर	25095	4280	10614	2990	10875	2451
अजमेर	31730	7390	9218	4066	7056	3615
जोधपुर	17147	6777	7933	3823	8021	4045
कुल	73972	18447	27765	10879	25952	10111

वितरण कम्पनी	स्टे-इन्सुलेटर नहीं		खुले बक्से		खुली भूमिगत केबल	
	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की
जयपुर	19635	1954	2477	865	247	102
अजमेर	15040	4594	1099	536	101	51
जोधपुर	8518	2966	621	242	165	65
कुल	43193	9514	4197	1643	513	218

वितरण कम्पनी	पानी भराव क्षेत्र		कुल		यह है सुरक्षा के आदेश की पालना, यह दर्शा रहा है कि कार्य की गुणवत्ता। ऐसे दोषपूर्ण सिस्टम की किसी की तो जिम्मेदारी होनी चाहिये। दो महिने से अधिक समय में 25 प्रतिशत सुधार नहीं हुआ, हादसे होते रहें।
	जानकारी में	ठीक की	जानकारी में	ठीक की	
जयपुर	477	113	89376	15226	
अजमेर	354	143	126572	33568	
जोधपुर	797	612	59656	22285	



नियामक आयोग लाचार है, राज्य सरकार को कोई सरोकार नहीं व विद्युत निरीक्षणलय अपना ही दुखड़ा रोने में मसगुल है।

7. हमने राजस्थान हाई-कोर्ट में PIL फाईल 2015 में की, प्राम्भिक सुनवाई के बाद आगे सुनवाई पिछले तीन साल से नहीं हो रही है. उधर, प्रति-दिन औयत मृत्यु दर (विद्युत हादसों से) 3 से बढ़कर 5 हो गई।
8. श्रीमान, बाध्य होकर, हम आपकी शरण में आये है, हमारे प्रयत्नों व विभिन्न जिम्मेदार विभागो की लाचारी का कच्चा चिठा प्रस्तुत करते हुये आपसे प्रार्थना लेकर की, संविधान में दिये गये जीने के अधिकार की रक्षा आप ही कर सकते है।
9. श्रीमान् विद्युत अधिनियम-2003 में CEA को विद्युत सुरक्षा सम्बन्धित नियम बनाने का अधिकार दिया हुआ है व राज्य विद्युत नियामक आयोग तथा राज्य विद्युत निरीक्षणालय को इनकी पालना करवाने व पालना नहीं होने पर कार्यवाही करने का अधिकार दिया हुआ है। पूर्व में हमने विद्युत वितरण कम्पनियों से RTI द्वारा सुरक्षा नियमों की पालना सम्बन्धित जानकारियां मांगी, नहीं दी गई, नियामक आयोग को शिकायत दायर की, कुछ नहीं हुआ, बार-बार इस ईश्यू को टेरिफ-पेटिशन की सुनवाई में उठाया व हमारे बार-बार के ऐतराज पर, नियामक आयोग ने सुरक्षा सम्बन्धित कुछ डाइरेक्टिव, अपने आदेश दिनांक 07-03-2019 द्वारा जारी की, जिनकी पालना छः महिनों में चाही गई। वितरण कम्पनियों ने उनकी पालना भी नहीं की। नियामक आयोग द्वारा जारी डाइरेक्टिव सलगनक-3 में प्रस्तुत की गई है।
10. नियामक आयोग द्वारा जारी सुरक्षा सम्बन्धित डाइरेक्टिव की पालना नहीं होने की शिकायत हमने विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 142 में नियामक आयोग को की, जिसे आयोग ने याचिका का रुप देते हुये वितरण कम्पनियों को नोटिस जारी किया, उनके असन्तोषपूर्ण जबाब पर हमारी प्रतिक्रिया बाद अगस्त-2020 में यह पूर्णतया सिद्ध हो गया की यह कम्पनियां सुरक्षा सम्बन्धित डाइरेक्टिव की पालना नहीं करने के दोषी है, परन्तु आज तक नियामक आयोग ने इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की है. याचिका संख्या 1553/2019 है।
11. नियामक आयोग ने इसी याचिका पर मार्च-2021 में वितरण कम्पनियों से पिछले छः महिनों में बिजली हादसे से हुई मौतों की जानकारी मांगी, जिसके जबाब में जयपुर व जोधपुर वितरण कम्पनियों से प्राप्त जबाब अनुसार जयपुर विद्युत वितरण निगम में छः महिने में 292 हादसे हुये, जिनसे 193 लोग मृत्यु को प्राप्त हुये, व 99 नारकिय जीवन बिताने को, जोधपुर विद्युत वितरण निगम में छः महिने में 96 हादसे हुये, जिनसे 74 लोग मृत्यु को प्राप्त हुये, व 22 नारकिय जीवन बिताने को। अजमेर कम्पनी ने जबाब देने की जरूरत ही नहीं समझी, न नियामक आयोग ने समरण-पत्र जारी किया। यह हाल है, इन जिम्मेदार लोगों का। यहाँ यह ही तथ्य उजागर करना उचित समझता हूँ कि ठेकेदार के कर्मचारियों की हो रही अधिकतर मौतों की

राज्य मानवाधिकार आयोग की बैठक

तीन साल में बिजली करंट से 1200 मौत!

बिजली कम्पनियों के अधिकारियों को हदसों पर रोकथाम के लिए एक्शन प्लान बनाने को कहा

जयपुर

राज्य मानवाधिकार आयोग की बैठक में प्रदेश में पिछले तीन सालों में बिजली करंट की अलग-अलग घटनाओं में 1200 लोगों की मौत हो चुकी है। विद्युत हादसों पर रोकथाम के लिए राज्य मानवाधिकार आयोग सदस्य प्रम. के. देवराजन की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। देवराजन ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर ध्यान देना और अधिकारी सीधा जवाब देने के बजाय अपनी भुजबुनियाँ गिनाने लगे।

देवराजन ने विद्युत हादसों में मौत की इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बिजली कम्पनियों के अधिकारियों से इनकी रोकथाम के लिए एक्शन प्लान बनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि इतनी अधिक संख्या में होने से मौत के कारण खोजे जाएं और उन समस्याओं को दूर करने के लिए उपाय किए जाएं। मरने वालों में विद्युत कर्मचारियों के अलावा काफी संख्या में जनसामान्य भी है। इसकी प्रमुख वृद्धि खसरावल विद्युत तंत्र है। बैठक में राज्य की सभी विद्युत वितरण कम्पनियों के अध्यक्ष आर.जी. गुप्ता सहित विद्युत कम्पनियों के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

23 करोड़ मुआवजे की चपत

विद्युत भवन में हुई बैठक में मौत के आंकड़ों के साथ ही ये भी बात सामने आई है कि कुंगली से जुड़ा रही कम्पनियों से हदसों के पीड़ितों को बतौर मुआवजा 23 करोड़ रुपए की भुगतान कर चुकी है। गुप्ता ने कहा कि ऐसे मामलों में अनदेखी पर जिम्मेदारी तब की जाएगी। साथ ही आश्वासन दिया कि घटनाओं पर रोकथाम के लिए खुले तौरों को जल्द ठीक किया जाए। खुले बाँक्स भी सुधारे जाएंगे।

सत्यापित प्रति

लोक राजकीय अधिकारी

राजस्थान, विद्युत विनियामक आयोग, जयपुर



सूचना रिकार्ड पर नहीं लाई जाती, उपर-की-उपर दे-लेकर रफा-दफा हो जाती है। पब्लिक-मैन के साथ भी काफी-कुछ ऐसा ही होता है। पशुओं की अनगिणत मौते हैं, जिनकी सूचना नहीं दी गई है। इन जवाबों की प्रतिया, सुनवाई के समय प्रस्तुत कर दी जायेगी।

12. श्रीमान, दिखावे के लिये नियामक आयोग बार-बार अपने टेरिफ आदेशों के समय सुरक्षा नियमों की पालना के निर्देश देकर इतिश्री कर लेता है। वितरण कम्पनियां, विभिन्न अधिकारियों यथा उर्जा सचिव, अध्यक्ष वितरण कम्पनियां, एम.डी., सचिव, कार्मिक अधिकारी, मुख्य अभियन्ता आदि के जरिये दर्जनों आदेश जारी करते रहते हैं, एक लम्बी सूची है, परन्तु, हम हाल ही का एक आदेश क्रमांक Chairman/4Discoms/(ACE)QC&Safety & Trg-/F-/D-333 dated 23/12/2020] जो इन वितरण कम्पनियों के अध्यक्ष, जो उर्जा सेक्रेटरी भी है, उसकी प्रति, सलंगनक-4 के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। इस आदेश के प्रमुख तथ्यों को हम बिन्दूवार निम्नानुसार प्रस्तुत कर रहे हैं।

i- विद्युत हादसों से हो रही जन हानि, पशु-धन हानि, एक बहुत गम्भीर मामला है, जिसे विभाग को शीर्ष-वरियता से सुलझाना है।

ii- समय-समय पर व बार-बार कहा गया है कि विद्युत-दुर्घटनाओं सम्भावित हाई-रिस्क पॉइन्ट का पता लगा कर उन्हें दुरस्त किया जावे जिससे वे पॉइन्ट जन-जीवन, पशुओं व सम्पति के लिये खतरा नहीं बने।

iii- 2008 से 2020 के बीच इस सम्बन्ध में जारी 12 प्रमुख आदेशों की सूची जारी कर, उनकी प्रति लगाई गई।

iv- फिर भी हादसे लगातार रूप से हो रहे हैं, जो यह धारणा दे रहे हैं कि फिल्ड-अधिकारी विद्युत हादसों के प्रति गम्भीर नहीं हैं। (देखिये दोष किसे दिया जा रहा है, जो अधिकारी सचिवालय में बैठकर आदेश-पर-आदेश निकाल रहे हैं, उनका कोई उतरदायित्व नहीं)

v- विद्युत हादसों से जन व पशु हानि को उर्जा मन्त्री ने गम्भीरता से लिया है व निर्देश दिया है कि, हर तरह के प्रयत्न कर इन्हें रोका जाये। (यह पहला अवसर नहीं है कि उर्जा मन्त्री ने निर्देश दिये हो, पूर्व में कई बार ऐसा मुख्यमन्त्री, उर्जा मन्त्री, उर्जा सचिव आदि कर चुके हैं, वर्तमान में भी मुख्यमन्त्री का आदेश है, आवश्यक होगा तो दस्तावेज प्रस्तुत किये जा सकते हैं)

vi- अतः निर्देश दिया जाता है कि अभियान चला कर, उच्च-खतरों के पॉइन्ट का पता लगा कर, हर आवश्यक कार्यवाई कर, एक महिने, यानि कि, 1.1.2021 से 31.01-2021 तक इन सभी पॉइन्ट को दुरस्त किया जावे।

vii- इस कार्य की प्रगति रिपोर्ट, हर सप्ताह SE अपनी कम्पनी के MD को भेजेगा।

viii. MD अपनी कम्पनी की सम्पूर्ण रिपोर्ट, पाक्षिक रूप से, वितरण कम्पनियों के अध्यक्ष को सौंपेगा, जिसका फोर्मेट दिया हुआ है, जिससे अध्यक्ष, उर्जामन्त्री को बता सके।

ix- हर कम्पनी का MD इस कार्य की गहन मॉनिटरिंग करेगा जिससे तय समय में इन निर्देशों की पालना सुनिश्चित हो सके.

भविष्य में, अगर कोई विद्युत हादसा होता है तब उस क्षेत्र का XEn व AEn को मुख्यरूप से जिम्मेदार मानकर, MD, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करेंगे।

X- अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता (QC&Safety & Training), जयपुर इस कार्य की मॉनिटरिंग के लिये नोडल अधिकारी होंगे, व इसकी प्रगति रिपोर्ट उर्जा मन्त्रीजी को सौंपेंगे।

13. श्रीमान, पूर्व के आदेशों की तरह ही, इस आदेश का नतीजा सिर्फ है। RTI से उर्जा मन्त्री से जानकारी चाही, जानकारी नदारद. उर्जा सचिव से जानकारी नदारद, MDs से जानकारी नदारद, अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता ने बताया, समय, जनवरी से मई किया गया, फिर जुलाई-2021 किया गया, अब क्या किया गया, पता नहीं। जो हमे मार्च-2021 के प्रथम सप्ताह तक की



रिपोर्ट मिली, उनके अनुसार विभिन्न हादसों को आमन्त्रित देने वाले हाई-रिस्क पॉइन्ट की स्थिति निम्नानुसार है-

14. श्रीमान, यह कछवा चाल है। विद्युत में हाई व लो, कुछ नहीं, हर कमी, जीवन लिलती है, अगर कोई चपेट में आ गया, किसी को नहीं बक्स्ती, कोई समय नहीं देती। जन-जीवन के लिये खुला खिलवाड़ हो रहा है, मुख्यरूप से विद्युत वितरण कम्पनियों द्वारा, अकर्मन्यता है नियामक आयोग, विद्युत निरीक्षणालय, राज्य सरकार व मान्यनीय न्यायालय की।
15. आपके दरवार में मुख्य-मुख्य तथ्य रखे है, सार प्रस्तुत किये है। सम्पूर्ण दस्तावेज से याचिका बहुत बडी हो जायेगी। यथा समय, आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किये जाना उचित लगा, फिर भी आपके आदेशानुसार प्रस्तुत किये जा सकते है।
16. मुख्य उतरदायी राजस्थान की तीनों विद्युत वितरण कम्पनियां है, सह-भागीदारी नियामक आयोग, विद्युत निरीक्षणालय व उर्जा विभाग, राजस्थान सरकार की है। सभी को नोटिस जारी होना चाहिये, यही निवेदन है। सुरक्षा नियमों की पालना सुनिश्चित होनी चाहिये। सभ्य समाज में लोगों के जीवन की, सम्पत्ति की व पशुवों की रक्षा परम आवश्यक है।

इसी आशा के साथ,

इंजी.डी.पी.चिरानिया

अध्यक्ष, आर.एस.ई.बी. रिटायर्ड अभियन्ता

एवं अधिकारी जन कल्याण ट्रस्ट

इंजी. बी.एम.सनाढ्य,

निदेशक - समता पावर



समता पावर के निदेशक इंजी. बी. एम.सनाढ्य, इंजी डी डी अग्रवाल, आर एस इ बी रिटायर्ड अभियन्ता एवं अधिकारी जन कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष इंजी डीपी चिरानिया तथा उमस के सचिव लियाकत अली, श्री हेमंत शर्मा, नरेश कुमार बागरेचा ने आज शासन सचिवालय में राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस श्री गोपाल कृष्ण व्यास से उनके कार्यालय में भेटकर राजस्थान में बढ़ती विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने व मानव को विद्युत दुर्घटनाओं से सुरक्षित के अधिकार की रक्षा के संबंध में याचिका व ज्ञापन दिया।



Significant sections of Central Electricity Authority (Measures relating to Safety and Electric Supply) Regulation, 2010

Section-3 Designated Person

This section is specifying that the work relating to electricity has to be carried out under the supervision of qualified and competent persons and therefore specifying that for any duties incidental to generation, transmission, distribution or use of electricity, the supplier/ owner/ contractor has to designate persons for the purpose to operate and carry out the work on electrical lines and apparatus. This section further specifies that a register shall be maintained wherein the names of the designated persons and the purpose for which they are engaged, shall be entered in that register. The requirement for the designated person is that he possesses a certificate of competency or electric work permit, issued by the Appropriate Government and the appropriate Government's representative is the Sr. Electrical Inspector and this inspector has the power to inspect the register of designated persons and to remove the names of such persons who do not possess the required qualification/certification.

Therefore, this section is very important as all the works related to electricity supply has to be carried out under the direct supervision of the designated persons. The fact is that the distribution companies and their contractors have not made compliance of the section and the electricity supply works are being carried out without direct supervision of the competent persons, result being the large scale accidents and deaths of the persons/animals, breakage of equipments and disturbance in supply, extra cost on the company because of loss of equipment and compensations, all these are adversely affecting the consumers' interest.

Section-5 Electrical Safety Officer

This section requires that all suppliers of electricity shall designate an Electrical Safety Officer for ensuring observance of safety measures specified under these regulations in their organization for construction, operation and maintenance of power stations, sub-stations, transmission and distribution lines. This section further states that the Electrical Safety Officer shall be an Electrical Engineer, with minimum of ten years experience if he/she is a degree holder and 15 years experience if he/she is diploma holder. The Electrical Safety Officer has to periodical inspect the installations, get them tested and keep a record thereof. The Sr. Electrical Inspector can inspect such record.

The fact is that the provision is not being complied with by the distribution companies of Rajasthan.

Section-7(3) Training

This section is specifying the qualification for the engineers, that for the technicians to help the engineers and the training requirements, both for the engineers and the technicians, both serving and new recruits. The fact is that the distribution companies are neither having sufficient technicians nor providing the specified training to the new recruit as well as the already serving engineers and technicians. Engineers themselves are untrained and Non-qualified and untrained persons are helping engineers, result being large scale electrical accidents and loss of lives of innocent persons and animals.

Section-10 Maps

It is mandatory, under section-8 of these regulation for the distribution companies to keep maps of their electrical system and submit the same to the electrical inspector. The section-10 specifies that such maps should be available to the local offices of the Licensee, i.e. the Assistant and Junior engineer's offices but the fact is that to the most of these offices correct maps are not available. When the basic record of the system is not maintained properly, the impact is certainly the improper supply.

Training provisions

Schedule-II of the regulation is covering in details the requirement of training, separately for the engineers, the supervisors and the technicians engaged in the transmission and distribution system, in fulfillment of the requirement of sub-regulation(3) of regulation or section (7). The Part-II to III are covering that for the transmission system and,

- Part IV of the regulations specifically detailing the syllabus for Engineers engaged in the operation and maintenance of Sub-transmission and Distribution system, total training hours being 195 hours, approximately to be covered in six and half weeks.
- Part V of the regulations specifically detailing the syllabus for Supervisors engaged in the operation and



maintenance of Sub-transmission and Distribution system, total training hours being 120 hours, approximately to be covered in four weeks.

- Part VI of the regulations specifically detailing the syllabus for Technicians engaged in the operation and maintenance of Sub-transmission and Distribution system, total training hours being 108 hours, approximately to be covered in four weeks.

The topics of the syllabus are covering all aspects essential for different category of persons, looking to their job and responsibilities as well as the safety requirement and the on-job training. Part-I of the section is also stressing on the Refresher courses, the duration and contents of that to be decided jointly by the owner and the training institute; Visits to factories, especially that manufacturing equipments used in transmission and distribution installations as part of practical training; Performance evaluation of the trainees, separately on theory, project work, on job training etc.; award of excellent performance during training and Creation of separate Training Institute/s for transmission and distribution system. In fact, the regulations have given ample stress on regular training Hereunder are other important provisions which are not being complied with, result being high accidents and death of the innocent persons and animals:

Section 19 (3) specifies that no person shall work on any live electric supply line or apparatus and no person shall assist such person on such work, unless he is designated in that behalf, and takes the safety precautions given in Schedule-III. This provision is generally being defied by the distribution companies and their contractors.

Section 23 (4) Street Boxes states that the owner of all street boxes or pillars containing circuits or apparatus shall ensure that their covers and doors are kept closed and locked and are so provided that they can be opened only by means of a key or a special appliance. The fact is that substandard street boxes or pillars are procured whose doors are generally found open, thus prone to accidents.

Section 28 states that instructions, in English and Hindi --- for the resuscitation of persons suffering from electric shock, shall be affixed by the owner in a conspicuous place but this is practically being defied.

Section 30 is on periodical inspection and testing of installations and states that every installation shall be periodically inspected and tested at intervals not exceeding five years but this provision is altogether being defied.

Section 35 incorporates provision that on the primary side of all transformers having capacity of 5000KVA and installed before the year 2000; and those having capacity 1000KVA and above installed in or after the year 2000, a circuit breaker shall be provided. Further to this, the section provides that in respect of all transformers installed in or after the year 2000, on the secondary side of all transformers a circuit breaker of adequate rating shall be installed. The fact is that these provisions are practically not been complied, result being the high accidents and high rate of damage of transformers.

Section 58 is specifying minimum clearances to be maintained for different voltages lines but the fact is, especially in the rural areas, that the specified minimum clearances are not maintained and the conductors are left loose thus violating the minimum clearance criteria and resulting in short circuiting under slight wind condition. The rate of fatal accidents in rural area is mainly attributed to this.

Section 70 is on Service lines from overhead lines and states that no service-line shall be taken off an overhead line except at a point of support, but provided that the number of tapings per conductor shall be not more than four in case of connections at voltage not exceeding 650 KV. This provision is practically being violated, especially in the city area, result being jumbling of the service line connections. The best solution is to provide service line through street boxes or pillar boxes but this is not being plasticized by any of the distribution company in Rajasthan.

Significant sections of Central Electricity Authority (Safety Requirements for Construction, Operation and Maintenance of Electrical Plants and Electric Lines) Regulation, 2011

Section-4 & section-4(4) As per the section-4, the Owner has to make safety an integral part of work processes to ensure safety for employees including employees of contractor, sub-contractor as well as visitors. The Owner has to obtain accreditation of electric plants and electric lines with IS-18001 certification. (for the existing within two years of commencement of these regulations, and for new, within two years of the start of the construction)

The fact is that the distribution companies are negligent on part of the safety of its own employees and in no responsible for the employees of the contractoe and the sub-contractors, result being large scale electrical accidents and deaths of the departmental persons as well that of the contractors/sub-contractors' person and the public men and animals.



What to talk on electrical plant and the lines having accredited with IS-18001 certification, these are even not having regular certification from the Sr. Electrical Inspector.

This section further specifying that the Owner shall set up a sound scientific safety management system which shall include formulation of written statement of policy in respect of safety and health of employees; defining and documenting responsibility for all levels of functionaries to carry out safety related activities including responsibilities of the contractors; preparing detailed safety manual complying with the statutory requirements and manufacturers' recommendations; establishing procedures to identify hazards that could give rise to the potential of injury, health impairment or death and measures to control impact of such hazards; provide adequate human, physical and financial resources to implement the safety management system; providing safe working environment and evolving framework for occupational safety and health; providing and maintaining medical facilities; providing adequate training to all employees to keep them aware of safety related issues; establishing system for accident reporting, analysis, investigation and implementation of recommendations; establishing system for proper communication, documentation and record management in relation to occupational safety and health; formulation emergency management plan for quickly and effectively dealing with probable emergencies that may arise on site as well as off-sites; establishing methodology for internal and external audit of safety management system; establishing system for periodic monitoring and review of the safety system by the management; overseeing the safety performance of contractors.

The factual position is that the distribution companies are totally defying compliance of the above provisions, result being the high rate of electrical accidents in the State and loss of lives of the innocent men and animals.

Section-6 This section incorporates the provision of appointment of an exclusive qualified safety officer where the number of employees, including contractor workers, exceeds five hundred and where the number of employees is less than five hundreds, a suitable officer shall be designated as safety officer. The section further provides that where number of employees exceed one thousand, one more safety officer shall be appointed for every additional one thousand employees. While specifying the qualification for the safety officer, the section is stating that where number of safety officers appointed exceeds one, one of them shall be designated as chief safety officer who shall have higher ranking than others and shall be in-charge of the safety functions. The chief safety officer or the safety officer, as the case may be, shall be given the status of a senior executive and he shall work directly under the control of the Chief Executive.

The further provisions in this section are that the safety officer shall be appointment before start of construction activities; he shall advice the Owner in fulfillment of his responsibilities concerning prevention of personal injuries and maintaining a safe working environment; he shall be authorised to stop the execution of any work which in his judgement is unsafe; he shall also have power to remove the employees or contract workers from site; etc. Further to these, the safety officer shall develop and organise safety training programmes at regular intervals in order to impart safety training and shall also create safety awareness among the employees.

This section also incorporates provision for constiting of safety committee where the number of employees, including contract workers exceeds two hundred and fifty, comprising of the representation from the Owner as well as from the contractor.

The fact is that the distribution companies of Rajasthan are completely defying these important provision of safety, result being the higher rate of electrical accidents and loss of lives of innocent men and animals.

Section-7, Safety provisions relating to contractors. This section is also specifying safety provisions for the contractors, which includes specifying of safety provisions by the Owner in the contract document, contractors responsibility for observance of the same by it and his sub-contractor/s, nomination in the safety co-ordination committee; his responsibility towards the consequence of an accident etc.

Section 9, Emergency management plan. This section incorporates provision for the emergency management plan. As far as the distribution companies are concern, such plan is very essential for the 33kv lines and sub-stations. The fact is that non of the distribution company has such a plan.

Section 10, Medical Facility. This section is dealing with various requirements relating to medical facility, First-aid Box, Medical doctor on retainership basis, regular health check-up, availability of ambulance etc. both for the



departmental as well as for the contractor's workers. The factual position is that no separate medical facility is available to the departmental workers except the provision of reimbursement of the treatment in government and some other approved hospitals. The availability of First-aid boxes is just a formality with practically no medicines. No trained person on first-aid is generally available at site. As far as the contractor's workers are concern, no medical facility is at all available to them.

Section 11 , Safety training and awareness This section incorporates provisions for conducting of regular safety training programmes for employees and that such programmes shall include general safety awareness; first aid; emergency procedures including shock treatment; use of personal protective equipment; safety precautions while handling electro-mechanical equipment; use of different types of fire fighting equipments; response in the event of emergencies including fire, flood, landslide, earthquake etc.; site specific hazards and precautions as well as response in respect of the same etc. It is specified in this section that ten hours training on safety shall be provided per year to each employee and that the owner shall ensure that adequate safety training is provided by the contractor to his employees. Further to these, the section states that safety promotional activities shall be organised periodically to create awareness and enthusiasm among the employees which shall include organising safety day, safety week, fire safety day, fire safety week, safety competitions, posters, slogans, safety calendars and displays depicting possible consequences of unsafe acts and conditions in conspicuous locations in the plant.

The factual position is that the provision is totally being neglected by the three distribution companies of Rajasthan.

The safety manual : Schedule-I of these regulations specifies the minimum contents of safety manual for construction of electrical plants and lines and the Schedule-II of these regulations specifies the minimum contents of safety manual for operation and maintenance of electrical plants and lines. The fact is that in the distribution companies of Rajasthan , there is no existence of such a safety manual.

Extract from RERC order dated 07-03-2019, Petition No. RERC 1365/18, In the matter of Petition filed by Shri B.M. Sanadhya for review of Commission's order dated 28.05.2018 passed in the Petition No. 1294/17, 1295/17 and 1296/17.

26. Commission has also gone through the provisions of Section 161(2) of the Act as reproduced below:-

- (2) The Appropriate Government may, if it thinks fit, require any Electrical Inspector, or any other person appointed by it in this behalf, to inquire and report-
 - (a) as to the cause of any accident affecting the safety of the public, which may have been occasioned by or in connection with, the generation, transmission, distribution, supply or use of electricity, or
 - (b) as to the manner in, and extent to, which the provisions of this Act or rules and regulations made thereunder or of any licence, so far as those provisions affect the safety of any person, have been complied with.”

In view of above observations, the Commission issues following directions to Discoms and Electrical Inspector:-

27. Direction to Discoms:

Collection and submission of information

- 27.1 To provide the information as required by Electrical Inspector as at para No.18 above to the Electrical Inspector within a period of Three months.
- 27.2 To timely intimate to Electrical Inspector about accidents in prescribed format. Electrical safety officers should also provide information online to Electrical Inspector.
- 27.3 Discoms should maintain a record of test results in Schedule-V as per Regulation No. 31 of CEA (Measures relating to Safety & Electric Supply), Regulations 2010.

Safety Training

- 27.4 Discoms shall form a “Safety and Training Committee” headed by the Managing Director. The Managing Director shall quarterly monitor the works related to safety and training.
- 27.5 To create their own Training Institute as per guidelines of Clause No. 2 of Part-I, Schedule-II of CEA (Measures relating to Safety & Electric Supply), Regulations 2010. Action plan regarding this be furnished to the Commission within three months.



- 27.6 To ensure training to all employee in compliance to Regulation No. 7 of CEA (Measures relating to Safety & Electric Supply), Regulations 2010 and Regulation No 11 of CEA(Safety Requirements for Construction, Operation and Maintenance of Electrical Plants and Electric Lines) Regulations, 2011. Discoms are also directed to furnish action plan for training to all employees within three months.

Safety awareness :

- 27.7 Create safety awareness through audio/visual media and newspapers.
- 27.8 Display the telephone number email ID /FAX , of Chief Electrical Inspector or Electrical Inspector, District Magistrate, Police Station, Fire Brigade and nearest Hospital in all sub stations and also maintain the same with the concerned Assistant Engineer/ Junior Engineer and on the web site of the Discom for information of stakeholders.
- 27.9 Discoms shall also develop website/app to register online safety complaints, where facility for lodging GIS based location shall also be provided.
- 27.10 Involve NGOs and Local bodies including Panchyati Raj Institutes for creating awareness among general public towards safety.

Comprehensive directions for field officers & Safety Manual:

- 27.11 Though Jaipur Discom has produced copies of orders/circulars as at para No. 25 above, however, the Discom has not made any submissions with regards to compliance of these orders. Accordingly, MD, Jaipur Discom should ensure compliance of these orders. AVVNL and JDVVNL are also directed to submit whether they have issued such orders and action taken by them in compliance of such orders. All three Discoms are also directed to compile these orders, review the same and issue fresh comprehensive orders. Compliance reports be submitted to the Commission within three months.
- 27.12 Discoms should also provide a copy of safety manual in Hindi to each and every workmen and officer and made available safety manual in Hindi and English both on the website

Providing safety tools and other safety measures:

- 27.13 To provide safety tools alongwith minimum 2 Nos. earthing rods to every technical worker and furnish compliance in this respect.
- 27.14 Danger plates, guarding/fencing should be provided wherever it is required and earthing and other protection should be checked /provided as per safety Regulations. Discoms should ensure 100% guarding, fencing and earthing within 6 months.
- 27.15 Action plan for 100% checking of all electrical installation be prepared and complied by the Discoms. Managing Directors of each Discom shall periodically monitor the same.
- 27.16 The Chief Safety Officer should directly report to the Managing Director. Discoms should also place zone wise/area wise details of their safety officer on their web site for information of stakeholders.
- 27.17 Discoms should review the technical specifications of material being purchased by them from safety perspective and make necessary changes in technical specifications wherever required.
- 27.18 Discoms should regularly check protection system and operation of Relays/Circuit breakers for proper working.
- 27.19 Discoms should also carry out periodic maintenance of all equipments and lines. They should also place the maintenance schedule and its compliance on the website of Discoms.
- 27.20 System of line patrolling must be followed vigorously and complaints related to safety must be given overriding priority. If need be, the Discoms may review their staffing pattern and recruit more employees at lower level like lineman, helpers and supervisors etc.”

28. Direction to Electrical Inspector:

- 28.1 Electrical Inspector is directed to exercise its power as prescribed in Chief Electrical Inspector and Electrical Inspector (Powers and Functions) Rules, 2016 as notified by State Government and collect the information from Discoms or any other utility or persons as required and analyze and use the information for ensuring compliance of CEA Safety Regulations.
- 28.2 Electrical Inspector is directed to ensure implementation of the Safety Regulations by periodical checking



and should also furnish reports to the Government in this regard.

28.3 Electrical Inspector is directed to furnish report of accidents to the State Government. He should also furnish quarterly reports to State Government regarding manner and extent to which Safety Regulations are being complied with by the Discoms and other utilities alongwith corrective measures to be taken.

29. The Commission notes that the role of Chief Electrical Inspectors/Electrical Inspectors which are appointed by the State Government is paramount for ensuring compliance of Safety Regulations and in view of this the Commission would also like to advise the State Government as under:-

29.1 State Government, as per Section 161 (2)(b) of the Electricity Act, 2003 may ask the Electrical Inspector or any other agency to inquire and report to it (i) cause of accident and (ii) the manner and extent to which the rules and regulations pertaining to safety are being complied by the Discoms or any other utility. State Government should also monitor the compliance of CEA Safety Regulations and issue necessary directions to Discoms & Electrical Inspector whenever required for ensuring safety.

29.2 State Government is advised to strengthen the Electrical Inspectorate, if need be new staff may be recruited/or deputed from other departments. Sufficient infrastructure, mobile testing equipment, testing laboratories and supporting staff be provided.

29.3 State Government should periodically review the working and performance of Electrical Inspectors for ensuring compliance of Safety Regulations and the directions issued by the Commission from time to time and take stern action, if need be, for nonperformance/negligence of their duties.

30. Before parting with this order, the Commission would again like to point out that if Discoms need to spend any amount for compliance of the Safety Regulations, the same can be claimed through Investment Plan/ARR and the Commission is willing to consider any additional amount spent on training of employees, general awareness of public and for compliance of Safety Regulations.

Dinesh Kumar, IAS

Chairman, DisComs
& Rajasthan Urja Vikas Nigam Limited
Vidyut Bhawan, Jan Path, Jaipur-302 005

No.Chairman(Discoms)/ACE(QC-Safety& Trg. /F. /D. 333 Dated: 23-12-2020

ORDER

Electrical accident resulting in loss of human life, animals and property has become a serious issue which needs to be addressed by the department on top priority. Time and again it has been reiterated to identify high risk points and to rectify them so that such points do not pose any threat to human life, animals and property. Various directions for taking safety measures and attending high risk points to avoid electric accidents have been issued in this regard, are as under:-

- i) No.AVVNL/ CE(CTM)/XEN-1/F.57(F)2008/D.2931 dt.12.09.2008
- ii) Order No.Chairman Discoms/MIS/F. /D.27 dated 06.05.2016, No.JPD/CMD/MIS/F./D.528 dated 22.03.2016,
- iii) No.AVVNL /CE(CTM)/XEN-1/F.57(F)2008/D.758 dt.23.08.2016.
- iv) No.JPD/CPO/OO(TE)/F./D.410 dated 31.05.2017,
- v) No.Jd.VVNL/ MD (Jodhpur)/ Dir.(Tech.)/F./OO/D.17 dt.23.04.2018,
- vi) No. JVVNL/ACE (Trg.Saf.QC)/F.()/D.219 dated 23.07.2019,
- vii) No. JVVNL/ACE (Trg.Saf. QC)/F.()/D.220 dated 23.07.2019,
- viii) JVVNL/MD/Secy.(Admn.) Jodhpur/ F./ D.1146 dated 18.11.2019,
- ix) No.JPD/ Karmik/CPO/F./D.867 dated 19.06.2020,
- x) No.JPD/SE(C)/XEN(P&IA)/F./D.510 dated 31.08.2020,
- xi) No.JPD/ SE(C)/XEN(P&IA)/F./D.682 dated 28.09.2020,
- xii) No.Jd.VVNL/ SE(QC&S)/ Danger Points Checking/F./D.227 dated 27.10.2020,

(copy of above orders are again enclosed)


However still the accidents are occurring on regular basis giving an impression that field officers are not serious in implementing these orders.

The loss of human life and animals due to these electrical accidents have been taken very seriously by the Hon'ble Energy Minister and he has directed to make all out efforts to avoid such electrical accidents. It is, therefore, directed to take up the work of identification of such high risk points on campaign basis and after identification, necessary remedial measures be taken within a period of one month i.e. 1.1.2021 to 31.1.2021 so that such points are no more a threat. The progress of this work should be sent by Circle Superintending Engineer to MD, Discoms on weekly basis. The MD Discom shall submit the compiled information of the Discom to Chairman Discoms on fortnightly basis in the enclosed format for kind appraisal of Hon'ble Energy Minister.

The MD's of respective Discoms will monitor the progress of above works and ensure strict compliance of the above directions. In future on occurrence of electrical accidents due to negligence of non follow of department instructions, the concerned Executive Engineer and Assistant Engineer shall be held primarily responsible and disciplinary action needs to be initiated against them by MD Discom.

The Addl.Chief Engineer (QC-Safety & Training), Jaipur Discom will be the Nodal Officer to monitor the progress of above works on behalf of all three Discoms and submitting progress report to Hon'ble Energy Minister.

Encl. Format


(Dinesh Kumar)
Chairman, Discoms.



हर साल पांच प्रतिशत बढ़ेगी बिजली दरें : टैरिफ और घाटा पूर्ति की याचिका नियामक आयोग

ये कैसा प्रबंधन : चार साल में भी खत नहीं होगा बिजली निगमों का घाटा

पत्रिका प्रतिदिन दोपहर 12 बजे

घाटा खत्म को बिजली दर 9.50 रुपए/यूनिट करने की जरूरत



किस निगम में कितने उपभोक्ता

अनवर बिजली - 51.60 लाख
कोयला बिजली - 40.91 लाख
जलचक्र बिजली - 50.39 लाख

सब्सिडी मिले तो सुघरे निश्चित

विद्युत अधिनियम की धारा 200(1)(b) के तहत बिजली उपभोक्ता द्वारा प्राप्त जोड़कर सरकार के अनुसार बिजली बेचती। सरकार बिजली की कीमत तब तक नहीं बढ़ाएगी जब तक कि बिजली देना पड़े तो निगम को सामर्थ्य की अतिरिक्त दरें देनी होंगी। सरकार पूरी तरह से सब्सिडी और बिजली को खरी लेगी है।

बिजली कीमत और खर्च

एक यूनिट बिजली खरीद कीमत
04.39
एक यूनिट बिजली खरीद कीमत
01.52
एक यूनिट बिजली खरीद कीमत
07.00

केंद्र की सहायता नाकाफी रही

प्रदेश की तीन सरकारी बिजली कंपनियों को घाटे के उपकरणों के लिए तीन साल पहले बंधन सरकार की ओर एक सचिव करीब 600 करोड़ रुपए का आग्रह किया था। लेकिन सरकार ने इनका कोई इंतजाम नहीं किया। बिजली निगम घाटे में पड़ रहे हैं।

संकाय नियम

अनवर बिजली - 51.60 लाख
कोयला बिजली - 40.91 लाख
जलचक्र बिजली - 50.39 लाख

आंकड़ों में तीन साल का बिजली प्रबंधन

तीनों निगमों का कुल घाटा - 8493 करोड़

विशेषज्ञों की राय

संकाय नियम
अनवर बिजली - 51.60 लाख
कोयला बिजली - 40.91 लाख
जलचक्र बिजली - 50.39 लाख

विशेषज्ञों की राय

संकाय नियम
अनवर बिजली - 51.60 लाख
कोयला बिजली - 40.91 लाख
जलचक्र बिजली - 50.39 लाख

विशेषज्ञों की राय

संकाय नियम
अनवर बिजली - 51.60 लाख
कोयला बिजली - 40.91 लाख
जलचक्र बिजली - 50.39 लाख

अभी अमल में आने पर प्रति यूनिट पड़ रहे 1.27 रुपए प्रचलित घाटा

कृषि विद्युत वितरण निगम से उपभोक्ताओं को होगा लाभ!

यूपी के नवज्योति/उदयपुर। कृषि उपभोक्ताओं को सरकार की ओर से दे रहे जाने वाले पैसे का अधिभार का विद्युत निगमों में पड़ रहा है। एन एन के निर्यात के लिए कर्कशों ने खाने से रखा है। इस खाने और खाने का अधिभार का खर्च 1.27 रुपए प्रति यूनिट और उपभोक्ता पर पड़ रहा है। लेकिन यह पैसे मुख्य रूप से घाटे के रूप में प्रवेश में कृषि विद्युत वितरण निगम के तहत का निर्यात अन्य उपभोक्ता पर पड़ने वाले अधिभार का खर्च है। प्रदेश में कृषि विद्युत वितरण निगमों में बिजली अधिभार करीब 40% का राकब और खर्च 25% है। कर्कशों ने राकब 97.2 करोड़ 1 करोड़ 62 लाख 78 हजार 97.2 करोड़ के रूप में 15 लाख 82

रुपए का अभी राकब का विद्युत निगमों में अधिभार 5.55 रुपए प्रति यूनिट की दर से उपभोक्ता पर पड़ रहा है। प्रति यूनिट निर्यात का खर्च 4.65 रुपए प्रति यूनिट की दर से है। कुल 3257.20 करोड़ को प्रति राज्य सरकार के निगमों को मिलने चाहिए।

निगम बतवांने 750 करोड़ की अतिरिक्त लागत

कृषि विद्युत निगमों में अतिरिक्त लागत 750 करोड़ की अतिरिक्त लागत है। निगमों में अतिरिक्त लागत 750 करोड़ की अतिरिक्त लागत है। निगमों में अतिरिक्त लागत 750 करोड़ की अतिरिक्त लागत है।

एफ, 23 मार्च 2021

dainiknavajyoti.com

दैनिक नवज्योति

लाखों गांव-घर आज भी बिजली से वंचित

2005 की विद्युत नीति पर नहीं हुआ पूरा अमल

2012 तक हर घर बिजली पहुंचाने का लक्ष्य था

यूपी के नवज्योति/उदयपुर। वर्ष-2005 में तैयार की गई राष्ट्रीय विद्युत नीति के प्राकल्प पर अभी तक पूरा अमल नहीं हो पाया है जिसके तहत 2010 तक सभी गांवों में और 2012 तक सभी घरों तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य था लेकिन भारत सरकार ने 2018 में तो हर घर विद्युतीकृत होने की घोषणा कर दी जबकि इकोनॉमिक सर्वेक्षण भी लाखों गांव और घर अंधेरे में है।

आयोजना विभाग को संबोधित कर रहे थे। यह वैबिनार भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय विद्युत नीति-2021 के प्राकल्प पर भाग ले रहे सुखारों के उपलक्ष्य में रखा गया। वैबिनार में देश से करीब 80 विशेष विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुचारु सभता पाँवर के धर्मदेव अग्रवाल ने किया। समता पाँवर के संस्थापक निदेशक बालकृष्ण सनादान ने कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता के उचित दरों पर अच्छे बिजली पाने में वह सौचित्य महत्वपूर्ण है।



सुमार बोलिया ने कहा कि पिछली नीति-2005 में चर्चित लक्ष्यों को पूरा करने, ग्राम पंचायतों व स्वयंसेवी संस्थाओं आदि को विद्युत वितरण व्यवस्था सौंपने, विद्युत कामियों को

आदि की कितनी पूर्ति हुई, व नहीं होने के कारणों का विश्लेषण करने उनको विचारण के प्रयासों को इंगित शामिल कराना चाहिए।

सर्वानि सेवा समिति के प्रमोड खंड ने पूरे देश के समाचार पत्रों में इसके मुख्य अंश भारत भाषा और हिंदी में प्रकाशन, कितधारकों को सूचना प्रस्तुत हेतु पत्राचार समझ देने, सभी जिलों में इस पर विचार-विमर्श आयोजित कराने, उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निवारण, आदि पर जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकार सीताराम इल्लानी ने इस नीति के लक्ष्य-सेवा होने की आवश्यकता

व विद्युत वंचकों की संख्या कम करने में संशोधन में उच्चोच्च स्तरों की भाग ली। अग्रवाल आर्यो निगम के पूर्व निदेशक इंजी. गोपाल खोसानी, राज, सोलर एसेसियेशन के सचिव सुनील बंसल, रा.रा.वि.प्र.पि के पूर्व मुख्य अधिकारी व सलाहकार इंजी. डॉ. पी. धारानिधु, गैको के पूर्व मुख्य अधिकारी इंजी. एन. शर्मा, बिट्टरा इंटरनेशनल के निदेशक इंजी. कैलाश मुख, राज, साइड व्यापार संघ के अध्यक्ष बालू लाल गुला, गेटवी क्लब के स. श्रीराम प्रदीप धालादि, आर्किटेक्चरल डिजाइन आर्यो विद्युत

स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली लागू करने पर वैबिनार बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने से पूर्व उपभोक्ता संवाद आवश्यक

उदयपुर। वर्तमान में लगे हुए बिजली के इलेक्ट्रॉनिक मीटरों को स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली से बदला जाएगा। इसको लेकर समता पावर कंपनी की ओर से वैबिनार का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ कंपनियों के साथ ही आईटी प्रभारियों और प्रबंध निदेशक स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। समता पाँवर के संस्थापक निदेशक इंजीनियर वीएम सनादान ने कहा कि पूर्व में फीडर सुधार योजना में अरबों रुपयों के दुरुपयोग के अनुभव को देखते हुए व्यापक जन धन व्यय इस आवश्यक नवी प्रौद्योगिकी प्रणाली को लागू करने से पूर्व सभी हितधारकों से संवाद आवश्यक है। इंजी. डीडी अग्रवाल

ने बताया कि समता पाँवर गत 15 वर्षों से विद्युत उपभोक्ताओं के व्यापक हित में विद्युत विनियामक आयोग-जयपुर, विद्युत अपील ट्रिब्यूनल-नई दिल्ली, उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय तक संघर्षरत है। स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली कंपनी नेक्सजेन-नोएडा के इंजी. विमल श्याम तथा इंजी. जसवंदर सिंह ने स्मार्ट मीटर तथा इससे सम्बंधित प्रणाली की आंतरिक संरचना के बारे में जानकारी दी। सिक्योरिटी मीटर के अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय इंजी. अमित गुप्ता ने सरल भाषा में विश्व के कई देशों में स्मार्ट मीटरिंग के अनुभव साझा करते हुए बताया कि इन मीटरों में उपभोक्ताओं के हित की आवश्यक सुविधाएं जैसे

बिजली बचाने, भार घटाने/बढ़ाने, ग्रेस अर्वाइ आदि और भी दी सकती हैं। राजस्थान के तीनों विद्युत वितरण निगमों के आईटी प्रभारियों ने राजस्थान में इस बाबत हो रहे कार्यों, लाभ-हानि विश्लेषण, वांछित विशद प्रशिक्षण, सावधानियों व उपभोक्ता-शिक्षण की जरूरत बताई।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक इंजी. अनिल गुप्ता ने इस प्रणाली पर जेम्प/हैकिंग व स्वास्थ्य पर विकिरण-दुष्प्रभाव से बचाने, तैयारी, प्रशिक्षण क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन आदि की आवश्यकताएं बताई। निदेशक इंजी. भुवनेश माथुर और इंजी. येवती कुमार बोलिया ने आभार ज्ञापित किया।

पाइप लाइट तकनीक बचाएगी बिजली डिस्कॉम के पूर्व सीएमडी अब कर रहे हैं वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत क्षेत्र में कार्य



जयपुर डिस्कॉम के सीएमडी रहे भुवनेश माथुर सेवानिवृत्ति के बाद अपनी एनजीओ के माध्यम से वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कामपुर के एक युवा वैज्ञानिक की सहायता से गैरज्योति लैप बनाने के साथ उसका बड़ी मात्रा में उत्पादन भी शुरू कर दिया है। वहीं दिन में सूर्य के किरणों में रोशनी के लिए संचर्च होने वाली बैटरी को संचार्जित करने में सफलता प्राप्त की है।

माथुर ने भास्कर से विशेष बातचीत में बताया कि देशी गांव के नूतन गैरज्योति लैप एडिसन की सहायता से फेरा-डे के निशमनुसार एक बैटरी में विद्युत पैदा की जाती है। इस ऊर्जा से घरों में लैप जलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इच्छु गांवों में जहां सोलर पावर के उपकरण व बल्ब आदि खरी हो जाने व टूट-फूट की जानकारी रहती है, वहीं नूतन ज्योति लैप सूर्य से टिकाऊ साबित होने। उन्होंने कहा कि वे शीघ्र ही सरकार से इस बाबत बातचीत कर गांवों में इस तरह के लैप लागू करने का प्रयास करेंगे।

पाइप लाइट से ऊर्जा उत्पादन एक प्रकार का पाइप लाइट तकनीक से रोशनी

माथुर ने बताया कि सरकार के कर्तव्यों में व ऐसे घरों में जहां दिन के समय कम रोशनी रहती है, वहां अब ट्यूब लाइट तकनीक की जरूरत नहीं रहेगी। अब पाइप लाइट तकनीक से दिन के समय घरों के भीतर कंधे में रोशनी पहुंचाई जा सकती है। इस तकनीक के तहत घरों की छत पर एक डिस्क लगाई जाती है, जो सूर्य की किरणों के साथ घूमती रहती है। इससे जुड़ा एक ट्यूब लाइट जैसे चमकीला थरेस लाइट घर के कमरों में से रोशनी हुआ लगाया जाता है। यह पाइप के नीचे लगी थरेस ट्यूब चमकीली कोटिंग डिस्क से सूर्य की रोशनी परावर्तित हो कर पाइप के अंदर लगे एक लूचरी है। जिस कारण से से यह लैप निकलता है, वहां ट्यूब लाइट अंधेरा सोफेदार जैसे रोशनी का आभास होता है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक को पेटेंट करने की कार्यवाही की जा रही है। पेटेंट होने के बाद यह शीघ्र ही बाजार में उपलब्ध होगी।



बिजली निगमों के कच्चे आंकड़ों पर नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें : ट्रिब्यूनल

रिटायर्ड इंजीनियर्स की अपील पर राजस्थान विद्युत नियामक आयोग को लगाई फटकार

खिती रिपोर्ट | उदयपुर

इन मुद्दों पर की गई थी अपील

- लापरवाही से उपकरणों का नुकसान, हदसों में जन-धन की हानि।
- कई तरह की सब्सिडी और अतिरिक्त बिजली खरीद का घाटा बढ़ा।
- छीजत ज्यादा बताई जाती है, ताकि एक्स्ट्रा बिजली खरीद सकें।
- निगम घाटे का गलत आंकड़ा बताते हैं, जबकि 15 सालों में कर्मचारी घटे हैं।

आदेश में यह भी कहा ट्रिब्यूनल ने

ऑडिट रिपोर्ट के बिना दर बढ़ाने पर विचार न हो। आयोग के निर्देशों की पालना डिस्कॉम कर रहे हैं या नहीं ये भी आयोग ही सुनिश्चित करे। डिस्कॉम की ओर से अंधरे आंकड़े देने और ऑडिट रिपोर्ट नहीं देने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 24 के अनुसार कार्रवाई की जाए। बिजली कंपनी का लाइसेंस निरस्त हो सकता है।

चंदा जुटा अपील, सबका साथ मिला

ट्रिब्यूनल में सुनवाई के लिए फ्रीस एक लाख रुपए जमा करनी होती है। रिटायर्ड इंजीनियर्स ने जनहित के मुद्दे को लेकर चंदा जुटाया। राशि कम हुई तो ट्रिब्यूनल ने भी 50 प्रतिशत राशि माफ कर दी। वहस के लिए वकील की जरूरत पड़ी तो जनहित का मुद्दा होने से दिल्ली के एक वकील ने बिना फ्रीस पेश्वी की।

ट्रिब्यूनल का आदेश नियामक आयोग की कार्य प्रणाली पर तमाचा है। निगमों की दुर्दशा के लिए आयोग ही जिम्मेदार है। आयोग व सरकार को गलतियां सुधरानी होंगी। डी.पी.चिंतानिया, अध्यक्ष, रिटायर्ड इंजीनियर ट्रस्ट

तीनों निगमों ने बिना ऑडिट रिपोर्ट के गलत आंकड़ों के साथ बिजली दरें बढ़वाई हैं। ये आमजन से अन्याय है। राज्य सरकार और आयोग एक दूसरे पर डालते रहे हैं। येवेंती कुमार बोलिया, निदेशक, समता पावर

ट्रिब्यूनल का ऑर्डर है तो गंभीरता से इसकी पालन करेंगे। याचिका 2012-13 की बिजली दरों से संबंधित है। अब दरें बढ़ाने की बात आई तो डिस्कॉम से ऑडिट रिपोर्ट मांगेंगे। चिंतानिया, अध्यक्ष, निगमक आयोग

अपीलेट ट्रिब्यूनल ऑफ इलेक्ट्रिसिटी (दिल्ली) ने राजस्थान विद्युत नियामक आयोग को फटकार लगाते हुए पाबंद किया है कि डिस्कॉम से पूरा डाटा और ऑडिट रिपोर्ट लिए बगैर बिजली दरें नहीं बढ़ाई जाएं। आरएसईबी रिटायर्ड इंजीनियर एंड ऑफिसर जन कल्याण ट्रस्ट की अपील पर संभवतया देश का यह पहला मामला है, जिसमें ट्रिब्यूनल ने नियामक आयोग के विरुद्ध फैसला दिया। ट्रस्ट ने 8 अगस्त 2012 में दायर अपील में कहा था कि डिस्कॉम कच्चे आंकड़े पेश करते हैं और उन्हीं के आधार पर नियामक आयोग दरें बढ़ाने की सहमति दे देता है। वर्ष 2012-13 की बढ़ी दरों का जिक्र करते हुए कहा था कि इसमें डिस्कॉम ने गलत तथ्य पेश किए हैं। करीब पौने तीन साल सुनवाई के बाद 18 मई को फैसला आया। इस बीच ट्रिब्यूनल ने बिजली निगमों से ऑडिट रिपोर्ट भी मांगी, जो उपलब्ध नहीं करवाई गईं।



आदिवासी परिवारों को दिए जाएंगे गौमूत्र ज्योति लैंप

विद्युत नियामक आयोग (दिल्ली) ने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग व बिजली निगमों को बिजली दरों की अप्रत्याशित वृद्धि पर नोटिस जारी किए हैं। आपत्ति होने पर उन्हें 13 जनवरी तक का समय दिया है। पर्याप्त आंकड़े नहीं होने पर भी अगस्त 2012 में बिजली दरों में वृद्धि करने के खिलाफ आरएसईबी अभियंता अधिकारी जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से न्यायाधिकरण में अपील की गई थी। समता पावर के निदेशक येवेंती कुमार बोलिया ने बताया कि सही मीटरिंग व बिलिंग व्यवस्था कराने की मांग की गई है। जनहित में प्रावधानों की पालना कराने के लिए आयोग व निगमों को



अपील पर सुनवाई | बिजली दरों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी पर विद्युत अपील न्यायाधिकरण ने जवाब मांगा नियामक आयोग व बिजली निगमों को नोटिस

नगर संवाददाता | उदयपुर

विद्युत अपील न्यायाधिकरण (दिल्ली) ने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग व बिजली निगमों को बिजली दरों की अप्रत्याशित वृद्धि पर नोटिस जारी किए हैं। आपत्ति होने पर उन्हें 13 जनवरी तक का समय दिया है। पर्याप्त आंकड़े नहीं होने पर भी अगस्त 2012 में बिजली दरों में वृद्धि करने के खिलाफ आरएसईबी अभियंता अधिकारी जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से न्यायाधिकरण में अपील की गई थी। समता पावर के निदेशक येवेंती कुमार बोलिया ने बताया कि सही मीटरिंग व बिलिंग व्यवस्था कराने की मांग की गई है। जनहित में प्रावधानों की पालना कराने के लिए आयोग व निगमों को

पाबंद करने की मांग की गई है ताकि जनता को उचित दरों पर गुणवत्ता युक्त बिजली आपूर्ति मिल सके। बिजली कर्मचारियों को जरूरी प्रशिक्षण और सुरक्षा के प्रावधानों की पालना कराकर जनता व कर्मचारियों को बिजली दुर्घटनाओं से बचाने की भी मांग की गई है। तीनों वितरण निगमों ने टैरिफ निर्धारण याचिकाओं में विद्युत विनियामक आयोग में जरूरी आंकड़े गलत और अंधरे पेश किए। इस पर आरएसईबी अभियंता अधिकारी जन कल्याण ट्रस्ट, समता पावर व अन्य जागरूक उपभोक्ता संगठनों ने आयोग के सामने आपत्तियां पेश की थी। इसके बाद भी विद्युत अधिनियम 2003 और अन्य नौतियों की पालना नहीं करवाकर बिजली दरों में वृद्धि का निर्णय ले लिया।

ये गड़बड़ियां रखी आयोग व निगमों ने

- » विद्युत निगमों ने अपूर्ण आंकड़ों में बिजली मांग कम बताकर अतिरिक्त बिजली महंगी दरों पर मसाला की कल्पितों से खरीदने की स्वीकृति कराई।
- » औसत बिजली खरीद दर 3.73 रुपए होने के बावजूद अन्य प्रसार 100 प्रतिशत से भी अधिक जोड़कर आपूर्ति लागत 8.53 रुपए बताई। राज्य सरकार से अग्रिम सब्सिडी की पूरी राशि लिए बिल कम दरों पर बिलिंग कराकर घाटे को बड़े स्तर तक पहुंचाया।

आयोग को बताई थी निगमों की हकीकत

ट्रस्ट व संस्थाओं द्वारा विद्युत विनियामक आयोग के सामने विद्युत निगमों की अक्षमता साबित करने के लिए आंकड़े पेश किए, लेकिन आयोग ने अनदेखी कर निगमों का पक्ष लिया। निगम की जा रह गई बोझ उपभोक्ता निगमों की डेढ़ सौ : आरएसईबी विद्युत अपी 150 संस्था जाने पर अ





बिजली शिकायत के निवारण में देरी पर देना होगा मुआवजा

आदेश ताक पर, जवाबदेही में लापरवाही

अक्टूबर 2014 से लागू होने थे प्रावधान, नहीं हुआ क्रियान्वयन

उदयपुर। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के आदेश को ताक में रख विद्युत वितरण निगमों ने उपभोक्ताओं के हितों को हानि पर रख दिया है। आयोग के 17 फरवरी 2014 को जारी संशोधित दस्ता मानक (स्टैंडर्ड्स ऑफ परफॉरमेंस) को राज्य के विद्युत वितरण निगमों को 1 अक्टूबर 2014 से लागू करना था। निगम को 7 माह में इसके लिए आवश्यक संख्या में प्रशिक्षित कुशल कर्मचारी/सर्विदा व संसाधनों की व्यवस्था करनी थी। इनके साथ ही निगमों को पर्याप्त कर्मचारी व संसाधन युक्त सेवा केंद्र (कॉल सेंटर) निश्चित अवधि में स्थापित करने थे। आयोग ने विद्युत वितरण निगमों को विभिन्न सेवाओं की पूर्ति/समस्याओं के निराकरण निश्चित अवधि तथा उसके उल्लंघन पर उपभोक्ता को क्षतिपूर्ति राशि देना तय किया गया था। इस आदेश के बिंदु 5 के अनुसार निगम को अग्रिम व हिंदी में 'उपभोक्ता शिकायत पर कार्यवाही हेतु नियमावली' (मैन्युअल फॉर हैंडलिंग कन्सुमर कम्प्लेंट्स) प्रकटित करना था। इसकी प्रति प्रत्येक उपखंड कार्यालय पर अग्रम जनता के लिए सामूची शुल्क पर उपलब्ध करानी थी। इसकी एक प्रति इन विनियमों के लागू होने के 3 माह के भीतर आयोग को प्रस्तुत करनी थी। जिस दिना में अब तक कोई काम निगम स्तर पर नहीं उठाया गया है। खास तौर पर उदयपुर जोन स्तर के अधिकारियों को भी क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी नहीं है।



आयोग के इन निर्देशों को विद्युत वितरण निगमों को व्यापक जगह मिलने से जवाब देना कठिन है। विद्युत वितरण निगमों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए व आयोग को इनकी तहत क्रियान्वयन करनी चाहिए।
-वेदवती कुमार बोरिया, निदेशक, समता पावर, उदयपुर

आयोग के संबंधित प्रावधानों के बारे में निगम से कोई दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। निगम स्तर पर इस संबंध में जागरूकता बढ़ानी चाहिए।
-अर.पी. सुकेश, मुख्य अभियंता, एवीपीएनएल, उदयपुर

... तो देनी होगी मुआवजा राशि

राज्य की जनता को सही बिजली सेवाएं मिलेंगी, शिकायतों का निवारण निश्चित अवधि में होगा। इसमें देरी पर मुआवजा भी देना होगा। उपभोक्ताओं की बिजली बंद, मीटर में खराबी, वाए कनेक्शन, बिलों में गलती, वोल्टेज कम/ज्यादा मिलने, ट्रांसफार्मर में खराबी, बिजली में फाल्ट होने से उपकरणों की खराबी आदि शिकायतों का निवारण निश्चित अवधि में करने तथा इसमें देरी होने पर मुआवजा राशि का प्रावधान किया गया है। संबंधित उपभोक्ता को 30 दिन में आवेदन करने पर 90 दिन में भुगतान किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न सेवाओं और शिकायतों के निवारण में विलम्ब होने पर 50 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक के मुआवजे का प्रावधान तय किया गया है। इनमें कनेक्शन, बिजली सुधार, बिल सुधार, बिजली बंद, हाई वोल्टेज से उपकरणों का जलना, आवेदन पर विलम्ब से कनेक्शन, वच्छेदित उपभोक्ता कनेक्शन का पुनः स्थापन, सिट्टीकूट आउटलेज, आपूर्ति की गुणवत्ता आदि कार्य निश्चित अवधि में करना होगा। इसमें विलम्ब होने पर उपभोक्ता के आवेदन करने पर मुआवजा दिया जाएगा।

मुआवजा राशि पर प्रमुख प्रावधान

शिकायत	अवधि	मुआवजा राशि
बिजली बंद	4 से 24 घंटे	50 से 100 रुपए
ट्रांसफार्मर फेल	12 से 72 घंटे	100 से 300 रुपए
वोल्टेज विचलन	6 से 9 प्रतिशत	100 से 300 रुपए
मीटर खराब, बदलना	दो सप्ताह तक	200 से 1000 रुपए
हाई वोल्टेज से उपकरण जलने पर		500 से 2000 रुपए

(पंजा, मिक्सी, टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज, कम्प्यूटर, ए.सी. आदि)

उपभोक्ता भार के हिसाब से जुटाए जाएं संसाधन

मानसरोवर के बिजली उपभोक्ताओं को आदर्श सेवाएं देने की पहल, कार्यशाला में उठे सवाल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर। मानसरोवर क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को 'आदर्श सेवाएं' देने की जयपुर डिस्कॉम की पहल संसाधनों की कमी के चलते फेल होती दिख रही है। डिस्कॉम के इस उपखण्ड में उपभोक्ताओं का भार बढ़ रहा है, लेकिन संसाधन वही के वही है। ऐसे में मॉडल उपखण्ड की बातें सिर्फ चर्चाओं में ही हैं, जिसकी बानगी मंगलवार को विशेष कार्यशाला में सामने आई। इस दौरान बिजली मामलों के विशेषज्ञों ने स्वीकारा कि जब तक उपखण्ड को स्टार्फिंग पैटर्न पर दो भागों में विभाजित नहीं किया जाएगा, तब तक आदर्श स्थिति नहीं बन सकती। हालांकि कार्यक्रम के अंतिम दौर में शामिल हुए डिस्कॉम प्रबंधन श्रमिक पाण्डे से लेकर प्रबन्ध निदेशक एके बोहरा ने आश्वासन दिया कि सुधार के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी। बसंत व उपखण्ड सभी के लिए आदर्श बने।

स्टार्फिंग पैटर्न में आदर्श स्थिति

17500 उपभोक्ताओं पर एक सहायक अभियंता कार्यालय
5000 उपभोक्ताओं पर एक कनिष्ठ अभियंता यानि 3 कनिष्ठ अभियंता

राज्य अधिकारी	1
यूडीसी	3
एनडीसी	5
डेप्युटी ऑपरिटर	1

मानसरोवर में हालात

41 हजार से अधिक सक्रिय उपभोक्ता, यानि हाई गुन से अधिक भार
3 कनिष्ठ अभियंता नियुक्ति, इनमें से एक अवकाश पर

राज्य अधिकारी	1
यूडीसी	6
एनडीसी	1
डेप्युटी ऑपरिटर	0
तकनीकी हेल्पर	4

कार्यशाला में सुझाव

रब डिवीजन का विभाजन हो, स्टार्फिंग पैटर्न के हिसाब से स्टॉफ नियुक्ति हो, सिंगल दिवनों सिस्टम विकसित किया जाए, डिजिटी मेट्रोनेट में सुरक्षा पर जोर, उपभोक्ताओं की सेवाओं में सुधार एवं पौष्टिकी का हल प्रोत्साहित समावेश हो।

'Less interference will boost-power sector'



Delegates at the seminar on power sector reforms in Jaipur on Wednesday.

HT Correspondent
#rajasthanpatrika.com

JAIPUR: A resolution calling for lesser political interference in power sector was passed at the two-day conference on power sector reforms, which got concluded here on Wednesday.

"We have demanded in our resolution that government should not interfere in day to day affairs of the power distributing companies and should pay the grants in advance through budget allocation. Subsidy should also be given to the needy," said DP Chirania, a retired chief engineer of Rajasthan State Electricity Board (RSEB) said. On the future roadmap for power discoms in Rajasthan, power policy expert Shantanu

Govt should not interfere in daily affairs of the power distribution companies
DP CHIRANIA
retired chief engineer, Rajasthan State Electricity Board

Dixit said state should get maximum benefit from bailout packages offered by the Union government. "Though the bailout package has tough norms, it is the most viable option available now," Dixit said. The conference was organised by Institute of Engineers - India (IEI), Jaipur; RSEB Retired Employees' Welfare Trust and Prayas Energy, Pune.

बिजली सिस्टम में सुधार के लिए समूह चर्चा

जयपुर। बिजली सिस्टम व उपभोक्ता सेवाओं में सुधार के लिए जयपुर डिस्कॉम के मानसरोवर सबडिवीजन में समूह चर्चा हुई। मानसरोवर सबडिवीजन को मॉडल बनाने के बारे में बिजली इंजीनियरों, आम जनता व रिटायर्ड अधिकारियों के बीच खुले मंच पर चर्चा हुई। आयोजन समता पावर संस्था ने किया था। जयपुर डिस्कॉम के सीई नवीन अरोडा व सिटी सर्किल के अधीक्षण अभियंता भी मौजूद थे। समूह चर्चा में आम जनता ने बिजली करंट से हो रहे हादसों व बिजली बिलों को लेकर हो रही दिक्कत के बारे में बताया।



बिजली शिकायत के निवारण में देरी पर देना होगा मुआवजा

आदेश ताक पर, जवाबदेही में लापरवाही

अक्टूबर 2014 से लागू होने थे प्रावधान, नहीं हुआ क्रियान्वयन

उदयपुर। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के आदेश को ताक में रख विद्युत वितरण निगमों ने उपभोक्ताओं के हितों को हाथिने पर रख दिया है। आयोग के 17 फरवरी 2014 को जारी संशोधित दक्षता मानक (स्टैंडर्ड्स ऑफ परफॉरमेंस) को राज्य के विद्युत वितरण निगमों को 1 अक्टूबर 2014 से लागू करना था। निगम को 7 माह में इसके लिए आवश्यक संख्या में प्रशिक्षित कुशल कर्मचारी/सबिदा व संसाधनों की व्यवस्था करनी थी। इनके साथ ही निगमों को पर्याप्त कर्मचारी व संसाधन युक्त सेवा केंद्र (कॉल सेंटर) निश्चित अवधि में स्थापित करने थे। आयोग ने विद्युत वितरण निगमों की विभिन्न सेवाओं की पूर्ति/समस्याओं के निराकरण निश्चित अवधि तथा उसके उल्लंघन पर उपभोक्ता को क्षतिपूर्ति राशि देना तय किया गया था। इस आदेश के बिंदु 5 के अनुसार निगम को अग्रेजी व हिंदी में 'उपभोक्ता शिकायत पर कार्यवाही हेतु नियमावली' (मेनुअल फॉर हैंडलिंग कन्सुमर कम्प्लेंट्स) प्रकाशित करना था। इसको प्रति प्रत्येक उपखंड कार्यालय पर आम जनता के लिए मामूली शुल्क पर उपलब्ध करनी थी। इसकी एक प्रति इन विनियमों के लागू होने के 3 माह के भीतर आयोग को प्रस्तुत करनी थी। दिस दिशा में अब तक कोई कदम निगम स्तर पर नहीं उठाया गया है। यहाँ तक कि उदयपुर जोन स्तर के अधिकारियों को भी क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी नहीं है।



... तो देनी होगी मुआवजा राशि

राज्य की जनता को सही बिजली सेवाएं मिलेगी, शिकायतों का निवारण निश्चित अवधि में होगा। इसमें देरी पर मुआवजा भी देना होगा। उपभोक्ताओं की बिजली बंद, मीटर में खराबी, बाए कनेक्शन, बिलों में गलती, वोल्टेज कम/ज्यादा मिलाने, ट्रांसफार्मर में खराबी, बिजली में फाल्ट होने से उपकरणों की खराबी आदि शिकायतों का निवारण निश्चित अवधि में करने तथा इसमें देरी होने पर मुआवजा राशि का प्रावधान किया गया है। संबंधित उपभोक्ता को 30 दिन में आवेदन करके पर 90 दिन में भुगतान किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न सेवाओं और शिकायतों के निवारण में विलम्ब होने पर 50 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक के मुआवजे का प्रावधान तय किया गया है। इनमें कनेक्शन, बिजली सुधार, बिल सुधार, बिजली बंद, हाई वोल्टेज से उपकरणों का जनता, आवेदन पर विलम्ब से कनेक्शन, वछेदित उपभोक्ता कनेक्शन का पुनः स्थापन, दिहायल्ट आउटलेज, अपूर्ति की गुणवत्ता आदि कार्य निर्धारित अवधि में करना होगा। इसमें विलम्ब होने पर उपभोक्ता के आवेदन करने पर मुआवजा दिया जाएगा।

आयोग के इन निर्देशों को विद्युत वितरण निगमों को व्यापक ज्ञान हित में लागू करना चाहिए। विद्युत वितरण निगमों को तात्काल कार्रवाई करनी चाहिए व आयोग को इनकी सतत निगरानी करनी चाहिए।
-वेदन्ती कुमार खोसला, निदेशक, समता पावर, उदयपुर

आयोग के संबंधित प्रावधानों के बारे में निगम से कोई दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। निगम स्तर पर इस संबंध में जनजागरूकी करेंगे।
-अर.पी. सुखपाल, मुख्य उभिरता, एवीबीएनएल, उदयपुर

मुआवजा राशि पर प्रमुख प्रवधान

शिकायत	अवधि	मुआवजा राशि
बिजली बंद	4 से 24 घंटे	50 से 100 रुपए
ट्रांसफार्मर फेल	12 से 72 घंटे	100 से 300 रुपए
वोल्टेज विचलन	6 से 9 प्रतिशत	100 से 300 रुपए
मीटर खराब, बदलना	दो माह तक	200 से 1000 रुपए
हाई वोल्टेज से उपकरण जगने पर		500 से 2000 रुपए

(पंखा, मिक्सी, टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज, कम्प्यूटर, ए.सी. आदि)



मिथक टूटा: अब तक कृषि बिजली को बताया जाता रहा है घाटे का कारण बिजली कम्पनियों को किसानों से आमदनी, उद्योगों से घाटा

पत्रिका
डेटा डीकोडेड

गत वर्ष के आय-व्यय सत्यापन याचिकाओं में सामने आई स्थिति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

उदयपुर राजस्थान के विद्युत निगमों में आम धारणा रही है कि कृषि बिजली उपयोग करने वाले किसान घाटे का कारण रहे हैं और उद्योग जगत से कंपनियों को फायदा मिलता था। लेकिन, ये मिथक टूट चुका है। हाल ही में सामने आए आंकड़ों में पता चलता है कि कृषि बिजली से विद्युत निगमों को उष्ण आय हुई है, जबकि औद्योगिक इकायों में घाटा। विद्युत निगमों ने कृषि बिजली पर मिलान अनुमान लगा रखा था, उससे 25 फीसदी तक अर्थिक आय हुई है, जबकि औद्योगिक इकायों से विद्युत निगमों को उष्ण आय रही थी, उसमें 15 फीसदी तक की गिरावट आई है। प्रदेश की तीन विद्युत वितरण कम्पनियों की वर्ष 2019-20 के चौकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। तीन विद्युत वितरण कम्पनियों ने वर्ष 2019-20 की आय-व्यय के सत्यापन की याचिकाएं राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष पेश कीं।

आंकड़ों में समझें

1158.57 करोड़ आय कृषि बिजली से तीन निगमों को

675.16 करोड़ आम में कमी औद्योगिक क्षेत्र से तीन निगमों को

अनुमानसे कम-ज्यादा आय प्रतिशत में
कृषि विद्युत उपभोक्ता वर्ग

अनुमान से कम-ज्यादा आय राशि करीबों में
कृषि विद्युत उपभोक्ता वर्ग

औद्योगिक क्षेत्र उपभोक्ता वर्ग

अनुमान से कम-ज्यादा आय राशि करीबों में

औद्योगिक क्षेत्र उपभोक्ता वर्ग

उदयपुर पत्रिका केनापुर, पंजाब 9810810808

आपने बनें | हमें टाकें | आपकी रसो | अपडेट | facebook.com/udipur.patrika

Er. B.C. Mathur
at Live Discussion on Power Crisis In Rajasthan on Chanel "Samay Rajasthan"



Access to Energy for the Poor – an Initiative

Introduction



Er. Bhawnesh Chandra Mathur

Access to reliable electricity for all is one of the key drivers of socio – economic development. However, according to the 2011 census data, 45% of Rural Indian Household (HHs) lack access to electricity supply.

The national electricity policy 2005 recognizes electricity as a major driver of rural development and hence that of poverty alleviation.

Electricity access for all will bridge a crucial gap between the haves and have-not and will thus contribute to social equity as well as economic investment, rather than an obligation to the poor.

Poor people have been living in some of the worst condition for centuries in spite of this these people have learnt to survive as there were no other option available with them. Major percentage of India population (about 75% of total population) lives in villages spread throughout the country. Some of the villages are located in very remote and far flung areas and therefore in-accessible. Over 35% of people in rural areas of India are living below the poverty line majoring of the people living in these villages have either no access or only limited access to sustainable energy.

As energy being input to all other services including those meant for poverty reduction are not reaching the poor either due to remoteness from the main grid. Thus the status of poor remains the same.

The failure of governments to achieve significant rates of rural electrification has meant that off grid energy sources such as solar lighting system, small scale “decentralized renewable energy generation system” in an off grid stand alone remote system can be used for electrification of remote villages.

“DRE System” use local renewable resources like biomass, water, sunlight and wind, to generate electricity. Such micro grids can play an important role in bridging the electricity access deficit by providing access to remote village which can not be electrified through central grid extension due to techno economic consideration





Several government and non government agencies are promoting DRE in India. The ministry of power (MoP), through its DDG (Decentralized Distributed Generation) policy and ministry of new renewable energy (MNRE) through its various scheme such as the village energy security program (VESP) and remote village electrification (RVE) program play a central role in remote rural electrification.

Rural People and present Energy use for Domestic Purpose

Rural people in India have been meeting their domestic cooking needs from fuel, wood, seasonal biomass from crop and animal residues, burnt as inefficient fuels which are mainly collected by women. This is the main cause which contribute to their drudgery and leads to both indoor and outdoor pollution and environment problem.

- The male of the house is not critically aware about the drudgery of the female and children-
- In the household in collecting fuel wood and making animal dung cakes as fuel.
- The cooking of food.
- And much less concerned about indoor pollution due to cooking affecting health of woman, girl child and children staying with their mother while cooking in rural area.
- Children education is also affected due to no proper lighting arrangement in the house, and environmental and health risk.



Efforts have been made in last two decade to solve the rural energy problem using renewable energy technology (RET).

Need for addressing issues effectively

The Technological approach to the implementation treats the RET as an end it self/choosing right RET solution. An important task for each area village or even family is to choose the best solution among the many option available. In other words local people are expected to invest their savings in technologies sold by manufactures who use rural areas as market places without addressing to the important need of the local people.

In the socio-technical approach the local community/ people (the end users) are considered and recognized as primary stake holders and are kept in the center of any development, promotional and implementation program. The RET is only be a means to empower people. The NGOs company can only be a means to implement RET program in rural areas.

SAMTA POWER (NGO Company) registered u/s 25 since 2006 has been providing consultancy service for project development and project facilitation service for power sector reform through people participation and is having dedicated team of expert engineers, dedicated social workers and accredited / certified energy auditors.

Sustainable Energy Technology

Various sustainable energy technologies which are largely proved to have benefited the poor rural people are put up below. The technologies pertain mainly to cooking, generating electricity and other devices.

(A) Cooking Devices

In Rural areas, mainly Biomass Energy(Fuel wood, agri-residue and animal dung) is used for





cooking and heating purpose. Use of biomass energy and low-grade biomass fuel leads to the smoke emission. This is one of the reasons for higher rate of infant mortality and morbidity and other unhealthy living conditions. More than 80% of energy needs are met by fuel wood thus exerting immense pressure on forest resources with negative impact on environment.

In order to reduce indoor air pollution and increase fuel efficiency as well as protect the forest resources and environment, several initiative were taken up. As a result of considerable research and development various options are available, which are environmentally sustainable

- Improved cook stove
- Biogas for cooking
- Charcoal and biomass briquetting
- Solar cooker & hay box cooker etc.

The national program on improved Chula (NPIC) was started in 1986-87 by govt. of India as a program for women, by women with the following objective-

- Conservation of fuel wood and other biomass.
- Removal of smoke from kitchen
- Reduction in the drudgery of women and girl children from cooking in Smokey kitchen.
- Reduction of health hazards.
- Provide employment opportunity to rural people.

(B) Electricity and Mechanical Device (Generation of Electricity)

There is direct correlation in energy consumption and economic status of a country. The electrical form of energy is also important for education, entertainment and other house hold cores apart from economic point of view. However, a large population is either completely deprived of this energy in villages or receive irregular supply of the same

Some of the sustainable energy technologies developed to produce electricity through several modules such as:

- Solar photovoltaic system
- Micro hydro system.
- Biomass based power generation
- Wind mills

Solar Photovoltaic System

The following type of systems are used for house hold lighting in rural area.

- Solar lantern
- Solar home lighting system
- Solar street light
- Solar pumps
- Solar photovoltaic refrigeration

(C) Other Devices

In addition to the cooking, mechanical & electrical devices there are other mixed type of devices that tap the renewable energy and serve different purposes of the farmers and rural population.

- (i) Drying – open sun drying of various agriculture produce is the most common application of Solar Energy.
- (ii) Domestic Solar Dryer – used of drying small quantities of product such as vegetables, fruits spices.





- (iii) Solar water heater
- (iv) Solar Distillation
- (v) Solar Disinfection and purification of water



Recently 'Samta Power' has coordinated for execution of 'Gram Power Smart solar micro grid for off-grid rural electrification project' for electrification of two locality namely 1. Upari Bhabban (45 House Hold) 2. Nichali Bhabban(70 House Hold) Distt – Pali. Discom Could not extend electricity supply to these village due to clearance not given by forest Department.

Salient Features of Gram Power Micro grid System

Gram Power smart Micro Grid system includes solar powered generation through solar PV modules.

- Energy distribution infrastructure smart metering.
- Communications hardware and battery storage.
- Sale energy with an affordable prepaid model to the people through a local rural entrepreneur.
- Entrepreneur is given an energy wallet in which gram power wirelessly transfers energies credit at a whole sale price after the entrepreneur pays for it .
- The entrepreneur then sale this credit with a 15% mark up to the consumer. A consumer will be able to get access to almost 6 Hrs/day of lighting and cell phone charging for just Rs. 5/- per day of recharge.

Achievements of Samta Power

1. Samta Power' is pursuing & completed project management consultancy from concept to commissioning approach for following projects:-
 - (a) Proving grid -tied solar PV roof top plants of 1 KW, 5KW, 25 KW, 100 KW & 120 KW in Rajasthan & Hariyana.
 - (b) R & D Project of 1 MW solar thermal project at Abu Road, MNRE (GoI), German Govt., NGO from Germany, Brahm Kumari (NGO-Certified by UNESCO) are the partners doing this R & D Project.
2. Samta Power is working for project "Access to Energy for the Poor in Rural Area" (The clean energy option) jointly collaborate with "TERI" "Gram Power" and "MRIDAR ENERGY" in their projects as under:
 - i. "TERI", Smart Solar Mini Grid (SMG) for "Off Grid Rural Electrification and Energization of Solar Pump in Rajasthan.
 - ii. "Gram-Power" smart solar micro grid for off grid rural electrification in Rajasthan.\
 - iii. "MRIDA" & "SAMTA POWER" are jointly working for remote village electrification, empowering villagers life, fulfilling their dreams, and promoting rural self sufficiency through, (a) Energy Access (b) Agriculture business, (c) Providing enabling opportunities & (d) unleashing the potential within.

Recently a "240 Watt DC Solar Mini Grid" was installed to electrify 25 Households in Panch Deval Village of Abu Road Block with a simple Technology as under:

- 240 Watt Solar Panel, 2 Watt LED Bulbs 2 nos., per household, 100 Ah Battery 2 Nos., Automatic charge controller – switches on light after sunset and switches off on sunrise, 1 mobile charging per house hold, Copper wiring for HH. This project is being operated and maintained by the villagers regularly for the last two years.
- Samta power is working for the power sector reform through people's participation for providing renewable and eco-friendly solution by leveraging our technological and human powers to energize a greener earth that will empower man kind to reach the height of human excellence in harmony with nature

-Er. B.C. Mathur
(Retd. CMD, Jodhpur Discom)
Director Samta Power, Jodhpur



विद्युत वाहन एवं उनके लिए चार्जिंग व्यवस्था



वर्तमान में पेट्रोल - डीजल के बढ़ते मूल्य तथा पेट्रोलियम चालित वाहनों से बढ़ते वायु-प्रदूषण का एक ही समाधान बैटरी चालित वाहन है। इसकी सुगम कार्य-योजना के मुख्य बिंदु निम्न है

इंजी. येवती कुमार बोलिया

1. भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ईंधन सुरक्षा वृद्धि एवं सहनीय पर्यावरण मित्र परिवहन उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय विद्युत गतिशीलता मिशन योजना, 2020 जारी की गयी है। इसके अंतर्गत वर्ष 2030 तक सभी वाहन विद्युत (बैटरी) चालित का लक्ष्य है। विद्युत् वाहन लगातार बढ़ रहे हैं। देश में 4/19 से 5/20 के बीच 19355 विद्युत वाहन बढे तथा वर्ष 2030 तक करीब 3 करोड़ दो पहिया व 1 करोड़ चार पहिया विद्युत वाहन हो सकते हैं। इनकी कीमत भी लगातार कम हो रही है तथा वर्ष 2030 तक 65 प्रतिशत कम हो सकती है। देश में तब तक करीब 14 करोड़ व राजस्थान में करीब 88 लाख से अधिक (67 लाख दो पहिया व 21 लाख चार पहिया) विद्युत वाहन होने की संभावना है। राजस्थान में अभी कुल पंजीकृत वाहन करीब 1.88 करोड़ से अधिक है, जिनमें से मात्र 17400 से अधिक पंजीकृत विद्युत् वाहन हैं, इनमें 76 प्रतिशत दो पहिया व शेष 24 प्रतिशत तीन/चार पहिया वाहन हैं। इतनी कम संख्या का मुख्य कारण





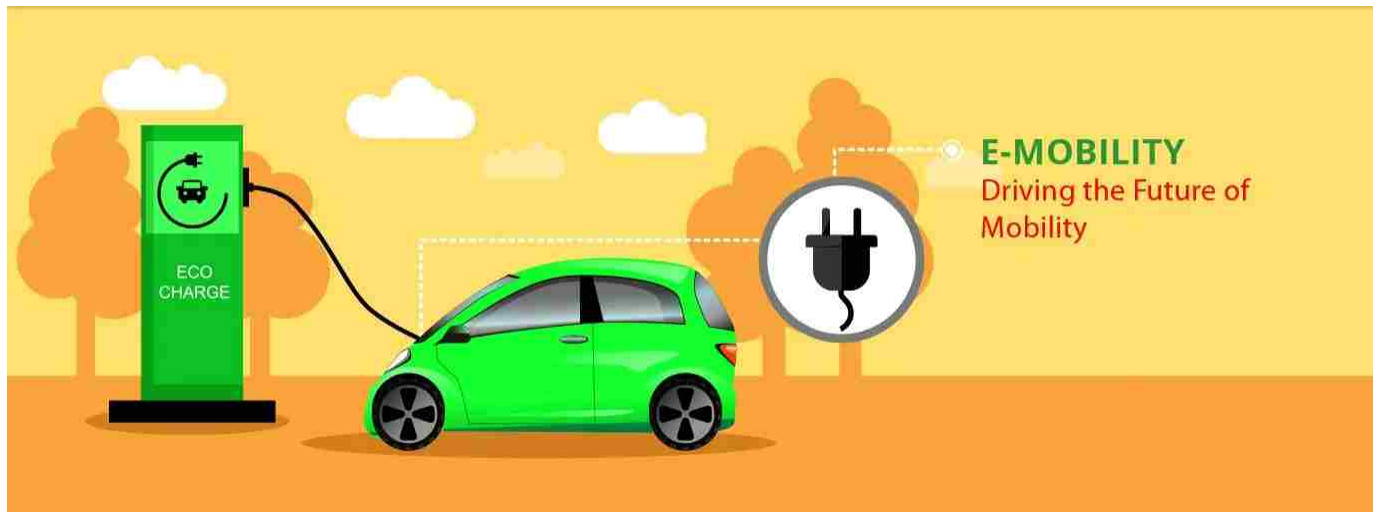
विद्युत वाहनों की तुलनात्मक अधिक कीमत व चार्जिंग सुविधा की कमी है। विद्युत वाहनों के मूल्य में सबसे अधिक बैटरी की लागत होती है। लिथियम आयन बैटरी का मूल्य रू. 11250 से 15000 प्रति यूनिट होती है, जिसमें 200 यूनिट (किलो वाट घंटा या की वाट/किलोग्राम होती है। (वैकल्पिक सॉलिड स्टेट बैटरी की क्षमता 1 किवाघ/ किलोग्राम होती है, जिसकी 80 प्रतिशत चार्जिंग 10 मिनट में हो सकती है), बैटरी पर प्रोत्साहन राशि कार के लिए रू.10 हजार प्रति किवाघ तथा बस / ट्रक हेतु रू. 20 हजार प्रति किवाट का प्रावधान है। राजस्थान में रू. 5 हजार प्रति किवाट



की सब्सिडी का प्रावधान है। बैटरी की क्षमता में लगातार सुधार हो रहा है तथा इस की लागत भी लगातार कम हो रही है। इन विद्युत वाहनों के चलन में सबसे बड़ी रुकावट 'बैटरी चार्जिंग तंत्र' की कमी थी। इसके समाधान हेतु विद्युत् वाहन चार्जिंग स्टेशन तंत्र स्थापित किया जाएगा। राज मार्गों पर दोनों तरफ प्रत्येक 25 कि.मी पर साधारण (100 कि.मी पर 'तेज') तथा आबादी में 3-3 कि.मी. क्षेत्र पर एक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जाएगा। वर्तमान 'पेट्रोल-पम्पों' पर भी ये चार्जिंग स्टेशन लगाए जा सकेंगे। 2 पहिया वाहन हेतु 3 किलोवाट तथा 4 पहिया वाहन हेतु 15 किलोवाट का चार्जर चाहिए।

2. भारत सरकार के प्रभारी उद्योग विभाग द्वारा श्भारत में विद्युत एवं मिश्रित वाहन के निर्माण तथा तेजी से अपनाने हेतु योजना 'फेम' जारी। इसके अंतर्गत तीन कार्य लिए गए (1) मांग-प्रोत्साहन (2) चार्जिंग स्टेशन तंत्र स्थापन (3) सूचना-शिक्षण-संचार।
3. 'मांग प्रोत्साहन' के अंतर्गत वाहन खरीदने हेतु निम्नानुसार प्रोत्साहन राशि (सब्सिडी) दी जायेगी :
 - (अ) दो पहिया वाहन पर रू. 7500 से 27000 तक
 - (आ) तीन पहिया वाहन पर रू.25000 से 61000
 - (इ) चार पहिया वाहन पर रू.70 हजार से 6.10 लाख तक
4. 'चार्जिंग स्टेशन तंत्र' स्थापन के अंतर्गत दो तरह की व्यवस्थाएं प्रस्तावित की गयी है-

प्रथम: निजी- घर, कार्यालय में बैटरी चार्जर स्थापन की विद्युत् निगम द्वारा अनुमति दी जायेगी, परन्तु कुल भार स्वीकृत भार में रखना होगा. इसके लिए उपभोक्ता अपने विद्युत कनेक्शन के। स्वीकृत विद्युत भार में नियमानुसार वृद्धि करा सकता





है, अन्यथा भार स्वीकृति से अधिक पाए जाने पर नियमानुसार दंड लगेगा।

द्वितीय:

चार्जिंग स्टेशन स्थापन विद्युत् वितरण निगम द्वारा अपने कार्यालयों, विद्युत् केन्द्रों आदि के परिसर में जहां संभव हो, 'लोक चार्जिंग स्टेशन' स्थापित किये जायेंगे. जिसमें वाहनों की बैटरी तय शुल्क पर चार्ज की सुविधा मिलेगी। निजी क्षेत्र में कोई व्यक्ति या संस्थान उपयुक्त स्थान पर निर्धारित तकनीकी माप दंड पूर्ण करते हुए 'लोक चार्जिंग स्टेशन' स्थापित कर सकेंगे। इन 'लोक चार्जिंग स्टेशन' पर आवश्यकतानुसार चार्जर (धीमा) 4 से 8 घ. / मध्यम (1 घ.) / तेज (30 मिनट तक) लगा सकेगा या तय राशि लेकर 'बैटरी- परिवर्तन' (डिस्चार्ज बैटरी ले कर पूर्ण चार्ज बैटरी देना) की जा सकेगी, जिसमें पेट्रोल- डीजल भराने जितना ही समय लगेगा. इसके लिए आवश्यक बिजली के लिए वह निम्नांकित में से कोई एक स्रोत उपयोग कर सकेगा।

(अ) विद्युत् वितरण निगम से वांछित विद्युत् भार का विद्युत् कनेक्शन प्राथमिकता पर ले सकेगा, 'फेम' के अंतर्गत 'औसत बिजली लागत' से 15 प्रतिशत अधिक तक रखने का प्रावधान है, परन्तु राजस्थान में इसको प्रोत्साहित करने के लिए इसकी बिजली की दर निम्नांकित विशेष छूट युक्त टेरिफ पर ही रखी गयी है. 'एल.टी- रू. 6.00 प्रति यूनिट व स्थायी प्रभार 0.40 / हॉर्स पाँवर / प्रति माह एच.टी.-रू.6.00 प्रति यूनिट व स्थायी प्रभार रू. 135 वी ए माह। इसमें रात 11 बजे से प्रातः 6 बजे तक उपभोग बिजली पर 15 प्रतिशत की विशेष छूट भी मिलेगी।

(आ) किसी विद्युत् स्रोत से खुली पंहुच (ओपन एक्सेस) के नियमों के अंतर्गत बिजली ले सकेगा।

(इ) राजस्थान में सर्वाधिक सौर ऊर्जा विकिरण (6 से 7 किलोवाट/किमी किमी) तथा वर्ष में 325 दिन की उपलब्धता होने से इस हेतु सौर विद्युत् संयंत्र भी स्थापित कर सकेगा। राजस्थान में डेढ़ लाख मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता है, जबकि अभी मात्र 3551 मेगावाट ही काम में आ रही है। देश में करीब 2522 टेरायूनिट (चरम मांग 402 गीगावाट) जिसमें से करीब 82 टैरा यूनिट (23 मेगावाट चरम मांग) राज्य में बढ़ने वाली बिजली मांग हेतु भी व्यवस्था की जायेगी. वर्तमान में। राज्य की कुल स्थापित विद्युत् उत्पादन क्षमता 19135 मेगावाट है, जिसमें से 45 प्रतिशत राज्य में है। इससे 13000 मेगावाट बिजली उपलब्ध है, जबकि मांग 11000 मेगावाट ही है, अर्थात् 2000 मेगावाट (673.2 करोड़ यूनिट) अतिरिक्त है. वर्ष 2022 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा व 60 गीगावाट विद्युत् उत्पादन का लक्ष्य है. 'टाटा पाँवर' ने एच पी सी एल के साथ अनुबंध किया है। ए.सी. चार्जर हेतु 3.3 से 43 किलोवाट 'ए.सी. पाँवर व डी सी चार्जर हेतु 10 से 240 किलोवाट डी.सी. पाँवर की आवश्यकता रहेगी. ए.सी. चार्जर 1 फेज पर 120 वोल्ट, 1.9 किलोवाट (16 एम्पीयर) या 240 वोल्ट 19.2 किलोवाट (80 एम्पीयर) अर्थात् 20 किलोवाट तक की क्षमता के होंगे। 'डी.सी.' चार्जर 200 से 450 वोल्ट तक 36 किलोवाट (80 एम्पीयर), 90 किलोवाट (200 एम्पीयर), 240 वाट (400 एम्पीयर)

तक की क्षमता के होंगे. इन चार्जिंग स्टेशनों पर 'स्मार्ट चार्जिंग' (वी 1 जी / वी 2 जी / वी 2 एच बी) व्यवस्था भी होगी, जिससे जब बिजली सही व सस्ती मिलेगी, तब चार्जिंग हो सकेगी. इसके लिए वांछित प्रचार प्रसार किया जाएगा।





HYDROGEN

ENERGY OF FUTURE



Er. D.D. Agarwal

With Paris agreement in view for reduction of emission and decarbonisation of various sectors emitting CO₂, Clean Hydrogen (Green Hydrogen) is being seen as Energy of Future in whole world.

The production of green Hydrogen & its ability to decarbonise various sectors (Cross sectorial application), Clean Hydrogen production is seen as important change in energy sector.

Government of India have launched "National Hydrogen Mission" & to make it success, it is necessary to engage & discuss with Stake Holders of Hydrogen Community to look at Technological, policy, regulatory and financial issues regarding this fuel. Clean Hydrogen in a way, has been recognized as Carrier & Storage of Clean energy, as Hydrogen produced with help of Renewable Energy (Solar, Wind, Biomass, Hydel) is increasingly recognized as most important tool/option across many sectors for decarbonisation.

PV Magazine

HYDROGEN

According to "IRENA"

Low cost renewable Hydrogen "may already be in reach" based on record breaking low prices for solar negotiated in the middle east Solar electricity Tariffs of US \$ 0.0135, US \$ 0.0157 and US \$ 0.014 per Kilowatt hour agreed in "Qatar", UAE and Saudi Arabia respectively, This would enable renewables powered Hydrogen to be produced for as little as \$ 1.62 per kilogram.

Hydrogen is Colour Coded based on process of its production Mainly named as follows:





GRAY- Natural gas reforming without CCUS (Process mostly used today) BROWN- Brown coal (Lignite) as feed stock BLUE- Natural Gas reforming with Carbon Capture Utilization Storage (CCUS)

NO COLOUR CODE- Hydrogen produced from BIOMASS- (It is Categorized Green)

GREEN- Hydrogen produced by electrolysis process by renewable energy PINK- Electrolysis processed through Nuclear Energy TORQOISE- Hydrogen produced Methane prolysis. YELLOW- Electrolysis powered through Electricity from Solar ORANGE- Electrolysis powered through Electricity from Wind. (mainly GREEN, BLUE & GRAY HYDROGEN is commonly named)



It is estimated that World produces 70 million M.T. of Hydrogen very year & mostly used by fertilizer production & Petroleum refining.

Most of developed nations, responsible for high Carbon emissions like Germany, Australia, Japan, Saudi Arabia, EU, Oman, have set ambitious targets to produce Clean Hydrogen, to decarbonise Heat intensive Units (Steel Furnaces), Cement, (Fertilizer Units, Transport & Power Sector.

lac

There are many processes of producing Hydrogen but most used process for Hydrogen production is Steam Methane reforming (SMR) of natural gas, as in this process, involves the reaction of Methane with Steam at a very high temperature (700-1000° C) in the presence of a Catalyst. CO2 generated is 10 times compare to Hydrogen production in this process. As such it is highly Carbon emission process & an estimated 830 million tones of CO2 is estimated annually. This is GRAY Hydrogen.

While if CO2 is captured, stored & utilized it in non emitting ways (CCUs). This is BLUE Hydrogen.

GREEN Hydrogen is produced using electricity from renewable source like SOLAR & WIND.

eneourc

There are many pathways to produce Hydrogen (Green, Gray & Blue), however (A) GREEN HYDROGEN PRODUCTION THROUGH ELECTROLYSERS

If Renewable Energy is used in Electrolysis process it is Green Hydrogen, wherein, Water molecules are split into Hydrogen & Oxygen through Electrolysers, Deionized Water is feed stock, producing 99.9% pure Hydrogen & Oxygen, which have higher Value. There are many types of Electrolysers which can be classified as (i) Alkaline Electrolysers (AE)- most used process using Catalyst Potassium Hydroxide & Sodium Hydroxide operating at 800-100°C (ii) Polymer Electrolyte Membrane (PEM) still on development stage, though having higher efficiency than AE. It was polysulphonated membrances to split Water molecules) (iii) Solid oxide Electrolysers

Based on electro technical process that uses a solid ceramic – but very expensive other material as the electrolyte to split the Water molecules by transferring oxygen ions through a Conductive membrane) to use of platinum irredium & Rhodium on Cathode & Anode). Process of Electrolysers, mainly consists of two electrodes, Cathode (ve Changed), Anode (+ve Changed) & a membrane



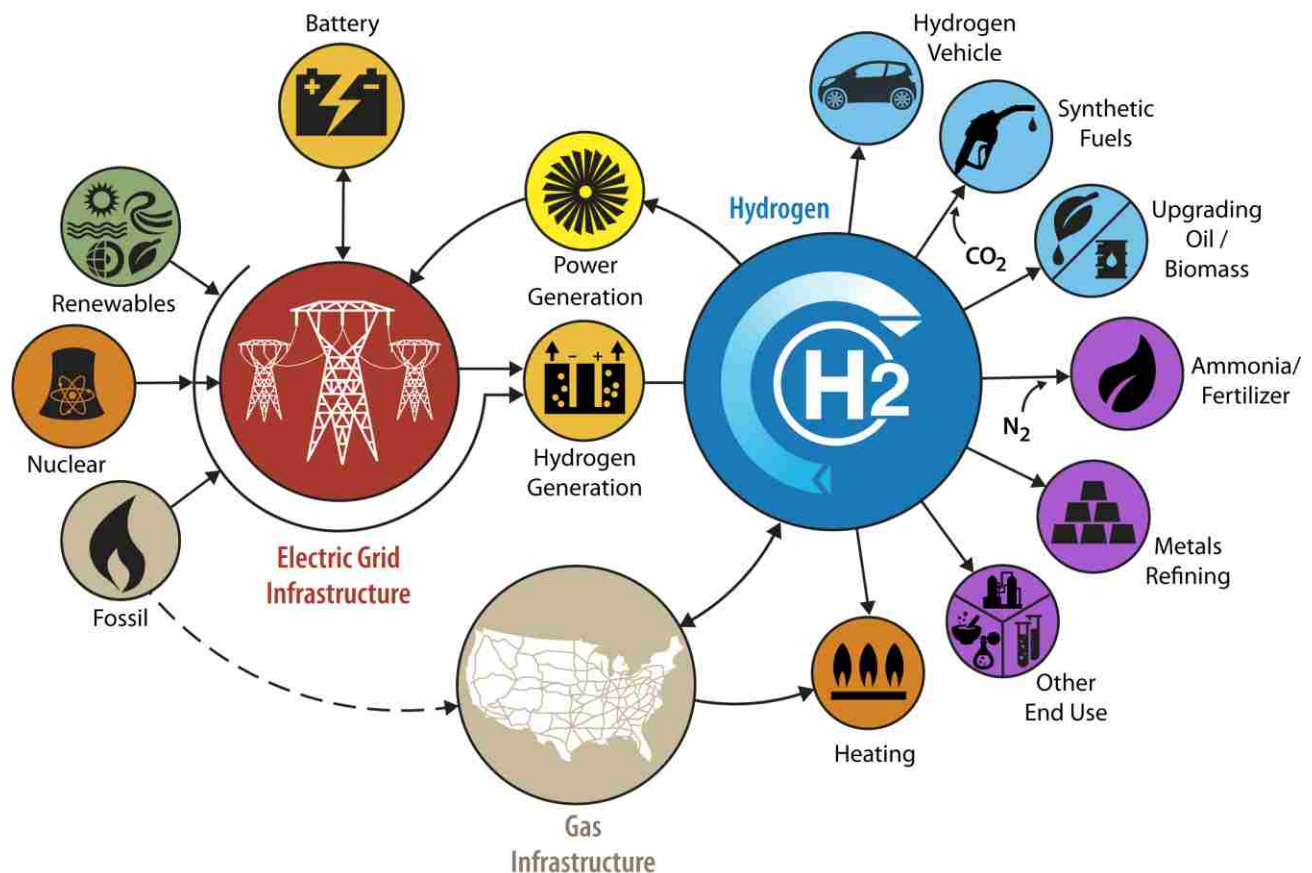
which through a process of electrochemical reaction which occurs within the cell & when electricity is passed from the Anode to Cathode across the membrane, results in splitting of water molecules in H₂ & O₂. Electrolysers used are of different sizes depending on application from Laboratory levels to production units.

Besides electrolysers process, Biomass gasification is also gaining momentum, especially at places where high availability of organic resources such as agricultural or municipal solid waste. Gasification of Organic resources/ biomass involves the incomplete combustion of feedstock at high temperatures, producing CO- Carbon monoxide, H₂ Hydrogen & some part of Methane (CH₄). H₂ Hydrogen can be separated from this mixture at a high scale. Producing of Hydrogen from biomass do not have separate Colour Code & can be named as GREEN HYDROGEN. At present, Cost of Electrolysers are very high & Work is going on to reduce it by scaling up size & quantity of Electrolysers to bring it down to 50% cost from present rates.

Electrolysers for generating Hydrogen using renewable energy/ electricity shall result in substantially to power system, as Hydrogen produced can be stored, acting as Energy Storage option vis a vis battery Storage System. It also helps in integrating the electricity grid with electrolysers for power to gas (P2G) & Gas to Power (G2P)

Application through Hydrogen Fuel Cells has a great role to play in various sector to meet demand in form of gas & electricity & particularly Heavy, medium transport Sector including railways.

Hydrogen Economy in India Prospective





“WHY HYDROGEN

As per data of Central Government, India produced 15811 Petajoules of energy in year 2020 of which 81% was derived from fossil fuels such as Coal, Oil & natural gas. Fossil Fuels are mainly responsible for emission of Carbon, damaging permanent damage to environment.

India's estimated to produce 35825 Petajoules of energy by 2040 as per 'International Energy Agency' (IEA), clean source of energy is must to ensure lowest damage to environment.

Options are Nuclear Energy & or Solar, Wind & Hydro, due to Challenges in Nuclear & Hydro energy (like International Objection of Nuclear Plants & High Capex & long time to create Hydro projects) Solar & Wind seems (RE) possible source of generating electricity, besides Power generations fossil fuels, there are other sectors like production of Iron & Steel Industry, Fertilizer & Cement & Other Chemical Industry, cannot be electrified & Hydrogen can play an important role in replacing fossil fuel.

As such Hydrogen is important fuel as it acts as feed stock in refining, fertilizer, Chemical industries & gradually replacing Carbon as feed stock in the Iron & Steel Industry too. Hydrogen can make up requirement of many sectors of Industries.

Production of Hydrogen has to be either from Natural gas, water or biomass.

Presently, “GRAY Hydrogen” produced from Natural gas is priced around INR 150 per kg, however due to Carbon emission (CO₂) of 9.21 kg/ for each kg of Hydrogen produced, hence Use of glass Hydrogen needs to Curbed. As such, production of Hydrogen by Splitting Water by use of process of Electrolyzers to produce 'GREEN HYDROGEN' at a price of Rs 75 per kg is most Viable option to Curb Carbon emission. However, present price of GREEN Hydrogen is stipulated as Rs 150/- per kg. Electrolyzers process needs Scaling & R&D required presently. Falling price & RE in UAE & Saudi Arabia, southern parts of World, with high





fund in flow, resulted in promoting 359 large scale "GREEN HYDROGEN PROJECTS" globally.

Huge Growth in WIND, SOLAR, Batter Storage, EV as well in building sector- to be more energy efficient & all electric. Heavy Industries & air & ship transport are also starting to electrify. Aggressive policies needed to ensure at least 80% by 2030 & 100 % by 2050.

Biggest challenge/ hurdle right now are Competing interests, all of these technologies being proposed that are actually much less helpful than Renewable-So

Carbon capture, New Nuclear power, Bio Energy, Direct air Capture, Geo Engineering, all these have opportunity Costs & distraction from real solutions.

In 100 % RE scenario, need increased efficiency & Energy demand reduction? How it fits?

Answer of Professor is like this

Low Cost Renewables Hydrogen may already be in reach

Three record- busting low Solar price tariffs recorded in the middle East in the past 18 months are to be believed, RE powered Hydrogen in prime sites in the region could also complete with gas plus CCS production.

International Renewable Energy Agency (IRENA) has suggested "affordable Green Hydrogen" could already be obtainable, based on record breaking low price for Solar Energy in middle East.

Solar Electricity tariffs of \$ 0.0157, \$ 0.0135, \$ 0.0104 per KWH in middle East, site 'DUMAL AL JANDAL' IRENA suggest that lack of a GRID connection would raise the Renewable "HYDROGEN" cost \$ 1.74/kg which still compares favourably to the current \$ 1.45-2.40/ kg price Hydrogen produced by Natural Gas with Carbon Capture & Storage Tech.

Hydrogen Electrolyzer Cost from \$ 750 per KW Capacity to \$ 350 would enable Renewable Hydrogen production for \$ 1.16/ kg raising "Electrolysers" efficiency of 7.25% & extending stock life time from 15 to 17.5 could lead to price of \$ 1/ kg.

With low RE prices, We may say that "low cost Renewable Hydrogen may already be, in Reach"

"Indian oil selects American firm Dastur for India's largest Industrial Carbon Capture & utilization report."

The CO2 Captured from the Hydrogen generation Units in "KOYAL", refining in Gujarat will primarily used for enhanced oil recovery at ONGC's oilfield at "GANDHAR" near "KOYALI"

TOC- Turns to gas, not green Hydrogen, to reduce Delhi Bus emission- Compact refiner plant to produce Hydrogen- enriched Compressed natural gas as a bus fuel. - Blended Fuel with Fuel economy & emission choice? Oil & Gas Minister- 10GW proposal for Solar equipments manufacturing received by Government.- Half of Petrol pumps to seen on P.V.

IOC- Buys stake in Iserial's "PHINERGY" for manufacturing Al- Air Batteries for EV & Stationery applications & facilitate development of ECO systems for Al- Air Technology.

India's Capacity to produce Hydrogen presently is 6 million Tons/ annum (Mt. Pa.) mainly by natural gas for Capture use by fertilizer & refinery Units. However to produce "GREEN HYDROGEN", Greener Method of Electrolyses process is only viable alternative, presently, to produce "GREEN STEEL", "GREEN AMONIA", GREEN METHANOL, "GREEN FUEL". India estimated to have 40 Mt pa demand by year 2060 as per a study.



Presently India is importing 40% of its energy demand at a cost of US \$ 160 billion & by transition to Green Hydrogen, India can reduce import of Coal, Oil & Natural Gas.

India can possibly produce 210 MT ipa (597m toe) of Green Hydrogen from Solar & Wind, balance after meeting Country's demand can be exported to Asia Pacific.

The Present Production of Hydrogen globally is about 111 Mt pa, estimated to rise to 212 Mt pa (from US \$ 136 billion to US \$ 2.5 trillion by 2030) with lot of new jobs Creation to meet the increased production of Green Hydrogen.

Reliance Industries, Adani Power/ Renewables, Jindal Steel, NTPC Ltd. are already in the field with big announcement of producing Green Hydrogen, RE power, seeing big opportunities for Consumption in India & Export. While Regulations are being framed to put in place marketing issued, to make Hydrogen purchase obligation on high emissions make industries like fertilizer, Steel, Cement, etc. This will also help in reducing India present (2019), emission level of 2.62 Gt CO₂ & expected to be reduce substantially, globally it is estimated to reduce 6 Gt CO₂ annually.

India's "MISSION HYDROGEN" can be successful with right policy & favourable government regulations towards this issue.

With Atomic weight of 1, Hydrogen is the highest element & most abundant element in the Universe, It is non Toxic, colourless & Odourless, however it can only be extracted by various Chemical process as it exists as a Compound.

With an energy content of 120 Megajoules 1 Kg (MJ/kg), Hydrogen is nearly 3 times higher by Weight & four times lower by Volume Compared to Petrol (45.8 MJ/ Kg) and Diesel (45.5 Mj/ Kg). As such Hydrogen is recognized in great potential to decarbonise multifaceted sectors.

India's prospective..... With Paris agreement for keeping Temperature rise to 1.5°C real, Challenge is to Craft feasible pathways for getting Net Zero.

Green Hydrogen is an extremely attractive option to supplement renewable, Solar & Wind are cheapest source of electricity and can be generated in big quantity. Green Hydrogen produced through Electrolyses process of Water using Electricity (without use of Fossil fuels)

Hydrogen can be used to generate electricity with only Water vapour as the emission. Through Fuel cells it can be used to run Automobiles, including heavy duty Trucks & through Ammonia, it can be used to run ships. Green Hydrogen can be used (in Steel, Iron, Cement & Fertilizer via Ammonia). It can be stored & transported over long distances.

Green Hydrogen is presently very expensive. Grid storage option for electricity, including battery storage, Cost much less E.V. using Li ion batteries are a mature Technology & is Cost competitive. Many Auto majors including 'TOYATO' & German Car makers are using Hydrogen Fuel Cell Cars, the Hydrogen Fuel Cell Car is expensive.

As such unless cost of production of Green Hydrogen via RE power & Electrolyses process is bring down to half of present Cost, Green Hydrogen is expensive.

In conclusion, following issues emerge regarding Green Hydrogen prospects in India

1. Harnessing the Hype on Hydrogen

With global climate issues, Hydrogen is 'fuel of future'. To be deployed at scale, hydrogen will need to compete with incumbent fossil fuels and emerging low carbon alternatives, such as battery



electric vehicles.

2. An emerging virtuous circle for hydrogen deployment

Growing demand in numerous end-use sectors like industry. Supply-side innovation in production technologies, notably electrolyzers and renewable.

3. Hydrogen demand could increase 5-fold by 2050, with use in industry being the major driver

(As new sectors like Steel, Fertilizer, Ammonia, Cement, refineries are shall be using Green Hydrogen due to Climate action plan) driven by cost reductions in key technologies, as well as the growing imperative to decarbonizes the energy system.

4. By 2030, costs of hydrogen from renewable will fall more than 50% and will start to compete

with hydrogen produced with fossil fuels By use of R&D in Electrolysis process & reduction.

As of today, essentially all of the hydrogen consumed in India comes from fossil fuels. However, by 2050, nearly 80% of India's hydrogen is projected to be 'green'- produced by renewable electricity and electrolysis. Based on a comprehensive assessment of possible production routes conducted in this report, it is clear that green hydrogen will become the most competitive route for hydrogen production by around 2030. This is driven by dramatic cost declines in key production technologies such as electrolyzers and solar PV. For example, the cost of alkaline electrolyzers is projected to drop from around Rs. 6.3 Cr/MW today to around Rs. 2.8 Cr/MW by 2030. The decline in electrolyser costs will be partly driven by large-scale deployment in India

and globally, by a virtuous circle between falling costs and strengthening policy to promote hydrogen. Improving efficiencies of electrolyzers, as well as increasing load factors of solar plants, will also play an important role in driving the costs of green hydrogen below Rs.150/kg by 2030 (\$2/kg) - versus Rs. 300—440/kg (\$4—6/kg) as of today. At this price, green hydrogen starts to compete with hydrogen produced from natural gas allowing it to make in roads into various end-use segments. India's lack of domestic natural gas supply and high cost of imports make green hydrogen competitive sooner than in other parts of the world.

5. Driver of RE generation, Green Hydrogen will be competitive.

6. Given the scale of the prospective market, India should be proactive in manufacturing

electrolyzers to produce green hydrogen

Government of India, Hydrogen, mission may lead to setting up of domestic manufacturing of Electrolyzers & Government of India should set up targets of 2030

ce of developments in hydrogen technologies is accelerating, driven by growing interest from governments and businesses around the world looking to drastically reduce emissions from their energy systems, whilst maximizing the use of domestic resources.

7. Driven by a range of factors, the deployment of hydrogen in different sectors will occur on

different time frames and for different reasons

The term 'hydrogen economy' is a misnomer, given that hydrogen is not a panacea for the challenge of energy transition, and will not be suitable for use in all areas of the energy system. Hydrogen's suitability depends on the specific characteristics of each sub-sector, notably on the need for energy-dense fuels (long-duty transport and long-term electricity storage in power); the need for hydrogen as a feedstock and fuel (ammonia, steel, methanol); or the need for high grade process heat, for example



in industry. Importantly, hydrogen will have to compete with other low carbon technologies, notably direct electrification through for example, battery electric vehicles. Thus, it is important to provide a detailed analysis for each sub-sector, as we do in this report. Table 1 provides an overview of the key findings of this analysis, which are elaborated in the following paragraphs.

8. In Transport, Battery electric vehicles will be competitive across all segments, limiting the role of hydrogen to long-distance and heavy-duty applications

Battery Electric Vehicle shall be dominating market (2 wheeler- 3 wheeler, 4 Wheeler) as Cost of Hydrogen Fuel Cell is quite high, however Fuel cell Electric Vehicles could remain competitive in longer distance heavier Weight. Vehicle Segments such as heavy duty trucking. Over the past decade, we have experienced extremely rapid cost reductions in battery technologies, alongside significant improvements in performance. This has made Battery Electric Vehicles (BEVs) lower cost, with greater range and faster recharging times, making them more attractive to consumers across a growing number of segments. Hydrogen Fuel Cell Electric Vehicles (FCEVs) must compete with the ever-improving BEV technologies to have an impact on transport decarbonization. Based on our analysis, from the medium-term, BEVs will dominate most of the smaller, shorter-range passenger vehicles, including two-, three-, and four-wheelers, as well as city buses and last-mile freight. However, FCEVs could remain competitive in longer-distance, heavier-weight vehicle segments.

9. In industry, steel and ammonia will drive growth in hydrogen demand, followed by refineries

and methanol Industry is the main consumer of hydrogen in India, and this will remain the case out to 2050, with industry making up 80% of total demand in our Low Carbon scenario. Today, this is mainly driven by ammonia production and refineries using green hydrogen from dedicated renewables paired with storage could start to compete with natural gas-based ammonia by 2030. Likewise, by the 2030s, steel production based on green hydrogen is projected to be competitive with steel from the traditional fossil fuel routes.

10. In power, hydrogen could be a cost-effective way of providing inter-seasonal storage in a high variable renewable electricity system from 2040

As India's electricity grid decarbonizes further via the integration of growing shares of wind and solar, more electricity storage will be required to help manage the variability of renewables. Improvements in battery technologies mean that they are already able to provide cost-effective short-term storage to manage intra-day variability. However, as the grid reaches higher and higher shares of variable renewables, there will be fewer coal-fired plants that are able to manage the longer periods of demand and supply variation, such as low wind output during the winter months. As a result, hydrogen could play a role as a long-term storage vector, absorbing excess electricity during certain periods of the year, to be used again at times of sustained low renewable output. This only becomes a necessary option of managing grid variability at high penetrations of variable renewables in total generation, i.e. above 60-80% of total generation. India is unlikely to reach this level of variable renewable penetration until around 2040.

11. Hydrogen production from renewables is an energy intensive process, and direct

electrification should be preferred wherever possible. Given the energy-intensive processes required to produce hydrogen, it should be targeted in sectors where direct electrification is not possible. For example, producing 1 kg of hydrogen requires 50 kWh of electricity, based on electrolyser efficiency of 70%, resulting in an energy loss of around 30%. There is then a further energy loss if this hydrogen is stored and converted back to electricity, as is the case for transport



and power applications. A corollary of these conversion losses is that the CO₂ intensity of electrolytic hydrogen production is higher than that of the input fuel, electricity.

12. Industrial clusters are an attractive model for the early development of hydrogen

infrastructure Based on a detailed spatial modeling of India's main industrial clusters, which includes their access to nearby renewable resources, we show that low-cost and reliable green hydrogen production is possible based largely on variable wind and solar.

13. Scaling up the use of domestically produced hydrogen can significantly reduce energy imports

India currently imports 85% of its oil, 50% of its natural gas, and 30% of its coal. This comes at a significant expense, exposing India to the frequent price fluctuations of international energy markets. Domestic production of hydrogen from renewable electricity will significantly reduce energy imports, whilst supporting a domestic energy industry. This improves India's energy security, thereby reducing commodity price uncertainty for major industries. By 2050, annual energy imports could be reduced by around 120 Mtoe (around 20% of today's final consumption), reducing import costs by around Rs.150,000 Cr (\$20bn) each year.

14. To accelerate the adoption of hydrogen technologies in India, a step-change in government

policy and business actions is required To achieve the ambitious vision set out in this report, a step-change in government policy and business actions will be required. This includes greater cross-sectoral coordination within the government, to help realize the economy-wide benefits and interactions of hydrogen technologies.



Graphic by Cho Sang-won

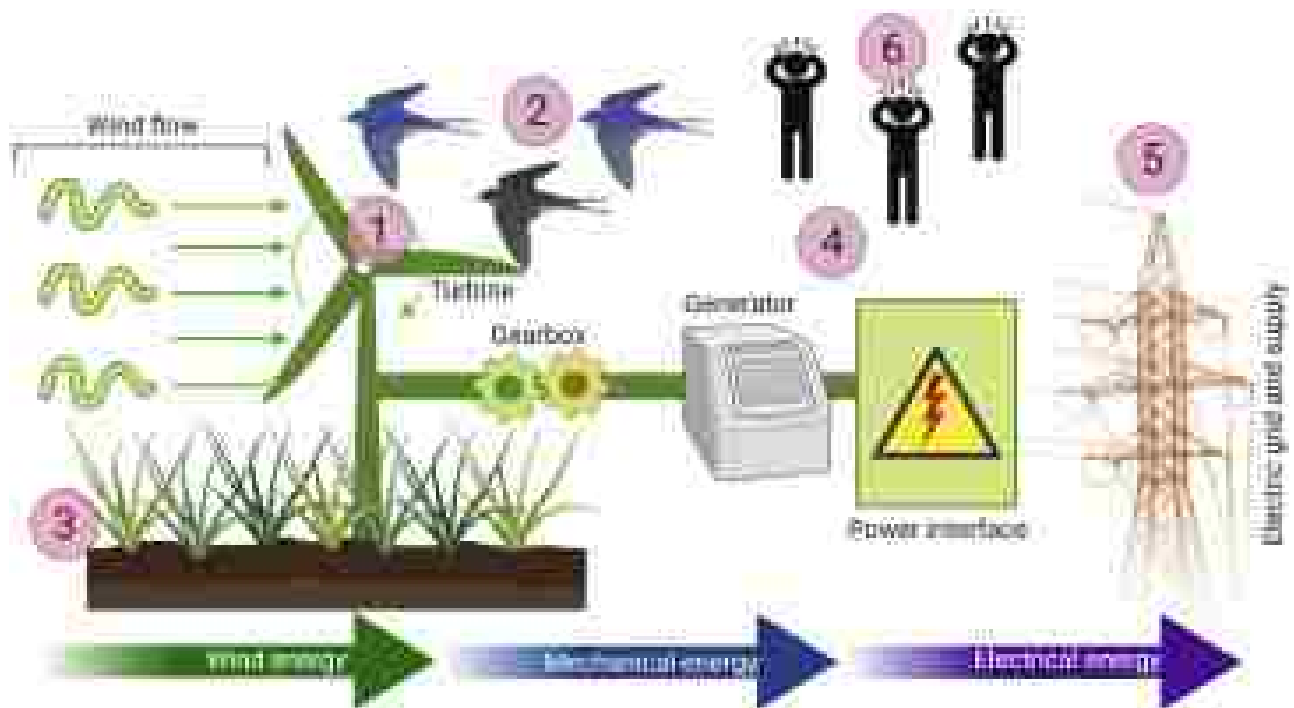


Adverse Impact of Wind Power Project And Need of Valuation of Environment Damage

Presentation By : Praveen Mathur (Me Structures) EM & EA

Summary

Various interactions between economic development and environment do not have economic pricing. Examples of this dilemma are the use of common goods such as air, streams, lakes and the ocean; use of environmental digestive capacity for "waste/pollutants" for private and, use of unwanted materials (diluent, pollutants) in production process. Hence, it becomes economically efficient to behave ecologically inefficiently. Over the last seven to eight decades, the world has seen phenomenal increase in "industrial/urban" development which, coupled with the non-pricing of common natural resources and environmental services, provided by the same, have led to deterioration of ecology and environment. The world community has now realized that unless the negative externalities of the development process, including potential accidental hazards, are fully internalized in the economics of production of "goods/services" the common goal of sustainable development will be jeopardized.





Key words:

- Bird-Years: Human age of bird, convert bird's real age in it's human equivalent. Ex. 1 year parrot = 4 year human.

- Credit over time: Progress over a long time period.

Electrocution: Kill by electricity through body.

- Pylon: Tall tower for carrying electricity cable.

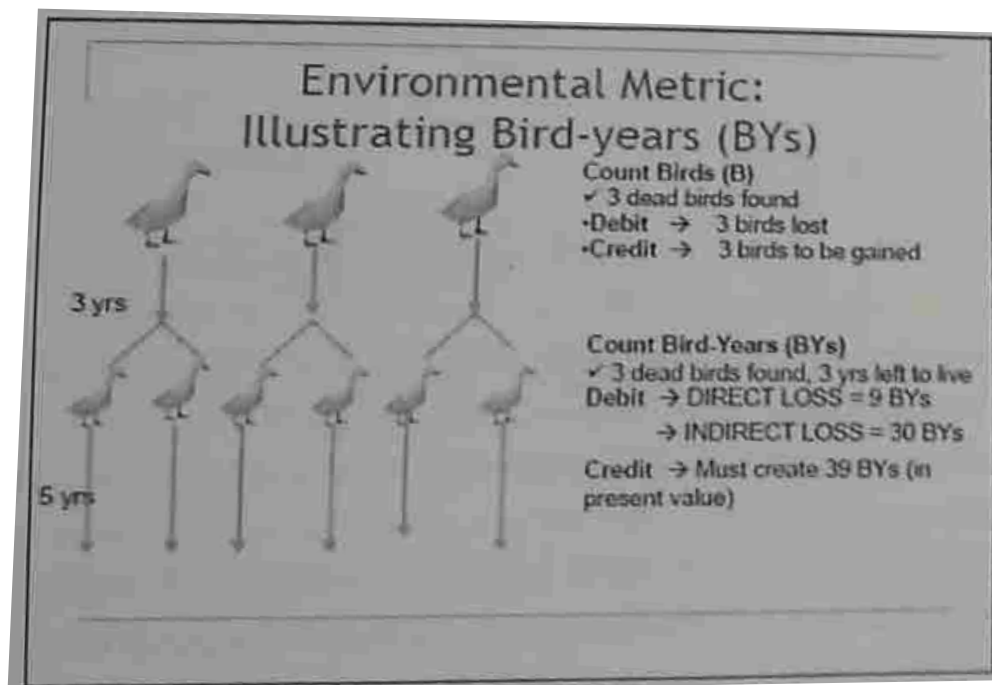
- Compensatory restoration: A restoration project that seeks to compensate the public for temporal or permanent injuries to natural resources.

Discount rate: The rate at which the future is discounted i.e. the rate at which the future does not count as much as the present.

Introduction

In recent trends of development and modernization the valuation of environmental resources/services becomes essential. Three common reasons for requiring those who harm the environment to pay damages are: i) To compensate individuals affected by the "damage/loss". ii) To pay for environmental restoration. iii) To determine future incidents causing environmental damage.

When market is not providing the correct signals for environmental resources, multiplying price by quantity does not result in acceptable figure for the value of the resource. Therefore the environmental economists introduced the concept of total economic value (TEV). The TEV is a framework to account





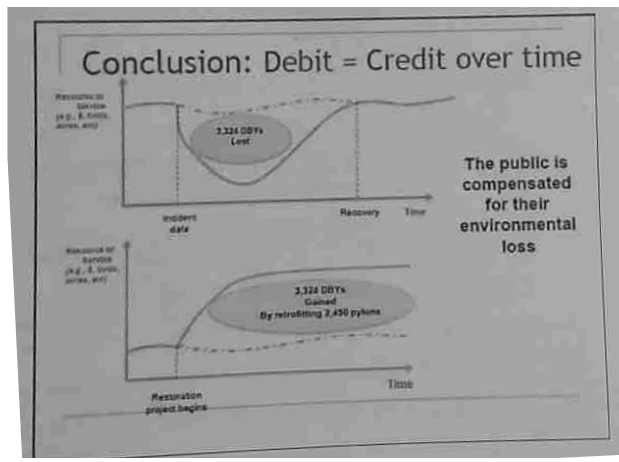
Quantify debit from turbine collisions

Assume WTE collision rate continues to 2027 (108 total collisions) and a 3% discount rate. Total Debit is:

Direct BYs (lost life expectancy due to collisions)
+
Indirect BYs (lost production of offspring due to collision of parents)
=
3,324 DBYs (measured in present (2010) terms)
(DBY = Discounted Bird Year)

3 questions to answer:

- 1. What compensatory restoration projects create "DBYs"?
- 2. How many "DBYs" do we get per unit of restoration?
- 3. How many units do we need to ensure "equivalence"?



for the multiple values of ecosystems. TEV is composed of Use Values and Non-use Values. Use values refer to those values associated with the use of an environmental attribute by individuals. Use values can be grouped into direct use and indirect use values. Direct use values refer to the values that involve direct human interaction with the environment, including both consumptive and non-consumptive uses. Consumptive uses involve extracting resources from an ecosystem for human consumption, such as timber and food harvesting. Non-consumptive

uses are the services provided by ecosystems without extraction, such as the provision of recreational opportunities and scenic views. Indirect uses are derived from ecological functions such as flood control, ground water recharge and water filtration.

ADVERSE IMPACT OF A WIND POWER PROJECT

A wind power project, consisting of 50 wind turbines of 4.3 MW capacity, is expected to cause 108 collisions, causing death of White Tailed Eagles (WTEs), from 2005 (project commissioning year) to 2027. This amounts to a loss metric of 3,324 DBYs (Discounted Bird Years).

Fig.1:

The concept of the "metric" DBY is illustrated in Figure 1 and Figure 2. The challenge now is to identify and scale a project which will result in compensatory restoration of 3,324 DBYs. Such projects may involve improvement of breeding success by enhancing sea eagle nests, improvement of breeding opportunities in a currently threatened WTE

habitat, or reduce mortality of WTEs by preventing their electrocution from power lines. The chosen restoration project is retrofitting of top mounted insulators to prevent electrocution. This is 100% effective in preventing WTI deaths due to electrocution, which are estimated at 0.002 WTEs per pylon per year. The restoration project began in 2012 and is expected to benefit until 2037 (25 years). The credit, per pylon retrofitted, is equal to the sum of direct BYs gained (avoided electrocution) and



gained by avoided productivity loss. This works out to 1.4 DBYs (in 2010 terms) per pylon over 25 year period. Consequently the debit is 3,324 DBYs from 2005 to 2027 and the credit is 1.4 DBYs from 2012 to 2037 for each top mounted insulator that is retrofitted. Both are discounted to 2010 "value" of a "BY". Hence, to reach "equivalence" between debits and credits we need 2450 top mounted insulator pylons (i. e., $3,324/1.4$). Evidently, if 2,450 of these pylons are retrofitted and maintained for 25 years the same number of DBYs that were lost from turbine collisions between 2005 and 2027 will be created. The result of this example is graphically represented in

Conclusive Remarks

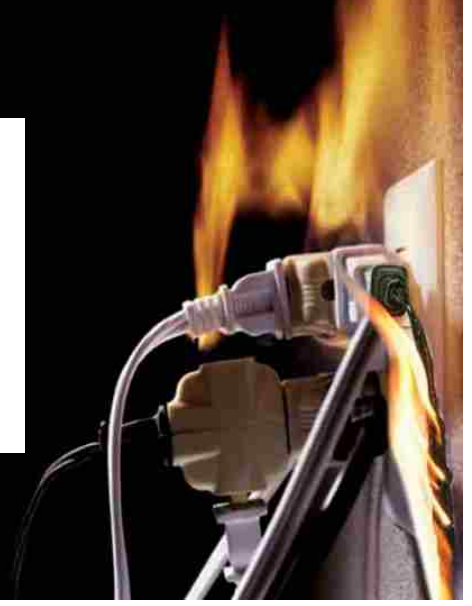
All exercises involving economic valuation of environmental damage, scaling of the damage, restoration of damaged natural "resources/services/habitats" and estimation of compensation due to the affected population, are complex interdisciplinary tasks requiring experts from different fields. At the least, expertise from ecologists, economists and legal minds is indispensable. The choice of varied levels of analysis is site and event specific and depends on factors such as scale of damage, importance of the damaged resource, the extent of the affected population and the like. These issues affect the desired level of accuracy, information, time and resource needs. The level of attention and resources devoted to compensate the damages incurred to the affected public as well as the ecology, are also influenced by public protests, corporate interest political realities and media interests triggered by the incidents.

REFERENCES:

European commission. 2001 valuation & Restoration of env. damage for env. liability.



विद्युत शक्ति के दुष्प्रभाव



सतीश माथुर



विद्युत एक ऐसी शक्ति है जो न तो दिखाई देती है ना इसमें कोई गंध है और ना ही इसमें कोई आवाज है। हम किसी विद्युत परिपथ या तारों को देख, सूँघ या सुनकर यह नहीं बता सकते कि उनमें विद्युत धारा प्रवाहित हो रही है या नहीं। वैसे तो विद्युत शक्ति हमारे लिए बहुत उपयोगी है परन्तु जरा सी लापरवाही व असावधानी बहुत ही घातक हो सकती है, मनुष्य व जानवर की जान भी जा सकती है भवनों में आग लगने से जान माल की बड़ी हानि हो सकती है।

हमें विद्युत शॉक (झटका) क्यों लग सकता है?

थोड़ी सी लापरवाही या असावधानी से विद्युत धारा हमारे शरीर में से प्रवाहित होने लगती है तो हमें विद्युत झटका लगेगा यह शरीर में प्रवाहित होने वाली विद्युत धारा की मात्रा व समयावधि के उपर निर्भर करता है। साधारणतया 15 से 20 मिली एम्पीयर धारा से कष्टदायक असहनीय झटका लग सकता है। 200 मिली एम्पीयर व अधिक विद्युत धारा शरीर के अंग को जला सकता है व इससे मौत भी हो सकती है। विद्युत धारा का शरीर पर प्रभाव शरीर में विद्युत धारा प्रवाहित होने पर मांसपेशियों में संकुचन एंठन पैदा हो सकती है। सांस व रक्त संचार रूक सकता है। फूँडों में पानी भर सकता है। न्यूमोनिया हो सकता है। गुर्दे खराब हो सकते हैं, हृदय आघात होकर मृत्यु तक हो सकती है।

विद्युत आघात के जिम्मेदार तत्व : शरीर का प्रतिरोध मौसम बरसात के मौसम में वातावरण में अधिक नमी, जमीन पर पानी होना, पहने हुए वस्त्र आदि कई तत्व हैं जो विद्युत आघात की संभावना बढ़ा सकते हैं। बादलों से बिजली गिरने पर भी विद्युत आघात हो सकता है।

विद्युत आघात से बचाव के कुछ उपाय :

- भवन के विद्युत परिपथ में सही आर्थिंग करवाये। व समय समय पर इसकी जांच भी करें।
- भवन में अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर अवश्य लगवायें।
- विद्युत प्लग उंचाई पर लगायें ताकि छोटे बच्चों उसे छू ना सकें।
- विद्युत तारों के साथ टेलीफोन टीवी आदि के तार नहीं होने चाहिए।
- उंचे भवनों में तड़ित चालक लगाएं यंत्र लगवाएं व उनको चलानेका प्रशिक्षण भी कर्मचारियों को दे



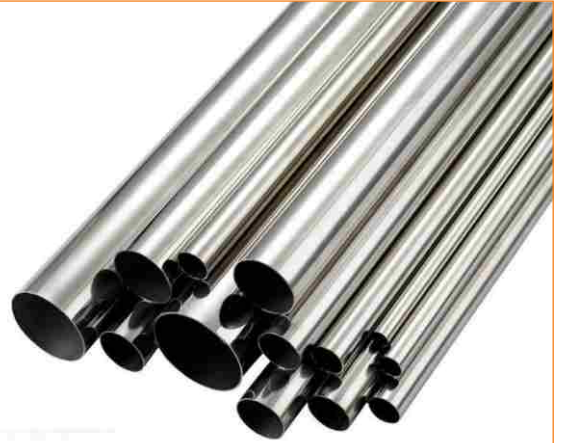


अन्यथा आपातकाल में उनका उपयोग नहीं हो सकेगा।

- यदि आपको विद्युत संबंधी जानकारी न हो तो विद्युत उपकरण व परिपथ से छेड़छाड़ न करें व खराबी होने पर प्रशिक्षित मैकेनिक को ही बुलाएं।
- चालू लाइन में काम करना हो तो विद्युत रोधी दस्ताने, जूते व उच्चकोटि के औजार व सुरक्षा उपकरण काम ले लें।
- बरसात के मौसम में पतंग नहीं उड़ाए विद्युत पोल व ताण आदि से दूर रहें।
- फाल्ट निकालने जाने से पहले लाइन बंद कर शट डाउन कर लेवे व एक कर्मचारी को साथ रखें जो आपातकाल में आपकी मदद कर सकें।

विद्युत आघात शॉक लगने पर उपचार

- अगर मेन स्विच नजदीक हो तो तुरंत विद्युत आपूर्ति बंद करें।
- अगर लकड़ी या प्लास्टिक स्टीक का डंडा या सूखी रस्सी हो तो आघात को विद्युत सम्पर्क से हटाने का प्रयास करें।
- विद्युत फिटिंग के लिए उच्च कोटि के उचित क्षमता के आईएसआई मार्क के ही उपयोग में लेवे।
- कोई भी व्यक्ति अघातित को बचाने के लिए सीधे उसके सम्पर्क में न आए।
- यदि आघात से कपड़ों में आग लग गई हो तो विद्युत आपूर्ति बंद कर पानी या कम्बल कोट, तोलियादि से लपेट कर आग बुझाएं।
- दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सीधा लेटाकर यदि श्वसन क्रिया बंद हो तो कृत्रिम सांस देने की क्रिया करे। मरीज के मुंह से अपना मुंह लगाकर फैंफडों में हवा भरे। (दोनों के मुंह के बीच में कोई पतला कपड़ा या रूमाल लगा सकत है। कृत्रिम रक्त सांचार के लिए हथेलियों से हृदय को पम्प करें। इसकी गति 60-70 प्रति मिनट होनी चाहिए। इसके साथ ही मरीज को शीघ्र ही अस्पताल ले जाएं।
- इस छोटे से आलेख में इस विषय पर विस्तृत जानकारी देना संभव नहीं है। फिर भी मैंने मुख्य जानकारी देने की कोशिश की है।



Mukesh Agarwal

CEO and MD

91 98290 21107

Suncity Strips Pvt Ltd.

Boranada Industrial area Jodhpur (Raj.)



Smart Metering :

A Vital Component of Smart Grid Technologies

- Er. P.C. Tiwari
Ajmer Discom

Smart Energy Meter records the usage of electrical energy and other parameters and communicates the data to the Meter Data Acquisition System or head end system which then utilised by DisComs for billing and other analytical purpose through Meter Data Management System. It also uses a Mobile Application for consumers for historical as well as real time energy usage analysis. The smart meter is an advanced energy meter that obtains information from the end users' load devices and measures the energy consumption of the consumers and then provides added information to the DisCom. Several sensors and control devices, supported by dedicated communication infrastructure, are utilized in a smart meter and can be used to connect/ disconnect the consumer supply in the event of non payment of energy bills.

It enables a two-way communication between the meter and the central system. Unlike home energy monitors, smart meters can collect information for remote reporting. This Advanced Meter Infrastructure (AMI) makes smart metering different from the traditional Automatic Meter Reading (AMR). These smart meters, with In-Home Displays (IHDs) will allow consumers to see and adjust in real time how much energy they are using.

Energy today is much more than a mere natural resource; it is considered as a geopolitical, economic and strategic resource. The world is also waking up to the realization that uncontrolled energy consumption can have adverse effects on the environment. With this as the backdrop, DisComs are facing serious challenges in trying to keep pace with the complexities and the challenges in the DisComs business.

Discoms are under pressure trying to deal with increased regulatory systems, intensifying competition, and

SMART ELECTRICITY METERING 2020 THE CURRENT STATE OF PLAY





informed and demanding consumers. In addition, DisComs needs to respond to the challenges of aging infrastructures and new technology. A combination of these factors has led to the development of a new distribution model, the smart grid that allows generators, suppliers and consumers to be integrated by intelligent control, monitoring and communication of energy consumption.

Advanced Metering Infrastructure

Advanced metering infrastructure (AMI) refers to systems that measure, collect, and analyze energy usage, and communicate with smart meter either on request or on a schedule.

AMI constitutes:

- Smart meters at consumer premises.
- Two way communication network between CC and end points.
- Meter Data Acquisition System or Head End System that will act as Front end to field devices and Meter Data Management System (MDMS)
- IT system comprising of Hardware and Software running MDMS located at the control centre.

AMI provide for:

- Remote meter reading
- Time-of-use energy registers.
- Customer time interval data
- Tamper / pilferage data.
- Remote connection and disconnection.
- Losses and theft detection.

Smart Meter Communication Network-Requirements:

- Transmit & Collect Data Reliably from each meter
- Ensure Data Security against threats of illegal access or information leakage
- Maintain & manage the communication network effectively and properly
- Continue running for a long time
- Construct & maintain at low initial as well as Total Cost of Ownership including maintenance cost of communication network






Functions of Smart Meter:

- Smart Meter measures 30 minute meter reading and transmit them to MDMS
- When 30-min reading is lost, MDMS check that communication with meter is recovered. Meter retransmits data in response to recollection request from MDMS
- Smart Meter that received setting & control request data for switch control and others from MDMS executes the requested process and transmits the result to MDMS.
- When Communication via communication network between MDMS & Smart Meter is not available, meter reading, setting & control can be performed directly by using hand held terminal on site
- Smart Meter deals with private consumers information, which requires assured security measures against the threats of illegal access, leaks or alteration of information and so on.
- O&M: To manage large scale network efficiently and accurately, smart meter automatically transmits facility management information to MDMS and to effectively improve the communication software of smart meters, the communication software is remotely updated using communication network.

The deployment of smart meters is fast gaining popularity world-wide. The shift to using smart meters is expected to revolutionize relationships between DisComs and their consumers.

The main advantages of using smart meters are:

- Smart Meter provide consumers with access to better information on their energy consumption to make informed decision. Consumers can be informed remotely or locally the historical data or real time data on energy cost. Centralized billing will occur at defined billing date & time . Billing, consumption information will be sent to customer on mobiles & emails.
- Allows for faster outage detection and restoration of service. Power Outage information will help to improve the reliability of supply.
- Smart Meters provide accurate billing. Store 30-minute interval data. No longer need to send meter reading to Discom or let Meter Readers into their homes to receive accurate bills
- Smart Meters provide support for a range of time of use tariffs. Multi tariff functions can be added to allow demand response techniques.
- Allowing electrical appliances to be automatically controlled or allowing consumer to reduce cost by increasing energy consumption during off-peak cheaper tariff periods.
- Smart Meters ensure that consumers can continue to use metering system in pre-payment or credit mode and prepayment functionality is standardised.
- Smart Meter support for micro-generation/ DER use by net metering functionalities.
- Smart Meter ensures that metering systems are operated securely and with sufficient safeguards concerning the delivery of data access and privacy policy framework
- Smart Meter is an enabler for energy management : empowering consumers to save & manage their energy consumption.



- Real Time tracking of energy usage using in-home display screen & see how much cost of energy being used. Same can be accomplished using Mobile App online.
- Can see How much energy has been used in last hour, day, week or month to understand how they can cut down their energy usage & save money.
- How much energy being used at which part of the day which can be used to create more accurate tariff that will help consumer to save money and use energy more efficiently.
- Avoiding hike in energy prices due to reduction in AT&C losses.

Benefits of Smart Metering to DISCOMs

- Billing Efficiency shall improve.
- Expected Net increase in sold units and revenue gain
- Increase in Collection Efficiency due to Remote operation for DC/RC and to collect arrears.
- Increase in sanctioned load of consumers resulting in more revenue.
- Improvement of Power Factor due to measurement of PF.
- Near Real time consumption check by consumer for better demand side management and load curve flattening
- Automatic meter reading and bill generation of consumers avoiding human interventions and errors.
- Accurate Data will enable to receive Government subsidy.
- Savings of expenditures being incurred for meter reading and reading feeding/ punching into system .
- Enable dynamic pricing/ ToD/ ToU tariffs.
- Tool for close loop energy auditing to identify AT&C losses & for corrective measures feedback .
- Timely alert notification for theft attempt by consumers .
- Reduction in CAPEX - Alert notification / reports helps to avoid overloading of transformers /feeders.
- Effective load Management , Peak load & demand side management and help for balancing electric loads while reducing blackouts.
- Monitoring of quality of power supply in real time.
- Enabling decision making based on data/alerts



Effective Monitoring of feeder/ DT supply, visualisation, Monitoring of interruption

- Enabling MIS reports & Energy audits
- Fault detection, location & analysis
- Prepayment/ Net-metering facility can be implemented with same infrastructure. Smart Meter encourage more efficient use of power resources and allow inclusion of DERs in system.
- Avoids capital expenses of installing new power plants by optimising the profit with existing resources.

Benefits of smart prepayment to DisComs

- All the financial transaction carried out at server end.
- Faster & smooth implementation of tariff changes, Government Duty changes.
- Fast & smooth change in Holidays, Happy hours.
- Changes possible to implement at mass level on same time.
- Better Inventory control - Same meter can be configured as postpaid or pre-paid based on customer choice.
- Faster implementation of any rebate or discount scheme during festivals & benefit can be passed to all customers.
- Two way communications ensure proper monitoring of customer load pattern without even visiting the customer premises.
- Better Revenue Protection - Immediate intimation of tamper & fraud & enable control based on particular condition.
- Possible to provide Single bill for multiple meter locations – Single owner of multiple locations.
- Possible to do simultaneous charging of multiple meter especially in case of Government departments, Schools.
- Enables utility to provide various value added features to his consumers like SMS alerts of Charging, Low Balance, and Excess load limit.
- Enables utility to generate bills of all consumers on single day.
- Enables utility to generate bills of even pre-payment customers.
- Enables utility to enhance sanctioned load limit of temporary connections instantly.
- Less operational cost - Enables utility to do the settlement without removing the meter.
- Connection & disconnection can be done remotely.
- Enable Utility to integrate their payment method with all modern payment options like PayTM , Bill desk, Credit Cards , ITZ cash Card.

Prepayment Functionality in Smart Meters

- 1) No tariff in Meter
- 2) No token transfer
- 3) No balance calculation in meter
- 4) Billing Engine will run at MDM at utility Revenue Management System , payment will be credited at customer account in Server (MDM/RMS)
- 5) Balance deduction will happen on basis of collected meter data i.e energy values
- 6) Below Parameters will be updated in meter –
 - Total amount at last recharge
 - Current balance amount
 - Current balance time

Above parameters display on meter is option, IHD & consumer app can be used to show these parameters

Smart Meter Benefits to Consumer-Pre-paid mode

- Easy charging – No need to punch 20 to 140 characters manually.
- No Need to track sequence of charging mistake – As charging in online so no chance of mistake in entering



the token.

- Re Charging can be done online and with any payment option.
- SMS & Email alert on low balance, Credit exhaust, Change in Tariff.
- Single Bill for all his establishments, Offices, House.
- Instant & Uniform benefits of Government rebates & discounts.
- Possible to see his load pattern on smart phones

Environmental benefits:

With advanced control and communications, peak load diminution and the amount of energy supplied will be possible. This will, in turn, reduce unnecessary energy consumption and reduce CO2 emissions. Smart metering will also aid in effectively integrating renewable energy sources such as solar panels and windmills.

Health Hazards:

There are health hazards that are caused by wireless radiation, especially to those individuals who have metal in their bodies. Most health concerns about the meters arise from the pulsed radiofrequency (RF) radiation emitted by wireless smart meters.

Cyber Security :

Smart meters can lead to data misuse, as it discloses the behavior of consumers inside their residences, and this can be exploited by unauthorized users. Hence, there is a need to formulate and implement adequate cyber and privacy regulations.

The DisComs are grappling with operational issues, namely inefficient processes, manual procedures and outdated technology. There is a growing need to reduce operational costs, increase customer retention, optimize load management, enhance meter data management and meet regulatory demands.

DisComs had to face increased competition due to the de-regulation/ de-licensing of retail DisCom markets and may struggle to maintain their consumer base. In addition, consumers are more informed and demanding and expect rapid issue- resolution, improved consumer service and accurate billing. Excellent business processes are fused with consumer-first Customer Relationship Management (CRM) strategies such as proactive communications and user-friendly technologies.

To remain viable and strong, future-proof business processes are an absolute requirement for DisComs and this is especially so with respect to the Meter-to-Cash process.

Another advantage of smart meters that benefits both customers and the utility is the monitoring capability they provide for the whole electrical system. As part of an AMI, utilities can use the real-time data from smart meters measurements related to current, voltage, and power factor to detect system disruptions more quickly, allowing immediate corrective action to minimize customer impact such as blackouts. Smart meters also help utilities understand the power grid needs with more granularity than legacy meters. This greater understanding facilitates system planning to meet customer energy needs while reducing the likelihood of additional infrastructure investments, which eliminates unnecessary spending or energy cost increases.

Government agencies and DisComs are turning toward advanced metering infrastructure (AMI) systems as part of larger "smart grid" initiatives. AMI extends automatic meter reading (AMR) technology by providing two-way meter communications, allowing commands to be sent toward the home for multiple purposes, including time-based pricing information, demand-response actions, or remote service disconnects. Managing smart metering services is a challenging and expensive operation but can deliver significant advantages if done effectively.

The network between the Smart Energy Meter and DisComs revenue management systems allows the collection and distribution of information to consumers, DisComs and other agencies. This enables these businesses to participate in demand response services. Consumers can use the information provided by the system to change their normal consumption patterns to take advantage of lower prices. Pricing can be used to curb the growth of peak demand consumption. AMI differs from traditional automatic meter reading (AMR) in that it enables two-way communications with the meter.



In the revamped Distribution Sector Scheme: A reforms based and results linked scheme launched on 20th July, 2021, financial support for pre-paid smart metering and system metering. Prepaid smart meters including System metering with communication features are important interventions in reducing Distribution Losses in DisComs and in facilitating automatic measurement of energy flows and energy accounting as well as Energy Auditing without any human intervention. This intervention will also facilitate switchover to digital pre-paid system with recharging facility through mobile phones and enabling of time of day tariff

In order to attain the key objective of loss reduction in electricity distribution, the scheme envisages providing funding through Gross Budgetary Support for the installation of prepaid smart meters under TOTX (CAPEX plus OPEX) pattern and in a mission mode in the first phase in

- (i) All the Electricity Divisions of 500 AMRUT cities with AT&C losses >15%
- (ii) all Union Territories
- (iii) MSMEs and all other industrial and commercial consumers
- (iv) all Government offices at Block Level and above
- (v) other areas with high losses

Pre paid smart metering shall be taken up by the respective DisComs in a phased manner subsequently.

Looking at the scattered nature of agriculture connections and their remoteness from the habitations; as well as their proposed solarisation under KUSUM; the smart meters need not be installed in Agriculture connections.



BIOMASS FUEL FOR POWER PLANT

In the agriculture belt of Rajasthan and Haryana the crop residue being of no use is burnt in the open fields. This causes great hazard to the environment by enormous amount of pollutants being generated and dissolved in the air, thus badly influencing the air quality. Such situation further leads to many health hazards.

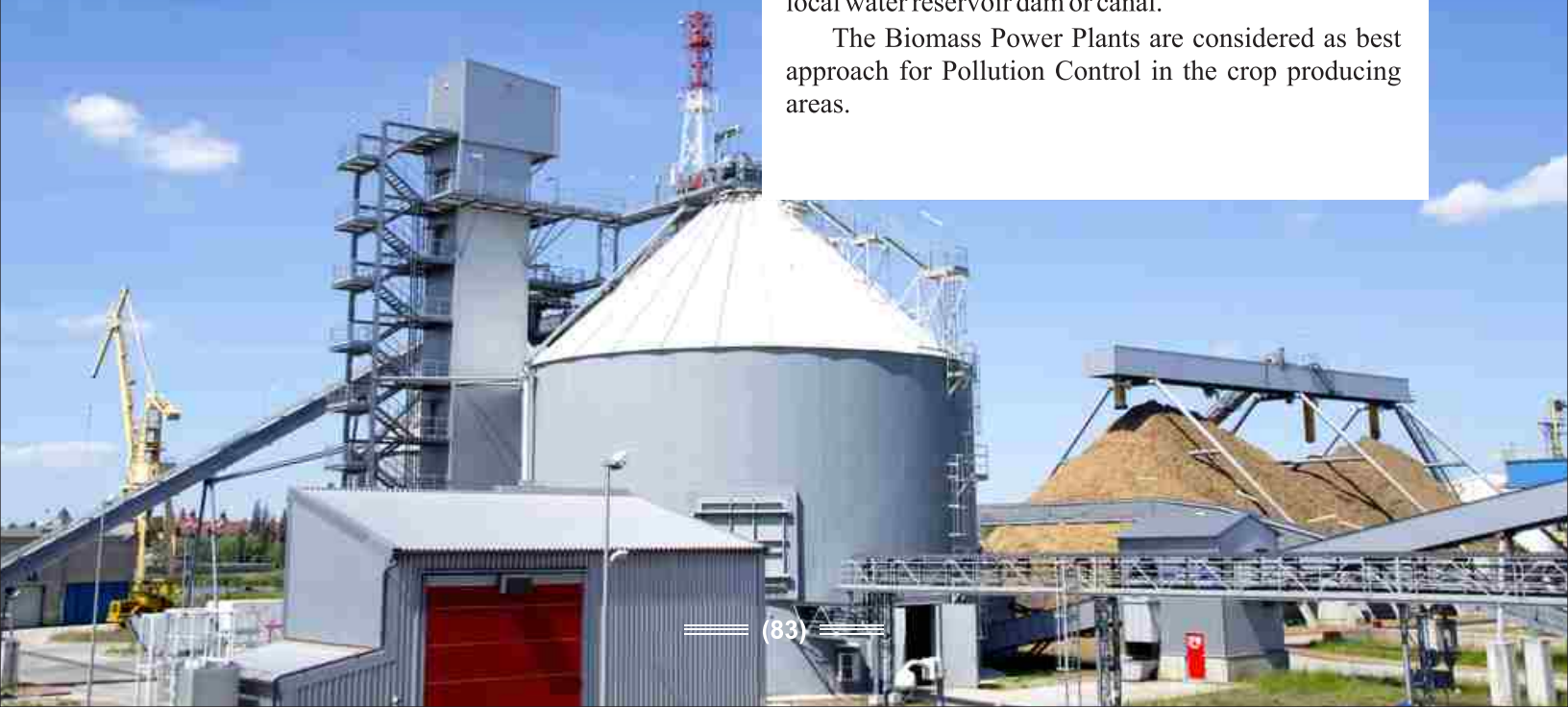
To utilize this crop residue termed as Biomass a technology was developed to utilize it as a fuel for Power generation. The main Biomass fuels used in Power Plants are-

1. Mustard Crop residue
2. Guar Crop residue
3. Rice husk
4. Cotton Crop residue
5. Julieflora
6. Eucalyptus

All these Biomass has good Calorific Value and on burning gives very good amount of heat. These fuels are burnt in a specially designed Boilers and the heat so generated is utilized to produce steam. The fuel is fed to the Boiler through travagate fuel feeding system. The Biomass fuels, since collected from the agriculture fields, contains high soil particles, hence the same is passed through soil separators so as to avoid further jamming in Boiler. The Biomass fuels also has tendency of moisture absorption, hence the stored fuel heaps are covered by appropriate plastic covers, to avoid moist fuel in Boiler so as to maintain uniform temperature in Boiler.

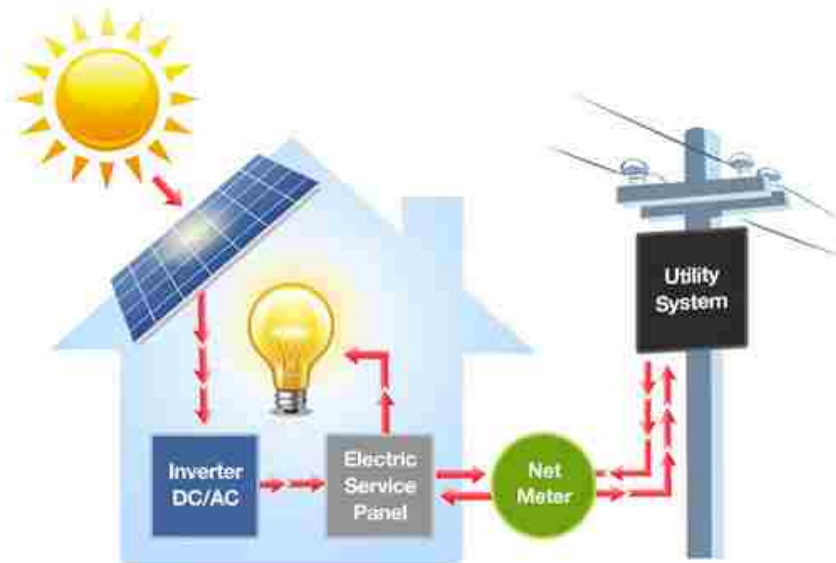
These Power Plants are established generally very near to the area of crop production to reduce the transportation of fuel and also to avoid pollution during transportation. Also the location of Plant is selected near the continuous availability of water either from some local water reservoir dam or canal.

The Biomass Power Plants are considered as best approach for Pollution Control in the crop producing areas.





Purpose & Benefit of ROOF TOP SOLAR PLANTS & NET METERING



To promote green energy & development of rooftop & small solar photo voltaic systems in the state RREC has framed RERC Net metering regulation 2015. The biggest advantage of installing rooftop solar plants is that they offer cost saving for building owner help in cutting down electricity bills & return on investment within 4-5 years with interest & low maintenance cost. Non contaminating solar energy dose not emit toxic substances on contaminants in to air & solar energy dose not generate waste.

Benefits by adjustment of solar generation self consumption & units exports to grid in bill during billing period.



Example for billing period.

- I. In case of import units is more than unit exported in a billing period
 - i. Net unit imported from discom 1000 unit
 - ii. Net units exported to grid 600 unit

Through net meter.

Net electricity bill for payment = $1000 - 600 = 400$ Unit

As per slab rate of tariff.

- II. In case of net exported unit to grid more than the unit imported from discom.

- i. Net import unit during billing period 400 unit
- ii. Net exported unit to grid during billing period 600 unit

Net electricity bill for payment NIL

Other than fix charges, E-D & urban cess & fuel surcharge.

Amount for excess units exported in grid $(-) 200 \times 3.14$

During billing period as per current rates = Rs 628

Prescribed by RERC for only domestic consumers

In this case Rs 628 is creditable for particular billing period only in case of domestic connection.

No amount is creditable in case of consumers other than domestic category in case of excess units net exported to grid.

Benefit of net metering is allowed only up to solar generation of sanctioned solar plant 4.8 unit per KW per day for billing period & generation more than 4.8 unit per KW per day for billing period will be laps.

Recently on dated 30/06/2021 order issued for charging of Electricity duty on consumption of self generated energy @ Rs 0.60 per unit causes increase in pay back period of investment.

Hence proposed solar plant capacity under net metering should be assessed on average monthly consumption for respective category to get maximum benefit of net metering & early return on investment.

B.P. Mathur

Retd Assistant Engineer
Jodhpur Discom & Solar Consultant



ASSET MANAGEMENT

- Rajeev Gour
CMD (GEPDEC)

- (1) Background: Conventionally, the power sector has largely relied on time- and condition-based approaches to maintain its assets but its becoming more obvious that these approaches aren't always effective. Now its high time to move an Artificial Intelligence (AI)-enabled asset management platform to monitor, manage and maintain multi-component assets efficiently and leverage AI for detecting anomalies at scale, proactively preventing breakdown
- (2) The bigger goal is however a four-phased strategy - asset management; asset performance using advanced analytics, AI, ML and Deep Learning; and asset lifecycle management by syncing up with OEMs for design risk - all of which will culminate into output investment planning with a high level of technology support and investment
- (3) PURPOSE :THE PURPOSE OF THE ASSET MANAGEMENT OF TRANSMISSION NETWORK IS TO TURN THE ASSET INTO A REVENUE SYSTEM AND MAINTAIN THEIR RELIABILITY, AND CONTINUOUS OPERATION
- (4) Objective:
 - (i) 2 type of Asset (i) Transmission Line (ii) Substation
 - (ii) To keep all elements (Line and Sub Stations) availability more than 99.97% with Smart organization and minimum O&M cost, Leveraging the Locations and Voltage Level.
 - (iii) Minimum Operation failure to increase the revenue
 - (iv) ASSET DATA
 - (iv) Strengthen the on field survey and modification & improvement of existing design, if required

Asset Data – data and management system integrity to support high quality and timely decision making



ASSET MANAGEMNT FRAMEWORK

ASSET DATA

MAINTENANCE
MANAGEMENT

CONDITION
ASSESSMENT

RISK
MANAGEMNT

Maintenance Management – policy and plans to minimise unit cost while providing the longest efficient asset life

Condition Assessment – understanding the lifecycle of each asset in order to provide the basis for effective life cycle decision making

Risk Management – response to asset deterioration, based on a sound understanding of risk and failure consequence.

FMEA -ANALYSIS

International Data Corporation data states that monitoring performance and scheduling repairs with predictive maintenance alone can reduce costs by 15%-20%, improve asset availability by 20% and extend the lives of machines by years.



ZOHO Marketplace



ASSET MANAGEMENT ACTIVITIES

ACTIVITY

ACTION REQUIRED

BEST PRACTICES

We shall do analysis of (i) Design (ii) O&M (iii) Process

We shall depute our Transmission line & Substation expertise for these analysis as per international standard

NDT shall be adopted for assessing the Tower structure & Foundation condition for Line and substation

We shall adopt sampling method as per Best practices as per project requirement

We shall adopt ISO:31000 practices for the entire Projects and this will be our references. As this kind of Projects has been implemented

FIRST TIME IN INDIA BY ANY PRIVATE TRANSMISSION LINE DEVELOPER.

VISUAL INSPECTION & DATA ANALYSIS

- We shall do Manual survey in normal terrain
- We will use Drone based survey to assess the Tower & Conductor conditions for the portion, specially which is not accessible in the hilly terrain
- Deep Analysis of data captured through advance Data analytics
- Identifying the Risk and codifying of risk through pictorial representation

NDT ANALYSIS

- We will do NDT and DT analysis on whole Asset, which includes Transmission line and substation
- Tied up with NDT/DT Lab, with trained engineers

OPERATION & MAINTENANCE

- ensuring that the Project is operated and maintained in accordance with the Indian Electricity Grid Code (IEGC) / State Grid Code (as applicable), Transmission License, directions of National Load Despatch Centre / RLDC / SLDC (as applicable),
- Scheduled & Unscheduled Outage : we shall ensure that Owner shall carry out the maintenance in *minimum time schedule* in line with the provisions of the Grid Code and planning

DESIGN & ENGINEERING REVIEW

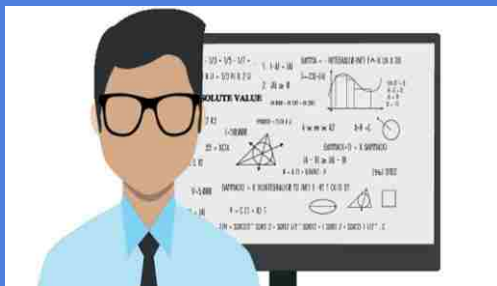
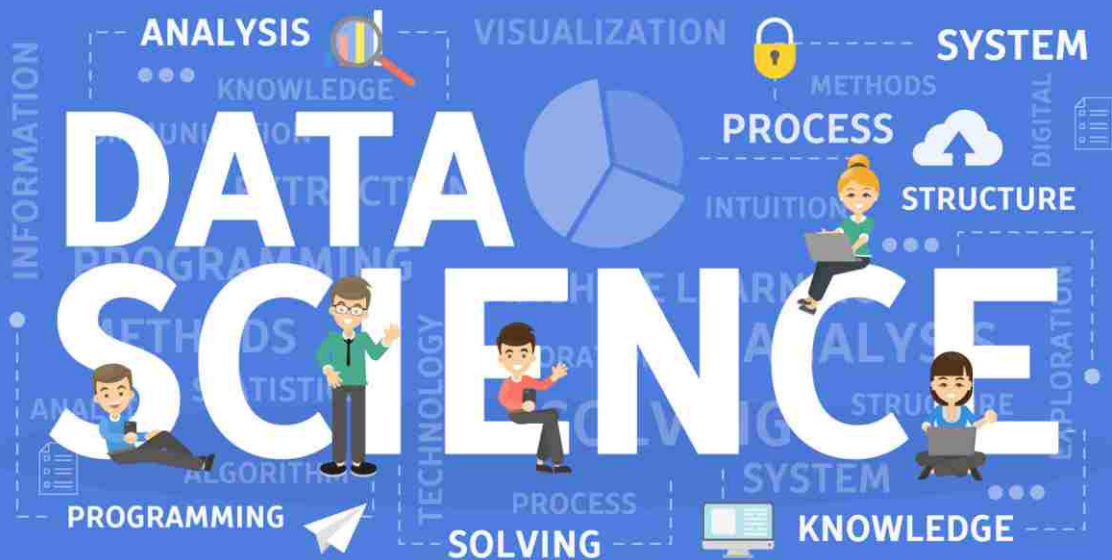
- Design & Engg. Review shall be done by our Transmission line & Substation expert
- Various substation Equipment Parameters studies to be carried out as per Indian and International standards

ISO 31000

- We shall adopt ISO 31000 practices as per international standard



What is Data Science?



Data science continues to evolve as one of the most promising and in-demand career paths for skilled professionals. Today, successful data professionals understand that they must advance past the traditional skills of analyzing large amounts of data, data mining, and programming skills. In order to uncover useful intelligence for their organizations, data scientists must master the full spectrum of the data science life cycle and possess a level of flexibility and understanding to maximize returns at each phase of the process.



Therefore, Data science in simple words can be defined as an interdisciplinary field of study that uses data for various research and reporting purposes to derive insights and meaning out of that data. Data science requires a mix of different skills including statistics, business acumen, computer science, and more.

The Data Science Life Cycle:

The image represents the five stages of the data science life cycle:

Capture, (data acquisition, data entry, signal reception, data extraction);

Maintain (data warehousing, data cleansing, data staging, data processing, data architecture);

Process (data mining, clustering/classification, data modeling, data summarization);

Analyze (exploratory/confirmatory, predictive analysis, regression, text mining, qualitative analysis); **Communicate** (data reporting, data visualization, business intelligence, decision making).



So why do businesses need Data Science?

We have come a long way from working with small sets of structured data to large mines of unstructured and semi-structured data coming in from various sources.

The traditional [Business Intelligence tools](#) fall short when it comes to processing this massive pool of unstructured data. Hence, Data Science comes with more advanced tools to work on large volumes of data coming from different types of sources such as financial logs, multimedia files, marketing forms, sensors and instruments, and text files.



What are the applications of Data Science?

10 APPLICATIONS OF DATA SCIENCE CONCEPTS

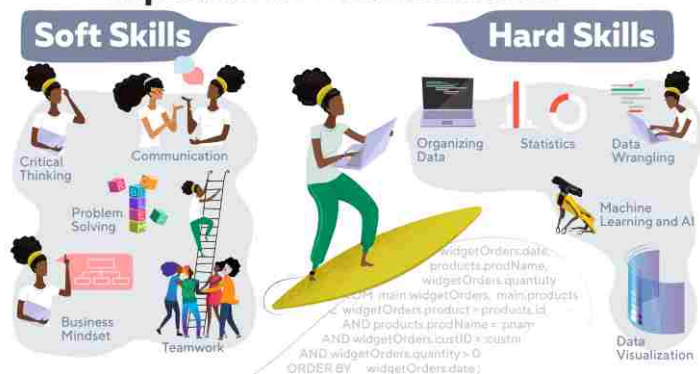


Now who studies Data science? A Data Scientist.

So who is a Data Scientist and what is their work?

A data scientist identifies important questions, collects relevant data from various sources, stores and organizes data, decipher useful information, and finally translates it into business solutions and communicate the findings to affect the business positively. Apart from building complex quantitative algorithms and synthesizing a large volume of information, the data scientists are also experienced in communication and leadership skills, which are necessary to drive measurable and tangible results to various business stakeholders.

Top Skills for Data Scientists



References :

<https://www.oracle.com/in/data-science/what-is-data-science/>,

<https://www.datarobot.com/wiki/data-science/>

Images : Google

(<https://www.sharda.ac.in/blog/decoding-the-role-of-data-science-and-data-scientist>

[/https://careerkarma.com/careers/data-science/](https://careerkarma.com/careers/data-science/))

Check out more blog posts on 5 MINUTE TECH -

<https://5minutetech.blogspot.com/>



SHUBHANI MATHUR

Pursuing BTech Computer Engineering



FIXED FOCUS FULLY TRACKED 60 sq.m PARABOLOID DISH WITH HEAT STORAGE

B K Jayasimha

India is a country blessed with ample of sun light. It is also a homeland of many great saints and spiritual organizations. Sun connects people with spirituality as they worship him as Surya Devataynamaha.

Brahmakumaris, a socio-spiritual organization with international foot prints over 135 countries all over the world teaches Meditation and Moral, Spiritual Values in day today life for all. The Organization headquarters is situated in the lush green laps of Aravali hills, Mount Abu Rajasthan.

Brahmakumaris, together with its daughter organization the World Renewal Spiritual Trust (WRST), have been actively involved in the research and demonstration of alternative renewable energy concepts for more than 18 years. Since early 1990's, the WRST developed and successfully demonstrated various applications in the field of solar energy for institutional use, like Solar steam cooking systems, Solar Sterilization, and laundry system, which were further widely replicated by other organizations in India. So far, across India, the



Paraboloid Dish



WRST has installed 6 large steam cooking systems, more than 1.2 MW peak stand-alone solar PV power systems and approx. 50,000 litres/day solar hot water systems at the headquarters. With the help of wide firsthand experience & applied research in the field of Concentrating Solar heat technologies, presently WRST is executing "India One" Solar Thermal Power Plant with various Innovative features. This R&D project is supported by MNRE, Government of India and BMU Government of Germany through GIZ.

Space frame design for optimum steel usage/sq.m

The 60 sq.m Paraboloid Reflector is structurally designed based on light weight space frame analysis. This structurally optimized design requires steel material of about 50 kg/m² of reflector area. The Reflector is designed taking into consideration the local availability of the material and the ease of fabrication for large scale manufacturing. Currently, 770 such reflectors are being manufactured at the "India One" Solar thermal power plant at Abu road, Rajasthan, with the optimum productivity and highest quality.

Fully automatic dual axis tracking mechanism

In order to synchronize the Reflector rotation with the sun (Daily Tracking) and to achieve various shapes in the same structure in an accurate manner (Seasonal Tracking and shape change Tracking), automatic dual axis tracking is achieved with the help of optical camera for sensing the bright pixels at focus, sensors, microprocessor and electromechanical actuators. The tracking is developed in such a way that it considers real focus position as a result of reflection rather than calculated or measured sun position. The tracking mechanism is network enabled, can be remotely monitored and has communication capabilities. The details are as follows:

Daily tracking

The Reflector automatically tracks the sun from morning 8.00 am to evening 5.00 pm from East to West direction with accuracy of 0.1 degree maintaining sharp static focus at the focal point. This is achieved with the help of camera installed at the centre of Reflector parallel to the axis of rotation of the Reflector. The camera generates the image of the focus which then sends to the processor for image processing for the position of the focus. Mechanically it is run with rack and pinion arrangement powered by DC motor.



Key Features

STATIC FOCUS

The Paraboloid reflector is a lateral section of bigger parabola and designed in such a way that it rotates along with polar axis and maintains the focus in a static position. This key feature of the reflector enables to integrate a decentralized storage at focus and avoids high pressure moving joints.

Seasonal and shape change tracking

In order to achieve flexible parabolas for each day of the year, the Reflector has to perform inclinations with respect to the sun position in the north-south plane, we call it seasonal tracking. Also, the reflector has to undergo deformation in shape like deeper parabola for winter and flatter parabola for summer in order to maintain the static focus, we call it shape change tracking. This is achieved with the help of electromechanical actuators powered by DC motors (Figure1).



Reflective surface area

The 60 sq.m reflective surface is the result of in-house developed curved mirrors. Special Solar grade mirrors with 93 per cent reflectivity are used as reflectors. The curvature of the mirrors is achieved through sandwich process by using special low viscous, fast curing two component silicon glue that is also UV resistant and is suitable for external weather conditions. Each 60 sq.m reflector accommodates around 750 curved mirror pieces and have 16 number of different curvatures that makes perfect parabola shape of the reflector.

Reflector thermal output

Each 60 sq.m Paraboloid Reflector with automatic dual axis tracking mechanism delivers Peak thermal output of about 3.25 kWh/m²/day at focal point. Thus the Reflector efficiency under ideal conditions reaches up to 60 per cent at focal point. The concentration ratio with respect to the reflector area is 1:350 and the stagnation temperature at the focal point reaches up to 1200 °C (Refer Graph in Figure 2).

Decentralized Thermal Storage for Round the Clock Operation

Thermal energy storage plays a vital role into harnessing the solar energy effectively. As the DNI peaks up at noon hours, thermal energy storage acts as a buffer between production and consumption. Moving forward from this basic requirement WRST developed a unique thermal storage that can cater the user round the clock by using cast iron cavity receiver that has high energy density and high specific heat and long lifecycle.

Design

The indigenous static cast iron cavity Receiver is placed at the focal point of the Paraboloid Reflector in line with the axis of rotation of the Reflector (Figure 3). The conical cavity is designed for perfect black body absorption.

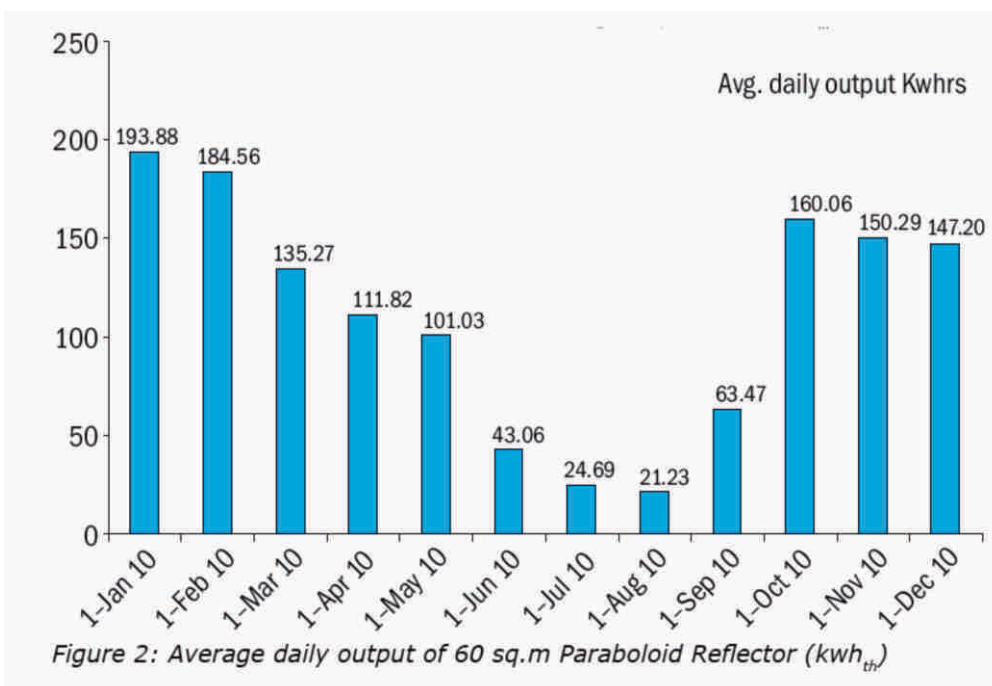
Thermal energy delivered by the Reflector is absorbed by the solid cast Iron metal around the cavity, thus provides excellent thermal storage. The heat exchanger coil is tightly wound around the solid cast Iron body that improves heat transfer through surface contact. This mechanism allows direct steam generation when water is pumped into the coil. The result is superheated steam of range up to 400 °C round the clock.

Insulation

The cavity opening of the Receiver is sealed with clear quartz glass to avoid convective losses through the cavity during the day. Automatic front door is designed in such a way that it closes the cavity opening in the evening and night to avoid overnight thermal losses. The rest of the Receiver body is insulated with high density ceramic fibre and glass wool layers to further reduce the thermal losses.

Receiver Output

The static cast iron cavity Receiver deliver peak output of @150 kWhrs/day of thermal energy. The peak temperature of steam generated is 400 °C at 42 bar pressure under ideal sunny day thus delivering superheated steam as well as saturated steam. The receiver is designed for 25 years lifespan and has high residual value even after the lifecycle.





Applications

The Reflector and the Receiver storage can be used in various industries for wide range of applications. The storage enables the system to cater load energy requirements during non-solar hours. The use of reliable and high temperature storages expands the applicability of solar thermal systems to the critical applications which run round the clock. The 60 sq.m dish can deliver steam in temperature range from 100 °C to 400 °C, in both saturated and superheated conditions.



*The author is CEO of India One Solar Thermal Power Plant at
Brahma Kumaris in Mount Abu, Rajasthan
E-mail: bkjsimha@yahoo.co.uk*



विद्युत उपभोक्ताओं के आधिकार (नियम, २०२०)

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा
'विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार)
नियम, २०२०'
को अधिसूचित किया गया है,
जो देश में उपभोक्ताओं को विद्युत
की विश्वसनीय एवं निरंतर आपूर्ति
तक पहुँच की सुविधा प्रदान करेगा।

इंजी. येवन्ती कुमार बोलिया



अधिकार और दायित्व :

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, किसी परिसर के मालिक या पट्टेदार द्वारा किये गए अनुरोध पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रत्येक वितरण लाइसेंसधारी का उत्तरदायित्व होगा।

नए कनेक्शन जारी करना और मौजूदा कनेक्शन में संशोधन :

पारदर्शी, सरल और समयबद्ध प्रक्रियाएँ। आवेदक के लिये अश्वनलाइन आवेदन का विकल्प। - चिह्नित क्षेत्रों में नए कनेक्शन प्रदान करने और मौजूदा कनेक्शन को संशोधित करने हेतु मेट्रो शहरों में 7 दिन और अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में 15 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 30 दिनों की अधिकतम अवधि।

विद्युत मीटर से जुड़े प्रावधान :

कोई कनेक्शन बगैर मीटर के नहीं दिया जाएगा। सभी मीटर स्मार्ट प्रीपेमेंट मीटर या प्रीपेमेंट मीटर होंगे। मीटरों के परीक्षण का प्रावधान।

बिलिंग और भुगतान :

एक उपभोक्ता के पास बिल का भुगतान करने के लिये ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम का विकल्प होगा। बिलों के अग्रिम भुगतान का प्रावधान।

आपूर्ति की विश्वसनीयता :

वितरण लाइसेंसधारी को सभी उपभोक्ताओं को 24 x 7 बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। हालाँकि कृषि जैसे उपभोक्ताओं की कुछ श्रेणियों के लिये आपूर्ति के कम घंटे निर्दिष्ट किये जा सकते हैं। वितरण लाइसेंसधारी को विद्युत कटौती की निगरानी और पुनर्बहाली के लिये एक तंत्र (जहाँ तक संभव हो स्वचलित) की स्थापना करनी होगी।

प्रोभोक्ता या उपभोक्ता (Prosumer) के रूप में उपभोक्ता :

एक प्रोभोक्ता या प्रोज्यूसर (Prosumer) वह व्यक्ति है जो उपभोग के साथ-साथ उत्पादन भी करता है। - इस स्थिति में एक कन्ज्यूमर अपने उपभोक्ता होने के दर्जे को बनाए रखेंगे और उनके पास एक सामान्य उपभोक्ता के बराबर अधिकार होंगे परंतु उन्हें छत पर सौर



ऊर्जा उपकरण के साथ नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन इकाइयों को स्थापित करने का भी अधिकार होगा।

लाइसेंस के प्रदर्शन मानक :

वितरण लाइसेंसधारियों के लिये प्रदर्शन के मानकों को अधिसूचित किया जाएगा। प्रदर्शन के मानकों के उल्लंघन की स्थिति में वितरण लाइसेंसियों द्वारा उपभोक्ताओं को मुआवजा राशि देने का प्रावधान।

मुआवजा तंत्र :

उपभोक्ताओं को स्वचालित मुआवजे का भुगतान किया जाएगा, जिसके लिये मानकों के प्रदर्शन की निगरानी दूरस्थ रूप (Remotely) से की जा सकती है।

उपभोक्ता सेवाओं के लिये कॉल सेंटर :

वितरण लाइसेंसधारी को एक केंद्रीकृत 24 X 7 टोल-फ्री कश्चल सेंटर स्थापित करना होगा। लाइसेंसधारी एक एकीकृत दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिये सभी सेवाओं को एक सार्वजनिक 'ग्राहक संबंध प्रबंधन' (Customer Relation Manager & CRM) प्रणाली के माध्यम से प्रदान करने का प्रयास करेंगे।

शिकायत निवारण तंत्र :

'उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम' में उपभोक्ता और प्रोजेक्टर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसे बहु स्तरीय बनाकर आसान कर दिया गया है और उपभोक्ता के प्रतिनिधियों की संख्या एक से चार कर दी गई है। लाइसेंसधारक उस समय को निर्दिष्ट करेगा जिसके भीतर विभिन्न स्तरों पर फोरम द्वारा अलग-अलग प्रकार की शिकायतों का समाधान किया जाना है। शिकायत निवारण के लिये अधिकतम 45 दिनों की समयावधि निर्दिष्ट की गई है।

श्रीजा

Pioneer in Solar Installation

Shrija Power Tech

Go Green With Solar

200+ Projects
INC & EPC of
40 MW Completed.

Domestic Solar Installation

Commercial Solar Installation

Industrial Solar Installation

FOR ENQUIRY :: 9829144076, 7976291643, 9664463558
Modi Bhawan, Near Akshay Hotel
Rai ka Bag, Jodhpur- 342006 (Raj.)

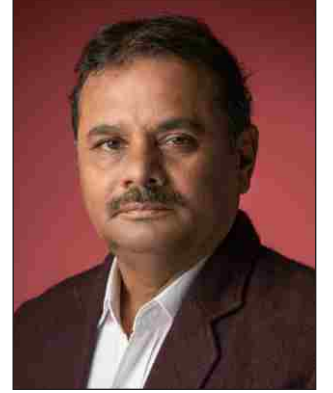


विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत विनियामक आयोग ने दिये अधिकार

अनभिज्ञता के कारण उपभोक्ता लाभ से वंचित

लियाकत अली

सचिव उपभोक्ता मार्गदर्शन समिति उमस जोधपुर
पूर्व सदस्य राज्य उपभोक्ता आयोग राजस्थान जयपुर



विद्युत उपभोक्ताओं को राजस्थान राज्य विद्युत विनियामक आयोग ने अपार अधिकार दिये हैं परन्तु, जागरूकता के अभाव में विद्युत उपभोक्ता दिये गए अधिकारों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। प्रायः यह देखने में आता है कि विद्युत उपभोक्ताओं को यह जानकारी ही नहीं होती है कि नियामक आयोग ने उनके अधिकारों की रक्षा के लिये क्या क्या कदम उठाये हैं तथा वे विभिन्न परिस्थितियों में विद्युत वित्त कम्पनियों के समक्ष क्या दावा कर सकते हैं।

अक्सर विद्युत उपभोक्ताओं के समक्ष विद्युत विभाग से सामान्यतया निम्न प्रकार की शिकायतें आती हैं जो प्रमुख रूप से इस प्रकार हैं -

- गलत बिलिंग - बकाया की वसूली - दोषपूर्ण मीटर - जला हुआ मीटर - आपूर्ति में व्यवधान - आपूर्ति में लयबद्धता - आपूर्ति वोल्टेज संबंधी शिकायत । सर्विस में कमी - नया कनेक्शन प्रदान करने में देरी - पुनः कनेक्शन । संबद्ध भार में परिवर्तन - कनेक्शन का स्थानान्तरण -





अन्य सामान्यतः विद्युत उपभोक्ताओं के समक्ष उपरोक्त प्रकार के विभिन्न समस्याओं से सामना होता रहता है परन्तु, कई बार देखने में आता है कि अभोक्ता जानकारी के अभाव में की किस समस्या के समाधान के लिये कहाँ जाकर संपर्क करना है जिससे समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से हो सके परन्तु, उपभोक्ता की अज्ञानता उसे भटकने पर मजबूर कर देती है।

उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम।

राजस्थान राज्य विद्युत विनियामक आयोग ने विद्युत अधिनियम 2003, की धारा 181 आर.और एस. सपठित धारा 42 की उपधाराएं 5 से 7 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिये कई कदम उठाये हैं तथा समय समय पर उन्हें संशोधित भी किया है परन्तु, ऐसा लगता है कि प्रचारप्रसार के अभाव में उपभोक्ता तक लाभ नहीं पहुँच पा रहा है। आयोग ने विद्युत उपभोक्ताओं के लिये निम्न प्रमुख विनियम बनाये हैं जिसका लाभ लेकर उपभोक्ता अपनी समस्या का समाधान कर सकता है जो इस प्रकार है

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, विद्युत लोकपाल और उपभोक्ता पक्षकारी विनियम 2021 के अन्तर्गत उपभोक्ता की शिकायतों के निवारण के लिये आन्तरिक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, कॉर्पोरेट, वजोनल स्तर पर शिकायत फोरम व विद्युत लोकपाल की स्थापना की गई है। 1 आन्तरिक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ वितरण अनुज्ञापिधारी द्वारा शिकायतों को समय पर निवारण करने के लिये आन्तरिक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन करना होगा आईजी आर प्रकोष्ठ का गठन उपखंड, खंड एवं वृत्त जिला स्तर पर किया गया है। आईजीआर प्रकोष्ठ में दर्ज शिकायतों का निस्तारण 30 दिवस की अवधि में करने के निर्देश दिये गये हैं। उपखंड स्तर पर गठित प्रकोष्ठ 20000 ₹ तक मौद्रिक मामलों की सुनवाई कर सकता है इसी तरह खंड स्तर 50000 ₹ व वृत्त स्तर पर 500000 ₹ तक के मामलों का प्रस्तुत किया जा सकता है। कोई भी विद्युत उपभोक्ता निर्धारित प्रपत्र व अवधि में आईजीआर में अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। उपभोक्ता लिखित शिकायत के अतिरिक्त मेल से भी अपनी शिकायत संबंधित अधिकारियों के यहाँ प्रस्तुत कर सकता है।

2 निगम स्तरीय फोरम

प्रत्येक निगम स्तर पर एक फोरम का गठन किया गया है जिसका कार्यक्षेत्र फ्रेंचाइजी कंपनी का समस्त कार्यक्षेत्र होगा। इस फोरम में तीन सदस्य होते हैं। अध्यक्ष, वित्त, सदस्य, और स्वतंत्र सदस्य। स्वतंत्र सदस्य को आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर नियुक्त किया जायेगा। स्वतंत्र सदस्य को 2 वर्ष तक के लिये आयोग द्वारा नियुक्त किया जायेगा। स्वतंत्र सदस्य सेवानिवृत्त न्यायाधीश होगा जो अपर जिला न्यायाधीश एडीजे स्तर से निम्नतर पद का नहीं होगा।

फोरम ईएचटी उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई करता है। फोरम 5 लाख ₹ से अधिक मौद्रिक प्रती की शिकायतों की सुनवाई के लिये गठित किये गये हैं। कोई भी उपभोक्ता निगम द्वारा गठित आन्तरिक शिकायत प्रणाली के निर्णय से संतुष्ट नहीं होने की स्थिति में फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। उपभोक्ता चाहे तो सीधे भी निगम स्तरीय फोरम में अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकता है।

3 जोनल स्तर फोरम

प्रत्येक जोनल मुख्यालय में एक जोनल स्तरीय फोरम का गठन किया गया है जिसका कार्यक्षेत्र फ्रेंचाइजी कंपनी के समस्त कार्यक्षेत्र के सहित पूरे जोन के अनुज्ञापिधारी क्षेत्र पर होगा। इस फोरम में तीन सदस्य होते हैं। अध्यक्ष, वित्तसदस्य, और स्वतंत्र सदस्य। अध्यक्ष और वित्त सदस्य अनुज्ञापिधारी के कर्मचारी होंगे तत्स्वतंत्र सदस्य को आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर नियुक्त किया जाता है। संबंधित





क्षेत्र के जोनल मुख्यअभियन्ता पदेन अध्यक्ष होंगे। स्वतंत्र सदस्य को 2 वर्ष तक के लिये आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर नियुक्त किया जायेगा। स्वतंत्र सदस्य किसी भी क्षेत्र में स्नातक की डिग्री धारक होगा तथा किसी भी पंजीकृत संस्था जो उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही हो मे कम से कम 5 वर्ष से कार्य कर रहा हो या कम से कम 10 वर्ष से उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में स्वैच्छा से कार्य कर रहा हो। फोरम एलटी आपूर्ति उपभोक्ताओं और एचटी आपूर्ति उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई करता है। फोरम 5 लाख रूप तक की मौद्रिक प्रकृति की शिकायतों की सुनवाई के लिये गठित किये गये हैं। कोई भी उपभोक्ता निगमद्वारा गठित आन्तरिक शिकायत प्रणाली के निर्णय से संतुष्ट नहीं होने की स्थिति जोनल स्तरीय फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। उपभोक्ता चाहे तो सीधी जोनल स्तरीय फोरम में अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। आयोग द्वारा गठित निगम, जोनल व आईजीआर प्रकोष्ठ के नाम, पता ईमेल और टेलीफोन नंबर का व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा ताकि अधिक अधिक उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी मिल सके। प्रत्येक लाईसेंस को यहाँरितद किया गया है कि उपरोक्त प्रकोष्ठ का प्रचार प्रसार विद्युत बिलों के माध्यम से भी किया जाये तथा अपनी वेबसाइट पर भी इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाई जाये।

4 विद्युत लोकपाल विनियामक

आयोग विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई के लिये विद्युत लोकपाल की नियुक्ति मनोनयन कर सकता है तथा एक से अधिक विद्युत लोकपाल भी नियुक्त किये जा सकते हैं। आयोग विद्युत लोकपाल के रूप में मुख्य अभियन्ता निदेशक के पद से विद्युत कंपनियों से सेवानिवृत्त इंजीनियर अथवा कम से कम जिला न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त व्यक्ति को लोकपाल नियुक्त कर सकता है। लोकपाल 2 वर्ष के लिये नियुक्त किया जा सकता है तथा एक वर्ष की अवधि का विस्तार भी आयोग दे सकता है। लोकपाल की न्यूनतम व अधिकतम आयु 59 व 62 वर्ष होनी चाहिये। लोकपाल का कार्य विभिन्न अभ्यावेदनो को स्वीकार करना, ऐसे अभ्यावेदनो पर विचार करना और अनुज्ञप्तिधारी और शिकायतकर्ताओं के बीच सुलह अध्यावेदन के माध्यम से समझौते के द्वारा निपटान की सुविधा प्रदान करना और इस तरह की सुलह नहीं होती हो तो विनियमों के अनुसार आदेश पारित करना। लोकपाल अपील की अवधि के पश्चात भी किसी प्रतिवेदन को स्वीकार कर सकता है लोकपाल कभी भी किसी शिकायत के दौरान अंतरिम आदेश भी पारित कर सकता है। विद्युत लोकपाल का यह प्रयास भी रहता है कि किसी शिक्षा के निस्तारण के लिये शिकायतकर्ता एवं अनुज्ञप्तिधारी के मध्य समझौते के माध्यम किसी शिकायत का निपटान करने को प्रोत्साहन देगा। जहाँ शिकायतकर्ता अथवा अनुज्ञप्तिधारी को सुनवाई के लिये दो अवसर देने के बावजूद भी अनुपस्थित रहता है तो लोकपाल अभ्यावेदन पर एक पक्षीय कार्यवाही कर सकता है। लोकपाल यथासंभव शीघ्रमामलों की सुनवाई करता है तथा यथासंभव 45 दिनों के भीतर आदेश पारित करेगा यदि आदेश पारित होने में देरी होने पर विलम्ब के कारणों को रिकार्ड करेगा। लोकपाल के आदेश बाध्यकारी एवं अंतिम होंगे तथा यह पक्षकारों के लिये बाध्यकारी होंगे कोई भी पक्षकार लोकपाल के आदेश के विरुद्ध आयोग के समक्ष अपील नहीं प्रस्तुत कर सकता है।

5 उपभोक्ता पक्षकारी प्रकोष्ठ

शिकायतकर्ताओं को उनके मामलों के प्रतिनिधित्व करने लिये अपेक्षित कानूनी सलाह, संबल और सहायता प्रदान करने के लिये आयोग एक उपभोक्ता पक्षकारी प्रकोष्ठ का गठन करेगा। आयोग अधिवक्ताओं के साथ साथ उपभोक्ता मामलों के क्षेत्र में कार्य करने वाले एनजीओ की सहायता भी ले सकता है इस कार्य हेतु आयोग उनका परिश्रमिक भी तय कर सकता है।

इस तरह के प्रकोष्ठ को आयोग द्वारा वित्त पोषित किया जायेगा। प्रकोष्ठ विनियमों में किये जाने वाले सुधारों के लिये आयोग को सलाह देने के लिये फोरम और लोकपाल द्वारा प्रस्तुत शिकायतों अभ्यावेदन और अर्द्धवार्षिक समीक्षा करेगा।

उपभोक्ता समूहों की क्षमता निर्माण को सुगम बनाने का नियामक प्रक्रियाओं की प्रभावकारिता बढ़ाने के लिये उनका प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना।

पक्षकारी प्रकोष्ठ सुरक्षा और उर्जा संरक्षण सहित विभिन्न उपभोक्ता मुद्दों पर अपने अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना और उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिये सेमीनार, समूह चर्चा, सम्मेलन, कार्यशाला, टॉक शो और जनजागरूकता अभियान का आयोजन कर सकता है।

उक्त आलेख विद्युत उपभोक्ताओं की जानकारी के लिये संक्षिप्त में उपभोक्ताओं के हितार्थ लिखा गया है। उपभोक्ता अधिक जानकारी के लिये राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग की अधिसूचना दिनांक 5 अप्रैल 2021 को जारी उपभोक्ता शिकायत फोरम, विद्युत लोकपाल और उपभोक्ता पक्षकारी विनियम 2021 का अध्ययन कर सकते हैं।



प्रेरक प्रसंग

ईमानदारी महानगुण है-



लाल बहादुर शास्त्री

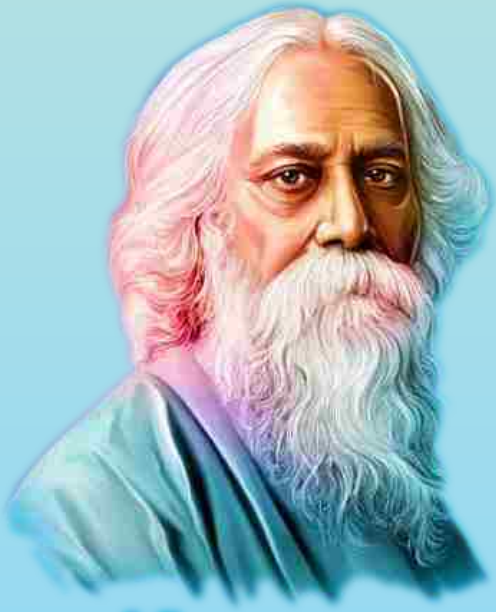
नाव गंगा के इस पार खडी है। यात्रियों से लगभग भर चुकी है। रामनगर के लिए खुलने ही वाली है। बस एक दो सवारी चाहिए। उसी के बगले में एक नवयुवक खडा है नाविक उसे पहचानता है बोलता है- आ जाओ, खडे क्यों हो, क्या रामनगर नहीं जाना है? क्यों भैया, रोज तो इसी नाव से आते-जाते हो, आज क्या बात हो गई? आज मेरे पास उतराई देने के लिए पैसे नहीं है। तुम जाओ अरे, यह भी कोई बात हुई। आज नहीं तो कल दे देना। नवयुवक ने सोचा बडी मुश्किल से तो माँ मेरी पढ़ाई का खर्च जुटाती है। कल भी यदि पैसे का प्रबंध नहीं हुआ तो कहां से दूंगा? उसने नाविक से कहा तुम ले जाओ नौका, मैं नहीं जाने वाला। वह अपनी किताब कॉपियां एक हाथ में उपर उठा लेता है और छपाक से नदी में कूद जाता है। नाविक देखता ही रह गया। मुख से निकला - अजीब मनमौजी लड़का है।

छप-छप करते नवयुवक गंगा नदी पार कर जाता है। रामनगर के तट पर अपनी किताबें रखकर कपड़े निचोड़ता है। भीगे कपड़े पहनकर वह घर पहुंचता है। माँ रामदुलारी इस हाल में अपने बेटे को देखकर चिंतित हो उठी।

अरे तुम्हारे कपड़े तो भीगे हैं, जल्दी उतारो।

नवयुवक ने सारी बात बतलाते हुए कहा- तुम्हीं बोलो माँ, अपनी मजबूरी मल्लाह को क्यों बतलाता? फिर वह बेचारा तो खुद गरीब आदमी है। उसकी नाव पर बिना उतराई दिये बैठना कहां तक उचित था? यही सोचकर मैं नाव पर नहीं चढा। गंगा पार करके आया हूं। माँ रामदुलारी ने अपने पुत्र को सीने से लगाते हुए कहा- बेटा तू एक दिन बड़ा आदमी बनेगा। वह नवयुवक अन्य कोई नहीं लाल बहादुर शास्त्री थे। जो देश के प्रधानमंत्री बने और 18 महिनों में ही राष्ट्र को प्रगति की राह दिखायी।

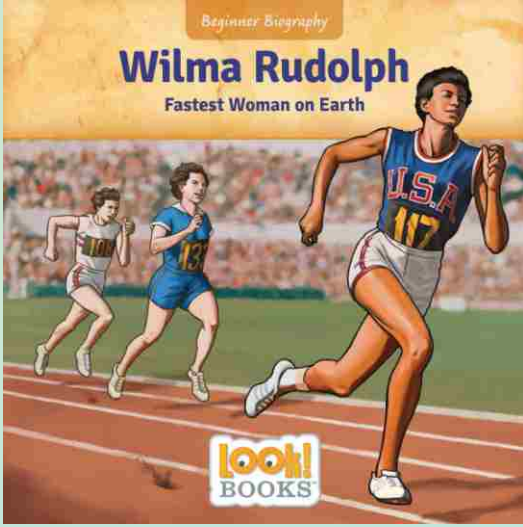
तन्मयता के बिना सृजन नहीं!



रविन्द्रनाथ टैगोर

गुरुदेव रविन्द्रनाथ ठाकुर शान्ति निकेतन के अपने एकान्त कमरे में कविता लिखने में तल्लीन थे। तभी नीरवता को बेघती हुई एक आवाज आई - रूको आज तुम्हें खत्म ही कर देता हूं? रविन्द्र नाथ ठाकुर ने दृष्टि उठाई। देखा एक डकैत चाकू लिए हुए उन पर वार करने के लिए प्रस्तुत है। वे कविता लिखने में पुनः तल्लीन हो गए और धीरे से कहा- मुझे मारना चाहते हो, ठीक है मारना, लेकिन एक बहुत ही सुन्दर भाव आ गया है, कविता पूरी कर लेने दो। भाव में इतने डूबे कि उन्हें याद ही नहीं कि उनका हत्यारा इतना निकट है।

इधर हत्यारे ने सोचा ये कैसा आदमी है? मैं चाकू लिए खडा हूं उस पर कोई असर नहीं। गुरुदेव की कविता जब समाप्त हुई उन्होंने दरवाजे की ओर दृष्टि मानो कह रहे हो अब मैं खुशी से मर सकता हूं, लेकिन यह क्या? हत्यारे ने चाकू बाहर फेंक दिया और उनके चरणों में बैठकर रोने लगा।



विल्मा रूडोल्फ

सत्य और संकल्प पर अटल रहें

यह एक पोलियोग्रस्त बालिका की कहानी है। चार साल की उम्र में निमोनिया और काला ज्वर की शिकार हो गई। फलतः पैरों में लकवा मार गया। डॉक्टरों ने कहा विल्मा रूडोल्फ अब चल न सकेगी। विल्मा का जन्म टेनेसस के एक दरिद्र परिवार में हुआ था लेकिन उसकी मां विचारों की धनी थी। उसने ढाँढस बंधया, नहीं विल्मा तुम भी चल सकती हो, यदि चाहो तो। विल्मा की इच्छा शक्ति जागृत हुई। उसने डॉक्टरों को चुनौती, क्यों मां ने कहा था यदि आदमी को ईश्वर में दृढ़ विश्वास के साथ मेहनत और लगन हो, वह दुनियां में कुछ भी कर सकता है।

नौ साल की उम्र में वह उठ बैठी। 13 साल की उम्र में पहली बार एक दौड़ प्रतियोगिता में शामिल हुई, लेकिन हार गई, फिर लगातार तीन प्रतियोगिता में हारी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। 15 साल की उम्र में टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी में गई और वहां एक टेम्पल नामक कोच से मिलकर कहा, आप मेरी क्या मदद करेंगे मैं दुनिया की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हूँ। कोच टेम्पल ने कहा तुम्हारी इस इच्छा शक्ति के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती, मैं तुम्हारी मदद करूंगा।

1960 की विश्व प्रतियोगिता ओलम्पिक में वह भाग लेने आयी। उसका मुकाबला विश्व की सबसे तेज धाविका जुता हैन से हुआ। कोई सोच नहीं सकता था कि एक अपंग बालिका वायु वेग से दौड़ सकती है। वह दौड़ी और एक दो तीन प्रतियोगितों में प्रथम स्थान प्राप्त कर 100 मीटर, 200 मीटर तथा 400 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

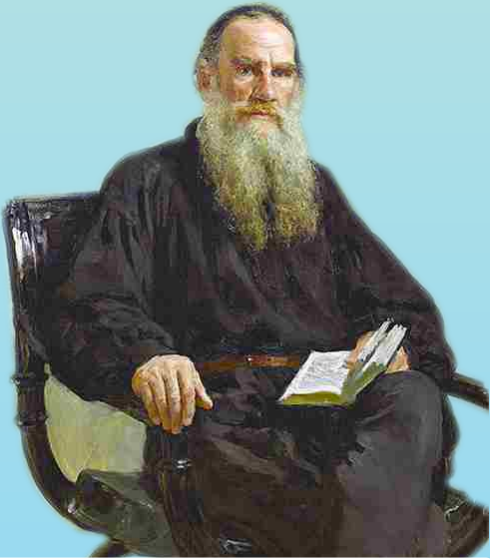
उसने प्रमाणित कर दिया कि एक अपंग व्यक्ति दृढ़ इच्छा शक्ति से सब कुछ कर सकता है। हर सफलता की राह कठिनाईयों के बीच से गुजरती है।

जीवन का रहस्य

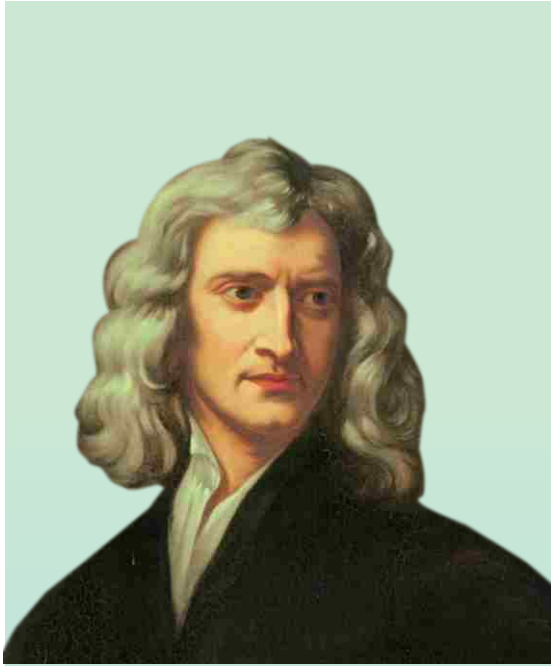
एक जिज्ञासु शिष्य ने टॉल्स्टाय से पूछा- जीवन क्या है ?

टॉल्स्टाय ने कहा, एक बार एक यात्री जंगल की राह पर चला जा रहा था। सामने से एक हाथी उसकी ओर लपका। अपने प्राण बचाने के लिए तत्काल वह एक कुएं में कूद गया। कुएं में वटवृक्ष था। उसकी एक शाखा को पकड़कर वह झूल गया। उसने नीचे देखा साक्षात मौत खड़ी थी। एक मगरमच्छ मुंह खोले बैठा था। भयकपिंत वह मृत्यु को साक्षात दर्शन कर रहा था। उसने उपर देखा शहद के छत्ते से बूंद-बूंद मधु टपक रहा था। यह सब कुछ भूल मधु पीने में तल्लीन हो गया।

लेकिन यह क्या ? जिस पेड़ से वह लटका था उसकी जड़ को दो चूहे कुतर रहे थे एक उजला था दूसरा काला। जिज्ञासू ने पूछा इसका अर्थ। तू नहीं समझा टालस्टाय ने कहा - वह हाथी काल था, मगर मृत्यु मधु जीवन रस था और चूहे दिन-रात। बस यही तो जीवन है। शिष्य संतुष्ट हो गया।



टॉल्स्टाय



न्यूटन

क्षमा महान गुण है -

भौतिक विज्ञान के विकास में जिन वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान है उसमें आइजक न्यूटन का अप्रतिम योगदान है। वे कहा करते हैं कि कठिनाईयों से गुजरे बिना कोई अपने लक्ष्य को नहीं पा सकता। जिस उद्देश्य का मार्ग कठिनाईयों के बीच नहीं जाता उसकी उच्चता में सन्देह करना चाहिए।

वे प्रकाश के सिद्धांतों की खोज में बीस वर्षों से लगे थे। अनेक शोधपत्र तैयार किये गए थे। वे मेज पर पड़े थे वहीं लैम्प जल रहा था, उनका कुत्ता डायमण्ड उछला और मेज पर चढ़ गया। लैम्प पलट गया। मेज पर आग गई। देखते ही देखते बीस वर्षों की कठिन तपस्या से तैयार शोधपत्र जलकर खाक हो गये। न्यूटन जब टहल कर आये तो इस दृश्य को देखकर उन्हें अपार कष्ट हुआ। एकक्षण तो इतने उद्विग्न हुए कि डायमण्ड को मार कर खत्म करने की बात भी सोचने लगे। लेकिन न्यूटन ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने डायमण्ड को पास बुलाया उसकी पीठ पर हाथ रखा सिर थपथपाते हुए कहा ओ डायमण्ड ! डायमण्ड जो नुकसान तुने पहुंचाया है तू नहीं जानता।

उन्होंने धैर्यपूर्वक सारे शोधपत्र की सामग्री को अपनी स्मृति में खोजा और फिर उसी उत्साह से नया शोधपत्र तैयार करने में जुट गये।

जीवन का रहस्य

एक राजा ने अपने मंत्री परिषद के समक्ष तीन प्रश्न किये -

पहला - सबसे अच्छा मित्र कौन ? दूसरा - सबसे अच्छा समय कौन ?

तीसरा - सबसे अच्छा काम कौनसा ?

प्रत्येक मंत्री ने अलग अलग उत्तर सुझाये। किसी ने कहा ज्योतिषी द्वारा निर्धारित समय, कर्म तथा मित्र सर्वश्रेष्ठ है। किसी ने राजा के मित्र के रूप में मंत्री और सेनापति के नाम सुझाये। इन बातों पर राजा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वह जंगल की ओर चला, जहां एक ऋषि रहते थे। शाम के समय राजा अपने सिपाहियों सहित घोड़े पर सवार वन में पहुंचा। देखा ऋषि तो वहां नहीं है, लेकिन एक कुटिया के बगल में एक बूढ़ा व्यक्ति अपना खेत कोड़ रहा है। वह अपने सिपाहियों को बाहर खड़ा रहने का आदेश देकर उस बूढ़े के निकट गया। ऋषि के बारे में पूछा - बूढ़े ने कहा यह नाम तो उसी का है। राजा ने तीनों प्रश्न किये ऋषि बीज बो रहे थे, राजा से भी मदद करने को कहा। राजा बीज बोता रहा, लेकिन उसे अपने प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं मिला। जब अंधेरा घना हो गया, तो घायल के कराहने, चिल्लाने की आवाज सुनाई पड़ी। ऋषि ने राजा से कहा, चले इसकी मदद करें। घायल व्यक्ति कराह रहा था। जब उसे होश आया तो वह राजा को देखते ही उसके चरणों में गिर पड़ा और क्षमा मांगने लगा।

राजा को आश्चर्य हुआ कि यह कौन मनुष्य है। वस्तुतः वह राजा को मारने आया था, लेकिन सिपाहियों ने उसे घायल कर दिया था। अब वह राजा से ही क्षमा याचना करने लगा। राजा को अपने प्रश्नों का उत्तर अभी तक नहीं मिला था। उन्होंने ऋषि से पूछा- ऋषि ने कहा आपके प्रश्नों का उत्तर तो मिल गया। सबसे अच्छा मित्र आपके सामने वाला है। सबसे अच्छा समय वर्तमान और सबसे अच्छा कर्म उपस्थित कर्म हैं यदि ऐसा न होता, तो यह व्यक्ति आपका मित्र कैसे हो जाता, जो आपकी हत्या करने आया था ?



मैक्स मूलर

सच्ची लगन सफलता की शर्त है

मैक्स मूलर की माँ की हार्दिक इच्छा थी कि उसका बेटा देश कोई बड़ा अधिकारी बने। मैक्समूलर को तो दूसरी ही धून थी। वह कहता नहीं माँ मुझे संस्कृत पढ़ना है पढ़ने दो। वे संस्कृत के अध्ययन में जुट गए। लिपजिंग कॉलेज में अध्ययन के दौरान इन्हें यह आश्चर्य हुआ कि अंग्रेजी के अनेक शब्द तो संस्कृत से निकले हैं यथा— डॉक्टर दुहित से, फादर पितर से, मदर मातृ से, वाईफ वधु से तथा ब्रदर भ्रातार से। उन्हें गुरु की खोज में पेरिस जाना पड़ा। पेरिस में बर्नूफ को पाकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। जब इन्होंने वेद अध्ययन की इच्छा व्यक्त की तो गुरु ने कहा तुम में प्रतिक्षा है, लगन है, एकनिष्ठता है। तुम हिन्दू धर्म या वेद दोनों में से किसी एक को अपना जीवन अर्पित कर दो।

मैक्स मूलर ने वेद पढ़ने की जब इच्छा व्यक्त की तो गुरु ने दो हिदायतें दी वेद का भाष्य करते समय तुम धूम्रपान नहीं करोगे। मूल और भाष्य का एक शब्द एक अक्षर भी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने इन वचनों की दृढ़ता से पालन किया ओर अपने 27 वर्षों के कठोर श्रम से ऋग्वेद का उद्धार किया, जो इष्ट इण्डिया कम्पनी के संग्रहालय में कैद थे। हिन्दू धर्म के इस पवित्र ग्रन्थ के जीर्णोद्धार का श्रेय इन्हीं विद्वानों को जाता है, जिन्होंने अपने जीवन के लगभग पचास वर्ष भारतीय वागमय में विचरते हुए बिताया।



गुरु नानक साहब

मेहनत की रोटी

गुरु नानक जी एक दिन एक साधारण बढई लालो की गुरुभक्ति से प्रसन्न होकर उसके यहां ठहर गए। इसकी खबर उस इलाके के प्रमुख मालिक भागो के कानों तक पहुंची। तब समाज में उंची नीचे की भावना व्याप्त थी। भागो यह कैसे सहन करे कि एक संत एक बढई के घर में निवास करें। उन्होंने तुरंत अपने यहां भोजन करने के लिए आमंत्रित किया। उस समय गुरुजी भजन गा रहे थे और उनका शिष्य मर्दाना रवाब बजा रहा था। उन्होंने मालिक भागो से कहा, मैं आपके यहां भोजन ग्रहण नहीं करूंगा। भागो अपमान में जलने लगा। पूछा, आखिर क्यों? क्या मैं इससे भी नीचे हूँ।

गुरुजी ने कहा ठीक है अपनी खाद्य सामग्री दे दो।

गुरुजी ने उसे अपने हाथों में लेकर निचोड़ा। अरे यह क्या? खून निकलने लगा।

उन्होंने लालो से अपना भोजन मंगवाया। वही सूखी रोटी और साग। उसे निचोड़ने लगे दूध की धारा। गुरुजी ने कहा अब समझे तेरी कमाई पसीने की नहीं, शोषण की कमाई है। बेचारा मालिक भागो लज्जित हो गया।



ETHICS

IN GOVERNANCE

By – Rajendra Bhanawat, IAS®

After 75 years of independence, it is time to ponder over what have we given to our citizens. Is a farmer able to get copy of his revenue record whenever he needs it without shelling a few bucks and without visiting the patwari's office endless times? Is a common able to get his quota of ration from the Fair price shop regularly without any problem? Is he able to get loan of adequate amount for the purpose he thinks is essential for him, in time? Can an unemployed youth expect to be selected without seeking recourse to a middleman? Is an honest businessman able to secure order for government supplies without bothering to meet and grease the palms of ever waiting minions of govt? Is a bright student able to get admitted to a good course, purely on the basis of his merit even when he is not born in the family of a bureaucrat, politician or a moneyed person? Can a villager expect to see a doctor and be seen by him without meeting an inevitable end in the form of death for want of medicine and care? Can an ordinary citizen get a plot of land and construct a dwelling unit without the fear of being knocked on the door for a bribe? Can the old, widows and disabled persons get their pensions without making rounds of post offices and tehsil offices? Does a victim feel confident in going to the police station and be sure of registering the FIR? Is there a fear in mind of criminals? Are the common citizens feeling safe in their homes? Can a woman feel safe in travelling alone in the night without being scared of being raped or molested?



If answer to all these questions is yes, we need not bother to talk about ethics in governance. The fact, however, is that the answers to most of these questions is big 'NO' and therefore, it is important to talk about ethics, particularly in governance. All four pillars of democracy viz., the executive, the legislature, the judiciary and





the press have been blaming each other for the absence of ethics in our governance. Each one of these pillars is busy in reaping the fruits of democracy at the cost of the People, who is the Supreme as per our Constitution.

Let us understand the difference between morality and ethics, terms which are generally used interchangeably. Morality is about personal beliefs and is a religious phenomenon where as the purpose of ethics is to define acceptable human and social behaviour .

Many people confuse ethics with only financial integrity i.e., not taking bribe for doing any official work. While not accepting monetary consideration for any work which is done in an official capacity, is certainly a basic element of ethics, yet there are many more aspects of the same. Observance of compassionate attitude, intellectual integrity, keeping interest of society above self, taking decision keeping supremacy of Constitution in mind and the interest of vulnerable sections of the society, respecting dignity of the common citizen, being responsive, remaining transparent, are all equally important components of ethical working.

Ethics is the first casualty in politics as it is impossible to get elected unless one spends much more than the amount provided under the election law. The use of muscle and money power is in full display in all elections. As a result, over one third members of parliament have serious criminal case against them. However, major share of blame has to go to bureaucracy . Civil servants have a career spanning over 30-40 years and what they simply need to do, is to resist the temptation of a particular posting or place. If the civil servants stop treating postings as prize or punishment, they need not bow to the nefarious designs of their political masters. More often than not, they become partners of politicians in plundering the public money. It needs to be understood by the civil servants that their basic role is to make the life of a common man easy. He needs to realize and appreciate that rules came much later than the human being on this planet earth.

Practically speaking, all civil servants can be classified in four categories viz., the dishonest and inefficient, dishonest and efficient, honest and inefficient and lastly the honest and efficient. The need of the hour is to have more of the last category. Then only, ethical governance can be guaranteed to the people. Ethical system will get strengthened only when those working ethically are nurtured and recognized by the society. Presently being dishonest is a game of low risk, high gain. If we can make it a game of high risk, low gain for dishonest officers, the number of honest officers will certainly go up.

Use of technology can play a major role in creating an ethical governance culture that is extremely fair, transparent and not arbitrary. Besides the increased use of technology, the recruitment system of civil servants also needs to undergo a major change. Present system assesses the officers based on their theoretical knowledge of subjects and there is no appropriate method to ensure selection of only those who have the potential to be upright, honest and compassionate.

It is obvious that ethical governance in India is not only desirable but essential so that the benefits of government policies reach the last person in the last row. It is possible if there is a collective will to do so. The moot point is , who takes the initiative? Each pillar of democracy is waiting others to do so and till then 1.3 billion people of this country will have to suffer an unethical governance system.

Only the People can make the four pillars of democracy work in an ethical manner. He has to wake up now.



सकारात्मक सोच का जादू

- इंजी भवनेश चन्द्र माथुर



एक ऋषि के दो शिष्य थे। जिनमें से एक शिष्य सकारात्मक सोच वाला था वह हमेशा दूसरों की भलाई का सोचता था और दूसरा बहुत नकारात्मक सोच रखता था और स्वभाव से बहुत क्रोधी भी था। एक दिन महात्मा जी अपने दोनों शिष्यों की परीक्षा लेने के लिए उनको जंगल में ले गये जंगल में एक आम का पेड़ था जिस पर बहुत सारे खट्टे और मीठे आम लटके हुए थे। ऋषि ने पेड़ की ओर देखा और शिष्यों से कहा कि इस पेड़ को ध्यान से देखो। फिर उन्होंने पहले शिष्य से पूछा कि तुम्हें क्या दिखाई देता है। शिष्य ने कहा कि ये पेड़ बहुत ही विनम्र है लोग इसको पत्थर मारते हैं फिर भी ये बिना कुछ कहे फल देता है। इसी तरह इंसान को भी होना चाहिए, कितनी भी परेशानी हो विनम्रता और त्याग की भावना नहीं छोड़नी चाहिए। फिर दूसरे शिष्या से पूछा कि तुम क्या देखते हो, उसने क्रोधित होते हुए कहा कि ये पेड़ बहुत धूर्त है बिना पत्थर मारे ये कभी फल नहीं देता इससे फल लेने के लिए इसे मारना ही पड़ेगा इसी तरह मनुष्य को भी अपने मतलब की चीजें दूसरों से छीन लेनी चाहिए। गुरु जी हँसते हुए पहले शिष्य की बढाई की और दूसरे शिष्य से भी उससे सीख लेने के लिए कहा। सकारात्मक सोच हमारे जीवन पर बहुत गहरा असर डालती है। नकारात्मक सोच के व्यक्ति अच्छी चीजों में भी बुराई ही ढूँढते हैं। उदाहरण के लिए- गुलाब के फूल को काँटों से घिरा देखकर नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति सोचता है कि "इस फूल की इतनी खूबसूरती का क्या फायदा इतना सुंदर होने पर भी ये काँटों से घिरा है" जबकि उसी फूल को देखकर सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति बोलता है कि "वाह! प्रकृति का कितना सुंदर कार्य है कि इतने काँटों के बीच भी इतना सुंदर फूल खिला दिया" बात एक ही है लेकिन फर्क है केवल सोच का तो मित्रों, अपनी सोच को सकारात्मक और बड़ा बनाइए तभी हम अपने जीवन में कुछ कर सकते हैं।

सकारात्मक सोच की शक्ति

सकारात्मक (Positive Thinking) के बिना जिंदगी अधूरी है। सकारात्मक सोच की शक्ति से घोर अन्धकार को भी आशा की किरणों (Lights of Hope) से रौशनी में बदला जा सकता है। हमारे विचारों पर हमारा स्वयं का नियंत्रण



होता है। इसलिए यह हमें ही तय करना होता है कि हमें सकारात्मक सोचा है या नकारात्मक।

यह विचार एक बीज है – Every Thought is a Seed!)

हमारे पास दो तरह के बीज होते हैं सकारात्मक विचार एवं नकारात्मक विचार है जो आगे चलकर हमारे दृष्टिकोण एवं व्यवहार रूपी पेड़ का निर्धारण करता है। हम जैसा सोचते हैं वैसा बन जाते हैं। (What er think we become) इसलिए कहा जाता है कि जैसे हमारे विचार होते हैं वैसा ही हमारा आचरण होता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम अपने दिमाग रूपी जमीन में कौनसा बीज बोते हैं। थोड़ी सी चेतना एवं सावधानी से हम कांटेदार पेड़ को महकते फूलों में बदल सकते हैं।

- यह हम पर निर्भर करता है कि सकारात्मक चश्मे से इस दुनिया को देखते हैं या नकारात्मक चश्मे से। अगर हमने पॉजिटिव चश्मा पहना है तो हमें हर व्यक्ति अच्छा लगेगा और हम प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई खूबी ढूँढ ही लेंगे लेकिन अगर हमने नकारात्मक चश्मा पहना है तो हम बुराइयाँ खोजने वाले कीड़े बन जाएंगे।

नकारात्मक से सकारात्मक की ओर:

सकारात्मकता (Positivity) की शुरुआत आशा और विश्वास से होती है। किसी जगह पर चारों ओर अँधेरा है और कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा और वहाँ पर अगर हम एक छोटा सा दीपक जला देंगे तो उस दीपक में इतनी शक्ति है कि वह छोटा सा दीपक चारों ओर फैले अँधेरे को एक पल में दूर कर देगा। इसी तरह आशा की एक किरण सारे नकारात्मक विचारों को एक पल में मिटा सकती है।

नकारात्मकता को नकारात्मकता समाप्त नहीं कर सकती, नकारात्मकता को तो केवल सकारात्मकता ही समाप्त कर सकती है। इसलिए जब भी कोई छोटा सा नकारात्मक विचार मन में आये उसे उसी पल सकारात्मक विचार में बदल देना चाहिए।

उदाहरण के लिए अगर किसी विद्यार्थी को परीक्षा से 20 दिन पहले अचानक ही यह विचार आता है कि वह इस बार परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाएगा तो उसके पास दो विकल्प हैं या तो वह इस विचार को बार-बार दोहराए और धीरे-धीरे नकारात्मक पौधे को एक पेड़ बना दे या फिर उसी पल इस नेगेटिव विचार को पॉजिटिव विचार में बदल दे और सोचे कि कोई बात नहीं अभी भी परीक्षा में 20 दिन यानि 480 घंटे बाकि हैं और उसमें से वह 240 घंटे पूरे दृढ़ विश्वास के साथ मेहनत करेगा तो उसे उत्तीर्ण होने से कोई रोक नहीं सकता। अगर वह नेगेटिव विचार को सकारात्मक विचार में उसी पल बदल दे और अपने पॉजिटिव संकल्प को याद रखे तो निश्चित ही वह उत्तीर्ण होगा। 'सकारात्मक सोचना या न सोचना हमारे मन के नियंत्रण में है और हमारा मन हमारे नियन्त्रण में है। अगर हम अपने मन से नियंत्रण हटा लेंगे तो मन अपनी मर्जी करेगा और हमें पता भी नहीं चलेगा की कब हमारे मन में नकारात्मक पेड़ उग गए हैं।

डेविड एवं गोलियथ की कहानी

बाइबिल की एक कहानी काफी प्रसिद्ध है। एक गाँव में गोलियथ नाम का एक राक्षस था। उससे हर व्यक्ति डरता था एवं परेशान था। एक दिन डेविड नाम का भेड़ चराने वाला लड़का उसी गाँव में आया जहाँ लोग राक्षस के आतंक से भयभीत थे। डेविड ने लोगों से कहा कि आप लोग इस राक्षस से लड़ते क्यों नहीं हो? तब लोगों ने कहा 'वो इतना बड़ा है कि उसे मारा नहीं जा सकता।' डेविड ने कहा 'आप सही कह रहे हैं कि वह राक्षस बहुत बड़ा है। लेकिन बात ये नहीं है कि बड़ा होने की वजह से उसे मारा नहीं जा सकता, बल्कि हकीकत तो ये है कि वह इतना बड़ा है कि उस पर लगाया निशाना चूक ही नहीं सकता।'

फिर डेविड ने उस राक्षस को गुलेल से मार दिया। राक्षस वही था, लेकिन डेविड की सोच अलग थी।

कौनसे रंग का चश्मा पहना है? जिस तरह काले रंग का चश्मा पहनने पर हमें सब कुछ काला और लाल रंग का चश्मा पहनने पर हमें सब कुछ लाल ही दिखाई देता है उसी प्रकार नेगेटिव सोच से हमें अपने चारों ओर निराशा, दुःख और असंतोष ही दिखाई देगा और पॉजिटिव सोच से हमें आशा, खुशियाँ एवं संतोष ही नजर आएगा।





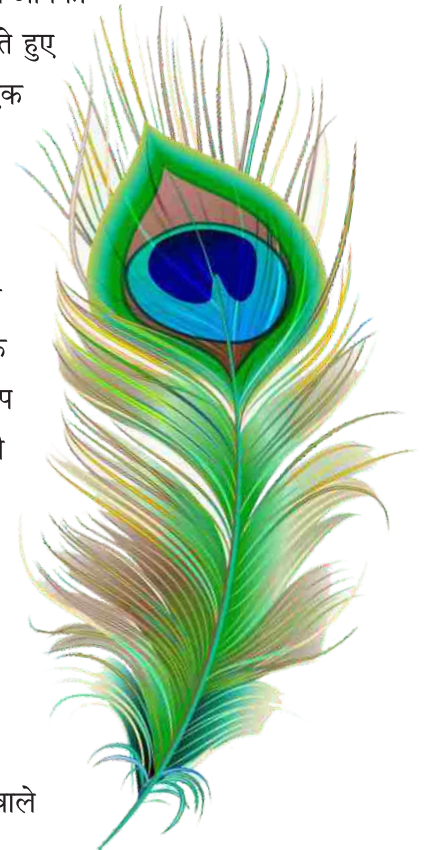
कैसे लायें सकारात्मक सोच

सकारात्मक सोच ऐसा कोई वरदान नहीं है जो सिर्फ उन गुरुओं के पास होता है जो जीने का तरीका सिखाते हैं। यह हर एक के द्वारा अपनाया जा सकता है। आजकल लोगों में निराशावादी विचारधारा का बीज आसानी से पनप जाने से सकारात्मक सोच एक आसरे की तरह काम करता है जिसका आप सहारा ले सकते हैं। यहाँ पर कुछ सुझाव दिए गए हैं जिसके फलस्वरूप आप सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति बन सकते हैं।

ऐसे लायें सकारात्मक सोच

1. अपने रवैये पर नियंत्रण रखें: कई बार आपका यह प्रण करना कि आप कुछ नकारात्मक नहीं सोचेंगे और अपने आस पास फैली नकारात्मकता पर विजयी होंगे, जिंदगी को देखने के आपके नजरिए को एक नयी दिशा देता है। लोग हमेशा दूसरों को अपनी जिंदगी चलाने का मौका देकर सबसे बड़ी गलती करते हैं। आपको हर हालत में ऐसा करने से बचना चाहिए और अपने जीवन से जुड़े सारे महत्वपूर्ण फैसले खुद लेने चाहिए।
2. **ध्यान करें** : वैज्ञानिक मानते हैं कि ध्यान के वक्त, जब दिमाग किसी विशेष विचार की ओर केन्द्रित रहता है तो उससे उर्जा बिखरती है। यह उर्जा इंसान के अन्दर मजबूती लाती है जिससे वह आम जीवन में कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने में सक्षम होता है। हर दिन कम से कम 10 मिनट तक ध्यान लगाने की कोशिश करें। किसी अँधेरे कमरे का चुनाव करें जहाँ बाधाएं न हों और आँखें बंद कर गहरी सांस लें। अपने दिमाग में से सारे विचार निकाल दें। शुरुआत में यह प्रक्रिया मुश्किल लगेगी पर अभ्यास से यह काफी आसान हो जाएगा।
3. **सकारात्मक सोच वाले व्यक्तियों से मिलें**: इस जगत में हर एक इंसान के पास किसी भी विषय को लेकर अपनी एक विचारधारा होती है। सकारात्मक विचारधारा वाले व्यक्तियों से मिलने से आपकी सोच और उद्देश्य भी सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे, जबकि नकारात्मक सोच रखने वाले लोग आपकी जिंदगी से सकारात्मकता को निकाल देते हैं। ऐसे लोगों के साथ रहे जो आपको सकारात्मक वाईब्स देते हों। आपको अपने आप में परिवर्तन जरूर महसूस होगा।
4. **अपने लक्ष्य पर टिके रहें** : अपना लक्ष्य अपनी दिली अभिलाषा के अनुसार ही चुनें। उसपर हमेशा टिके रहे चाहे वह कितना ही मुश्किल क्यों न दिखे। उनपर विश्वास करना और उनको पाने के लिए मेहनत करना सीखें। दुनिया को आपको देने के लिए कई नए दृष्टीकोण हैं और इनको अगर आप खुले दिमाग और आशावादी सोच रखते हुए अपनाएंगे तो आपकी जिंदगी बदल जायेगी। कड़ी मेहनत करें और अपने लक्ष्य की तरफ हर दिन एक कदम आगे बढ़ायें। एक बार आपने इसे पा लिया तो आप नए जोखिम उठाने की चुनौती ले पायेंगे। हर छोटे या बड़े लक्ष्य को पाने के बाद आपमें अपनी क्षमता को लेकर आत्मविश्वास आएगा।
5. **अपनी मानसिक रचना में बदलाव लायें**: किसी भी परिस्थिति में आपकी प्रतिक्रिया कैसी होती है यह आपकी सोचने की शक्ति में अंतर ला सकता है। किसी कठिन परिस्थिति में सकारात्मक प्रतिक्रिया देना उस परिस्थिति को आसान बना देता है और आप आसानी से उससे उबर पाते हैं, जबकि नकारात्मक विचारधारा से मुश्किल जरूरत से ज्यादा बड़ी दिखती है। आपके सोचने के तरीके में बदलाव से आप दुनिया को नए नजरिए से देख पायेंगे और आप देख पायेंगे कि दुनिया कितनी सुन्दर है जिसकी आजतक आपने कल्पना भी नहीं की थी।
6. **अपने स्वभाव पर सवाल उठाएं?**: किसी भी बदलाव का प्रतिरोध करना इंसान की फितरत में शामिल होता है। पर जब आप अपने आप पर सवाल उठाएंगे कि आखिर इस प्रतिरोध का मकसद क्या है, आपको अपने आप मुश्किल इतनी बड़ी नहीं दिखेगी जितना आपने सोच रखा था। इसलिए अपने मकसद पर सवाल उठाना आपके रक्षात्मक स्वभाव को कम करेगा और आपको संभावनाओं को देखने की शक्ति देगा ताकि आपका अनुभव बढ़ सके।

आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि सकारात्मक सोच सकारात्मकता लाती है जबकि प्रतिकूल सोच रखने वाले





नकारात्मकता को अपने पास बुलाते हैं। इसलिए सकारात्मक सोच कर आप अपने आप को नयी संभावनाओं के लिए खुला रख रहे हैं और अपनी जिंदगी जीने योग्य बना रहे हैं।

सकारात्मक विचारों की शक्ति

By & Orison Swett Marden इंग्लैंड के दस बड़े-बड़े पादरियों और दस निपुण डॉक्टरों की एक समिति डीन ऑफ वेस्टमिस्टर की अध्यक्षता में आध्यात्मिक संकेत तथा आध्यात्मिक चिकित्सा के अनुसंधान के उद्देश्य से नियुक्त हुई थी। अनेक अधिवेशन आयोजित करने तथा साक्षियां लेने के उपरान्त समिति के सदस्यों ने एकमत होकर यह निष्कर्ष निकाला कि शरीर और मस्तिष्क की नीरोगता पर आध्यात्मिक संकेतों एवं अवस्था का सुधारात्मक प्रभाव अवश्य पड़ता है और उससे मानसिक प्रगति में प्राप्त सहायता मिलती है।

असली स्वास्थ्य का राज जब हमें यह ज्ञात हो जाएगा कि व्याकुलता, चिंता, रोग तथा प्रत्येक कष्टदायक एवं शोकप्रद वस्तु का यथार्थ कारण कल्पना का त्रुटिपूर्ण ढंग है, तब हमें वास्तविक स्वास्थ्य का भेद ज्ञात हो जाएगा और हमें वैज्ञानिक नियमों के अनुसार जीवन-यापन का ढंग आ जाएगा। फिर हम अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में रहकर भी उच्चतम वस्तुएं उत्पन्न कर सकेंगे और नितान्त प्रतिकूल तथा विरोधी परिस्थितियों में साफ, निर्मल तथा संतुलन-प्रिय जीवन की महक और सुगन्ध बिखेर सकेंगे। इसलिए हर समय कल्याण तथा अच्छाई की। कल्पना करें, बुराई का विचार मस्तिष्क में न आने दें। अपने हृदय तथा मस्तिष्क को सदाचार, सौन्दर्य तथा सत्य के विचारों से भरा हुआ रखें, ताकि वहां दुराचार, कुरूपता और झूठ को स्थान न मिल सके। जब आप ऐसा करने में सफल हो जाएंगे तो फिर आप यदा-कदा ही रोगग्रस्त होंगे। आपका स्वास्थ्य हमेशा ठीक रहेगा। इसके अतिरिक्त आप वृद्धावस्था को दूर ठेलकर अपनी तरुणाई को बनाए रख सकेंगे।

लाभकारी निदान जब हमारे विचारों में परिवर्तन हो जाता है तो हमारा शरीर भी परिवर्तित हो जाता है। विचार परिवर्तन से आदतें बदल जाती हैं। मानसिक सन्तुलन से ही मानसिक शान्ति प्राप्त होती है और मानसिक शान्ति से आयु बढ़ती है। यह एक अत्यन्त लाभप्रद निदान है।

सदाबहार यौवन का रहस्य बहुत कम लोगों को अपने आसपास के घुटन, थकावट-भरे और चिन्तामय वातावरण के प्रभाव से बचने का साधन विदित है। असीलिए तो वे लोग आए दिन किसी-न-किसी रोग में फंसे रहते हैं। यदि मस्तिष्क में हष्ट-पुष्ट, स्वस्थ, आशावादी तथा पूर्ण यौवन का चित्र रखा जाए- उन भव्य कारनामों की कल्पना की जाए जो केवल यौवन का अंश हैं, यौवन के सपनों, विचारों और आशाओं को हर क्षण अपने सामने रखा जाए तो आपका यौवन बना रहेगा, आपका यौवन प्रगति करेगा और आप पर समय की तीव्र गति का कोई

प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि आप हर समय यह सोचते रहेंगे कि आप युवा हैं, स्वस्थ तथा हष्ट-पुष्ट हैं तो आप युवा ही बने रहेंगे और निश्चय ही हष्ट-पुष्ट और स्वस्थ रहेंगे। स्टीवेन्सन का कहना है, यौवन की आत्मा को जीवित तथा सुदृढ़ बनाए रखना समस्त मानसिक अंगों का स्थायी स्रोत है।

कमियां कहां हैं? सोना बनाने के इच्छुक तथा पिपासु जिस वस्तु को युगों तक पीतल और पारे में ढूंढते रहे, यह अकसर स्वयं हमारे शरीर के अंदर विद्यमान है। उसका भेद हमारी प्रवृत्ति में है, जो हमारे विचारों द्वारा नियन्त्रित होती है।

शुद्ध एवं नीरोग विचारों के द्वारा सदा युवा बने रहना सम्भव है। ज्यों-ज्यों हम अपने आपको बूढ़ा और निर्बल समझने लगते हैं, त्यों-त्यों हम बूढ़े, निर्बल और शक्तिहीन होते हैं, क्योंकि हमारे विचार और कल्पनाएं हमारी प्रकट तथा गुप्त स्थिति में परिवर्तन करती रहती हैं। हमारा स्वास्थ्य व शक्ति हमारे विचारों के अनुसार ही बनते-बदलते रहते हैं।





एक बहुत ही खूबसूरत लड़की अपनी मां से बहुत प्यार करती थी। लड़की गलत सोहबत में पड़ जाने के कारण अपने सदाचार से विमुख हो गई। लोगों के बहकावे में आकर उसने अपने घर का त्याग कर डाला तथा घर से भाग गई, पर बाद में घर से दूर रहकर उसे पछतावा हुआ।

जीवन में होने वाले अनाचार से दुःखी होकर जीवन में अपनाये गये पाप के मार्ग से वह आत्मग्लानि से भर गई।

उसने अपने आपको खत्म करने का इरादा कर लिया। जिन लोगों के बीच वह फंस चुकी थी वहां से छिपते-छिपाते निकले

गई और खुदकुशी करने का तरीका सोचने लगी तभी उसके मन में भाव आया कि मैं मरने से पहले जन्म देने वाली मां का मुँह जरूर देख लूं। यह सोच कर वह अपने मौहल्ले की ओर चल पड़ी। मौहल्ले में कोई पहचान ना ले इसलिए वह अंधेरे में अपने घर की गली में पहुंची उसे लगा कि उसके भीतर इतना साहस नहीं है कि अपनी माँ के सामने जा सके। आखिर कोई भी अपना कलंकित चेहरा लेकर अपने माता-पिता के सामने नहीं जाना चाहेगा। लड़की मन ही मन सोच रही थी कि माँ सुबह पांच बजे जगती है और जैसे ही माँ घर से बाहर आयेगी तो मैं दूर से ही उसके दर्शन कर लूंगी और यहां से वापस रवाना हो जाऊंगी। लड़की मध्य रात्रि के बाद गली में पहुंची थी। गली में जैसे ही प्रवेश किया घर पर नजर पड़ते ही लड़की चौक पड़ी। घर का दरवाजा खुला हुआ था। लड़की को कुछ अनहोली का अंदेशा हुआ। उसने सोचा कि आखिर रात के एक बजे दरवाजा खुला हुआ क्यों है? कहीं मेरी माँ किसी संकट में तो नहीं है। कहीं चोर-उचक्के तो घर में तो नहीं घुस गये। अपनी माँ को सचेत करने की भावना से उसने चिल्लाकर कहा - माँ तभी अन्दर से आवाज आई, बेटा आखिर तुम आ गई। माँ अन्दर से चिराग लेकर बाहर आई। उसने कहा कि मुझे पूरा विश्वास था कि तुम एक न एक दिन जरूर लौटोगी। जो दूर से ही माँ को देखना चाह रही थी माँ को अपनी आंखों के सामने देखकर वह अपना धीरज न रख पाई। दौड़कर अपनी मां के आंचल में अपने आपको छिपाने लगी। दोनों की आंखों से आंसू टपक रहे थे। लड़की ने पूछा माँ, रात को एक बजे घर के दरवाजे खुले होने का रहस्य क्या है? माँ ने कहा- बेटा मुझे पूरा विश्वास था कि एक न एक दिन तुम लौटकर घर वापस जरूर आओगी। जिस दिन से तुम गई हो उस दिन से आज तक ये घर के दरवाजे बन्द नहीं हुए हैं। ताकि जब भी तुम घर लौटकर आओ तो इन खुले दरवाजे को देखकर तुम्हें यह अहसास हो कि तुम्हारा इस घर में सदा स्वागत है। हर पल तुम्हारी प्रतीक्षा है। बेटा ने कहा- माँ, तुमने इतनी बड़ी बात कह दी, किन्तु अब मैं तुम्हारा पवित्र प्रेम पाने के काबिल नहीं रही हूँ। यह कहते हुए फफक पड़ी। माँ ने कहा- बेटा किसी माँ की सन्तान चाहे सन्मार्ग पर जाय या कुमार्ग पर चाहे सन्तान के सौभाग्य का उदय हो या दुर्भाग्य का, माँ का आंचल तो अपने बच्चों के लिए हर समय बिछा ही रहता है। उसकी बांहे तो हरदम बच्चों को गले लगाने के लिए फैली रहती है।

माँ की समता

- इंजी. विपिन माथुर

आत्म-ऊर्जा

- डॉ. श्रीमती कमलेश माथुर

विद्युत ऊर्जा, पावन ऊर्जा, सौर ऊर्जा के सदृश्य एक ऊर्जा है। आत्म ऊर्जा जिसे हम देख नहीं सकते लेकिन अनुभव कर सकते हैं। हम सभी प्रायः बहिर्मुखी जीवन जीते हैं, हमारी बाहर झांकने की वृत्ति दृढ़ होती गई है। बाह्य जगत के अवलोकन में लगा हमारा मन उसी के अध्ययन में अत्यंत कुशल और सूक्ष्म हो गया है। समस्त भौतिक विज्ञान तथा सहित्य इसी बहिर्मुखी मन की उपलब्धियां हैं। आत्म ऊर्जा को उलटने पर मन के मूल तत्व को जान सकता है मन के प्रवाह को उलटने पर प्रयास करता है। वह उस रहस्यमय जीवन की खोज करना है जो उसके मन और शरीर को जीवन बनाता है आत्म उर्जा द्वारा व्यक्ति जान पाता है कि उसकी खोज का केन्द्र बिन्दू अथवा लक्ष्य चेतना पूंज अथवा वह दिव्य सार सर्वस्व है जो हमारे मन बुद्धि के संघात में व्यक्त हो रहा है। उसे जीवन दान दे रहा है। मन और बुद्धि जड़ पदार्थ है। उन्हें जीवन बनाने के लिए कोई चेतन तत्व अवश्य विद्यमान होना चाहिए। अन्य उर्जा में केन्द्रि मनुष्य के लिए जीवन एक मनोरंजक क्रिडा है उसे बाह्य जगत की कोई घटना चिंता, भय अथवा उद्वेग उसमें कोई मानसिक क्षोम उत्पन्न नहीं कर सकता। अविरल शांति की गोद में आप्तकाम अनेक तत्प दर्शियों, संतों, महात्माओं ने अपनी आत्म ऊर्जा द्वारा श्रेष्ठ जीवन जिया है। आत्म-ऊर्जा द्वारा हम अपना आन्तरिक अन्वेषण कर अपनी सत्ता को पहचान सकते हैं। वही अपना स्वरूप है। जब कि विषयाभिमुखी मन बाह्य जगत में ही रमण करते हुए अपनी शक्तियों का अपव्यय करता रहता है। बाह्य जगत की





वस्तुओं, भावनाओं तथा विचारों से मन को हटाकर उसको अपेक्षाकृत शांत करके अपना ध्यान आत्म ऊर्जा पर केन्द्रित करना होता है। मन को स्पान्दित करने वाले जीवन तत्व, परम प्रेमास्पद 'स्वयं' से संबंध स्थापित करना होता है। अन्ततः परम चेतना के अनादि, अखण्ड, अक्षय स्त्रोत से साक्षात्कार करके उसमें निरंतर स्थिति प्राप्त करना ही हमारा परम लक्ष्य है। वर्तमान में भी यथापि हम इसी में स्थित हैं परन्तु हम उसे पहचानते नहीं हैं। हमने अपनी आत्म ऊर्जा द्वारा, शुद्ध चैतन्य तक पहुंचने का कभी प्रयास ही नहीं किया। स्वप्न देखते हुए भी आप जाग्रत पुरुष है यह समझने की बात है कि जागने के साथ ही स्वप्न जगत के सारे दुःख समाप्त हो जाते हैं। स्वप्न में कैसर पीड़ित जागते ही स्वस्थ निरोगी हो जाता। इसी प्रकार जाग्रत अवस्था की चेतना अवस्था में स्थित इस स्तर की समस्त स्वाभाविक परिस्थितियाएं अभाव, भय, चिंतादि क्लेश उस चेतना, अन्तः उर्जा में जाग उठने पर स्वयं ही विलीन हो जाती है। वर्तमान में हमारा सारा ध्यान बाहर की ओर है आत्म ऊर्जा के आसन पर व्यक्ति सर्वप्रथम स्वयं पर तत्पश्चात् मन बुद्धि पर पुनः इस संघात के पीछे क्या है? इसी का अनुसंधान करता है।

आत्म ऊर्जावान व्यक्ति जानता है कि हमारे अन्तर्मय में जीवनी शक्ति निहित है। हम उसी तक पहुंचने का प्रयास करते हैं क्या हम प्रतिदिन रात्रि को भोजन करने के बाद बिस्तर पर लेट कर शांति व विश्राम की सुप्तावस्था में जाने का प्रयास नहीं करते। चेतना के एक स्तर पर पुलोभन और



मन और बुद्धि जड़ पदार्थ हैं। उन्हें जीवन बनाने के लिए कोई चेतन तत्व अवश्य विद्यमान होना चाहिए। अन्य उर्जा में केन्द्रित मनुष्य के लिए जीवन एक मनोरंजक क्रिडा है उसे बाह्य जगत की कोई घटना चिंता, भय अथवा उद्वेग उसमें कोई मानसिक क्षोभ उत्पन्न नहीं करत सकता। अविरल शांति की गोद में आप्तकाम अनेक तत्प दर्शियों, संतों, महात्माओं ने अपनी आत्म ऊर्जा द्वारा श्रेष्ठ जीवन जिया है।

आत्म-ऊर्जा द्वारा हम अपना आन्तरिक अन्वेषण कर अपनी सत्ता को पहचान सकते हैं। वही अपना स्वरूप है। जब कि विषयाभिमुखी मन बाह्य जगत में ही रमण करते हुए अपनी शक्तियों का अपव्यय करता रहता है। बाह्य जगत की वस्तुओं, भावनाओं तथा विचारों से मन को हटाकर उसको अपेक्षाकृत शांत करके अपना ध्यान आत्म ऊर्जा पर केन्द्रित करना होता है।

व्यवस्तता से मुक्त हुए बिना हम एक दूसरे स्तर पर प्रवेश ही नहीं कर सकते।

इस अनुभव जन्य ज्ञान का प्रयोग हमें आत्म ऊर्जा द्वारा करना होगा। हमें बाह्य जगत से अपना मानसिक संबंध पूर्णतः विन्दित करना होगा। सर्वप्रथम हम जीवन की उत्तेजक सरमर्गी को थोड़ा कम करे। पुनः धीरे धीरे बाह्य आसक्तियों को छोड़कर आत्म-ऊर्जा की ओर अपने मन की चेतना को ले जाये जिससे हमारा उद्वेग पूर्ण चंचल मन शांति और विश्राम के उच्च धरातल को छू सके।

मन और शरीर का अभिन्न संबंध है मन जितना अशांत होगा शरीर में उतनी ही हलचल होगी। इसके विपरीत शरीर जितना स्थिर होगा मन उतना ही शांत होगा। मन बहुत सूक्ष्म है इस समय वह हमारे नियंत्रण में नहीं है परन्तु शरीर हमारे नियंत्रण में है।

आत्म ऊर्जा द्वारा हम अपना लक्ष्य क्या है वह उसे कहां खोजना है? इसका पता लगा सकत है यह कोई बाह्य अज्ञात वस्तु की खोज नहीं है यह अद्वितीय महान शक्ति को बिना हम अपने ही हृदय कुंज में, जीवन तत्व के रूप में विद्यमान है। इस शक्ति के बिना हम सब केवल शून्य है यह महान सत्ता ही वनस्पति पशु, मनुष्य सभी का सार

तत्व है। हम इसी महान सत्ता की अभिव्यक्ति हैं। अन्तः

ऊर्जा द्वारा हम इसी सद्वस्तु की ओर मुड़ने, इससे एककार होने का प्रयास करते हैं।



- अन्जु माथुर

1. प्रकृति का पहला नियम :

यदि खेत में बीज न डालें जाएं, तो कुदरत उसे घास-फूस से भर देती है !! ठीक उसी तरह से दिमाग में अगर सकारात्मक विचार न भरे जाएँ, तो नकारात्मक विचार अपनी जगह बना ही लेते हैं !!

2. प्रकृति का दूसरा नियम :

जिसके पास जो होता है, वह वही बांटता है !!
सुखी सुख बांटता है !! दुःखी दुःख बांटता है !!
ज्ञानी ज्ञान बांटता है !! भ्रमित भ्रम बांटता है !!
भयभीत भय बांटता है !!

3. प्रकृति का तीसरा नियम :

आपको जीवन में जो भी मिले, उसे पचाना सीखो क्योंकि - भोजन न पचने पर, रोग बढ़ते हैं पैसा न पचने पर, दिखावा बढ़ता है बात न पचने पर, चुगली बढ़ती है प्रशंसा न पचने पर, अंहकार बढ़ता है निंदा न पचने पर, दुश्मनी बढ़ती है राज़ न पचने पर, खतरा बढ़ता है दुःख न पचने पर, निराशा बढ़ती है सुख न पचने पर, पाप बढ़ता है। यही जीवन के सत्य हैं

प्रकृति

के तीन कड़े नियम, जो सत्य है !!!



केस स्टडी

एक दस साल की बच्ची की

पिछले दिनों एक सायकियेट्रिस्ट द्वारा रेफर किया एक केस मेरे पास काउन्सलिंग के लिए आया ।

एक दस साल की बच्ची जिसे पिछले दो महीने से बहुत अधिक सेक्सुयल विचार आने लगे हैं और साथ ही एक और विचार बार बार आने लगा जिसमें उसे लगता है कि उसकी माँ उस से दूर चली जाएगी ।

यह दो विचार उसे इस हद तक आने लगे कि वह एबनॉर्मल हरकतें करने लगी । हिंसक भी होने लगी है । अपने माँ पापा को भी वह साथ नहीं देख सकती है अब । यदि कहीं दूर बैठी हो तब भी उसके कान उसकी माँ की बातों पर ही लगे होते हैं । अपने आप को कमरे में कनफाइन करने लगी है वह । यूं परिवार में सबसे बात करती है लेकिन माँ पर सबसे अधिक गुस्सा होती है । एक बार तो उसने किचन में जाकर चाकू हाथ में ले लिया था और गुस्से में बोलने लगी की मैं अपने आप को मार लेती हूँ ।

इन सब लक्षणों के साथ उसके माँ पापा और दादी उसे मनोचिकित्सक के पास लेकर गए । उन्होने 'सिवियर एड्ज्जायटी डिसोर्डर' डायग्नोस किया और दवा लिख कर मेरे पास काउन्सलिंग के लिए रेफर कर दिया ।

मैंने जब डिटेल में परिवार से बात की तब यह जाना कि घर में बच्ची का एक पाँच साल का भाई भी है और एक कजिन है जो तेरह चौदह साल की है ।

मैंने सेक्सुयल हेरेसमेंट के बारे में भी जानकारी ली लेकिन माता पिता का कहना था कि एस कुछ भी नहीं हुआ है उसके साथ । हाँ, एक बार उसने स्कूल के बाथरूम में दीवार पर किसी के द्वारा वेजाइना को लेकर बनाया हुआ एक चित्र देख लिया था और वहाँ लिखी एक अश्लील सी पंक्ति पढ़ ली थी और वह बार बार उसके मन में घूमती रहती

है । साथ ही पिता ने यह भी बताया कि उस बच्ची ने मोबाइल पर कुछ पॉर्न वीडियो भी देख लिए थे । सेक्सुयल विचारों के बारे में तो ये वजहें मिल गयी थीं लेकिन मेरा कंसर्न अभी भी यह जानने में था कि वह माँ को लेकर इतनी असुरक्षित क्यों है ? क्यों वह माँ को अपने से पाँच मिनट के लिए भी दूर नहीं होने देना चाहती ? मेरी नजर में यह अधिक बड़ी वजह थी उसकी एड्ज्जायटी और एबनोरमल बिहेवियर की ।

बच्ची से अकेले में बात करने पर उस बच्ची ने यही कहा बार बार कि जब भी माँ से दूर होने का विचार आता है और डर लगने लगता है तब सु सु में अजीब सा होने लग जाता है ।

मुझे देख कर बोली कि आप यह तिलक वाली बिंदी हटा दो । मैंने कहा क्यों, तो बोली कि मुझे डर लग रहा है । फिर और बात करने पर उसने बताया कि मैं जब भी किसी मोटी औरत को देखती हूँ तो मुझे लगता है कि यह प्रेग्नेण्ट है, अब इसके बच्चा होगा और मेरा मम्मी मुझे अकेली छोड़ कर इसके फंक्शन में चली जाएगी । और दो चार बातें इसी तरह की करने के बाद फिर से मेरी तरफ देख कर बोली कि ये आपके सफेद बाल हैं न इनको देख कर मुझे लग रहा है कि अब आप मर जाओगी और





Case Study

मेरी मम्मी आपके तीये की बैठक में आएगी मुझे छोड़ के इस तरह से उससे और भी खूब सारी बातों की मैंने समस्या की जड़ तक पहुँचने के लिए। उसने मुझसे पूछा कि पीरियड्स में बहुत दर्द होता है न?

पर मैंने उस से पूछा कि तुम्हें पीरियड्स होने लगे हैं क्या और तुम्हें यह सब किसने कहा तो बोली कि नहीं मुझे नहीं हुए अभी लेकिन मेरी कजिन ने बताया कि बहुत दर्द होता है। इस पर मैंने उसे डिटेल में पीरियड्स के बारे में समझा कर उसकी गलतफहमियाँ दूर की। और फिर अंत में एक और अहम बात उसने यह बताई उसने कि जब भी मैं मम्मी की कोई बात नहीं मानती हूँ तो मम्मी कहती है कि वो मुझे छोड़ कर चली जाएगी।

जब मैंने इसी क्रम में परिवार से बात की तो पाया कि एक वजह तो उसके भाई का आना भी है जिसके आने के बाद उसकी माँ का ध्यान उस पर से कम हो गया। सबसे बड़ी वजह तब पता चली जब मैंने सबसे अलग अलग बात की।

बातों बातों में उसकी दादी ने बताया कि उस बच्ची कि माँ उसे खुद ही अपने से अलग नहीं करती। जब तक दूसरा बच्चा नहीं आया तब तक यानि बच्ची के पाँच साल की होने तक तो उसे बिलकुल भी अकेला नहीं छोड़ती थी। अभी भी उसे हमेशा अपने साथ रखती है। माँ को टीवी सीरियलों का बहुत शौक है और बच्ची को भी अपने पास बैठा कर ही वह सास बहू वाले सीरियल देखती है। स्कूल से आने के बाद माँ उसे लेकर सो जाती है और शाम को टीवी देखने बैठ जाती है। फिर जब माँ काम में लगती है तो उस बच्ची को मोबाइल दे देती है।

माँ से बात करने पर खुद माँ ने भी माना कि वह बच्ची को पढ़ाई के लिए भी जोर देती है और उसे शाम को बाहर खेलने के लिए भी नहीं जाने देती है।

अब समस्या का सिरा पकड़ में आ गया था मेरे सो उसके अकश्रुडिंग काउन्सलिंग की। बच्ची की काउन्सलिंग के साथ माता पिता की भी काउन्सलिंग की जिसमें मुख्यतः बच्ची को एक डेढ़ घंटे घर के बाहर जाकर बच्चों में खेलना अनिवार्य करवाया। और भी कई सजेशनस दिये।

यह केस मुझे आप सब से बांटना जरूरी लगा। कहीं न कहीं आजकल पेरेंटिंग में बहुत गड़बड़ होने लगी है। इस तरह की पेरेंटिंग को हेलिकॉप्टर पेरेंटिंग भी कहा जाता है जिसमें माता पिता मोह की अति के कारण बच्चे को अपने से दूर नहीं कर पाते और जिसका खामियाजा बच्चे को भुगतना पड़ता है।

सुनीता

**सुनीता पांडेय**

एक सायकोथेरेपिस्ट व काउंसलर हैं। जयपुर में निजी प्रैक्टिस।

दस वर्ष से अधिक का अनुभव।

फैमिली और मैरिज काउंसलिंग में विशेषता।

संपर्क सूत्र : 9529265888





प्र. मेरे घरवाले बहुत दकियानूसी और रूढ़ीवादी हैं. मुझे समझते ही नहीं. मेरे विचारों को भी नहीं. वे यह मानने को तैयार ही नहीं हैं कि मैं परेशान हूँ. उदास हूँ. अवसादग्रस्त हूँ. वे कहते हैं कि तू आलसी है. काम से बचने का बहाना कर रहा/रही है. मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते हैं. क्या करूँ?

उ. सबसे पहली बात तो तुम अकेले नहीं हो इस सिचुएशन में. बहुत से लोग हैं और अपनी परिस्थितियों से फाइट कर रहे हैं, जैसा कि मैं हमेशा कहती हूँ, तुमसे भी कह रही हूँ कि आत्महत्या समस्या का अंत नहीं है बल्कि तुम्हारे निकटजनों के लिए नई समस्याओं की शुरुआत है.

अब बात तुम्हारे परिजनों की, तो यह जान लो कि आज भी अधिकांश परिवार तुम्हारे परिवार की तरह ही रूढ़ीवादी हैं...तुम दुखी इसलिए हो क्योंकि तुम्हारी तुम्हारे परिजनों से अपेक्षाएं उनकी सोच की कैपेसिटी से बहुत अधिक हैं ..जबकि तुम्हारा अपने परिजनों की सोच पर या उनके बिहेवियर पर कंट्रोल ही नहीं है...यही अपेक्षा तुम्हें परेशान किये हुए हैं.

प्र. तो मुझे करना क्या है अब? मैं इस सब परेशानी से बाहर आना चाहता/चाहती हूँ जल्दी से.

उ. तुम्हें सबसे पहले तो अपनी सेहत की तरफ ध्यान देना है. अपना रूटीन व्यवस्थित करना है. अपने सोने जागने का समय नियत करना है. यदि नींद नहीं आ रही हो तो डॉक्टर को दिखा कर कुछ दिन दवा लेने में भी हर्ज नहीं है.

सोकर उठने के दो से तीन घंटे के भीतर भरपेट नाश्ता करना है. खूब पानी पीना है. भरपूर फल और सलाद खाना है और दिन में कम से कम एक घंटा फिजिकल एक्सरसाइज कर अपने शरीर को थकाना है और दस मिनट माइंडफुलनेस मेडिटेशन कर अपने आप को वर्तमान में शांत बनाये रखना है.

ध्यान रखो कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का वास होता है.

तुम्हें बार बार अपने आप से यही कहना है कि मेरा कंट्रोल सिर्फ और सिर्फ मुझ पर है दूसरों के व्यवहार पर नहीं.

यह ऑटोसजेशन तुम्हारी अपेक्षाओं को कम करने में सहायता करेगा. तुम्हारा मन शांत होगा इससे.

हो सके तो घर के बाहर लोगों से मिलो. अपने आप को अकेला मत रखो.

दोस्तों से मिलो. खुद को पैम्पर करो. कोई टीम स्पोर्ट या एक्टिविटी जश्न करो. गाने सुनो, नाचो, गाओ और चाहो तो एक लिमिट तक रो भी सकते हो फॉर टाइम बीइंग...यह मत सोचो कि रोना तो कमजोर लोगों की निशानी है। हमारे भारतीय समाज में खासकर लड़कों के रोने पर तो एकदम जैसे प्रतिबंध ही लगा है और यह भी एक वजह है कि लड़के अपने इमोशंस खुल कर प्रकट नहीं कर सकते और अवसादग्रस्त हो जाते हैं।

तो यह सब रीलीजियसली करो पंद्रह बीस दिन... फिर भी स्थिति में सुधार नहीं हो तो किसी काउंसलर से पर्सनली मिलो और थैरेपी लो। अवसाद से बाहर निकलने में कश्चगिटिव बिहेवियर थैरेपी बहुत मदद करती है।

उम्मीद है कि तुममें अब उम्मीद की किरण जागी होगी।

सुनीता पाण्डेय

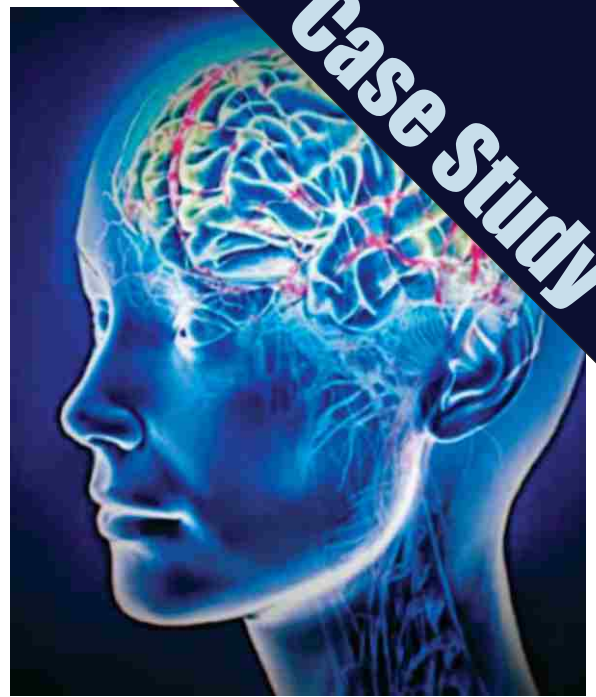
depression

The most dangerous form of depression hides behind a smile





Case Study



भूलने की बीमारी

एक भाई का फोन आया अपनी बहन के लिए कि मैडम वह छोटी छोटी बातें भी भूलने लगी है.. क्या आपके पास इस बीमारी का भी इलाज है ?
 मैंने कहा उन्हें लेकर आइये.. उनसे बात करने के बाद ही बता पाउंगी..
 वे अपनी बहन और उसके पति को लेकर आये..
 लड़की मुस्कुरा रही थी लेकिन हूँ हॉ के अलावा कुछ और नहीं बोल रही थी ..
 सिर्फ यही बता रही थी कि गैस पर कुछ रख कर भूल जाती हूँ.. पानी की मोटर चला कर बंद करना भूल जाती हूँ आदि आदि..बाद में बात करते करते पता चला कि उसे बाकी सब अन्य बातें अच्छी तरह याद थीं
 यूँ लगा कि वह खुलकर बात नहीं कर पा रही थी तो मैंने उसके पति और भाई को बाहर भेजकर उससे अकेले में बात करना जरूरी समझा..
 उम्र तेईस साल... शादी को ढाई साल हो गए ...मायका बड़े शहर में है.. शादी के बाद छोटे कस्बे में रहती है क्योंकि पति और ससुराल वालों का व्यवसाय वहीं है.. शादी उसको यह सब बता कर उसकी रजामंदी से ही हुई है.. डेढ़ साल का एक बेटा भी है.. घर में सास ससुर पति और एक हमउम्र ननद है.. सभी का व्यवहार अच्छा है ...खाने पीने ओढ़ने पहनने बोलने चलने को सब अच्छा है.. बच्चे का पूरा ध्यान ननद रखती है... रात को भी अपने पास ही सुलाती है... आदि आदि..
 मैं मुस्कुराई और उससे आगे और समझने के लिए प्रश्न पूछे..
 मन की बातें शेयर करने की बात पर उसने कहा कि वह किसी से भी अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाती.... शुरु शुरु में ननद उसके काम में मीनमेख निकालती थी और जोर से बोल जाती थी.. यह लड़की डर जाती थी.. पति चूँकि दुकान से लेट आते थे ,थके हुए होते थे और यह उनसे कुछ कह नहीं पाती थी...पति का गुस्सा भी तेज है.. उनसे भी डरती है.. कभी पति से कहना भी चाहती थी तो वे इससे यह कह देते कि एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल दे..
 यह बात बताते हुए उसका गला और आँखें भर आई..फिर बोली कि अब मैंने इन्हें कुछ भी बताना बंद कर दिया है...
 घूमने जाने की बात पर उसने कहा कि साल में एकाध बार जहाँ भी जाते हैं तो रिश्तेदारों के साथ ही जाते हैं...अकेले तो कभी नहीं गए घूमने फिरने..
 फिर मैंने उसके पति को अंदर बुलाया... और दोनों से बात की...उसके पति को समस्या का वह पहलू दिखाया जो वह नहीं देख पा रहा था...मैंने देखा कि पहले यह घबरा रही थी लेकिन जब पति ने स्वीकार्यता दिखाई तो यह भी अब यह सहज होने लगी थी...
 जाते जाते अपनी आँखों के जरिए दिल से राहत भरा शुक्रिया अदा कर गई...



सुनीता पांडेय

एक सायकोथेरेपिस्ट व काउंसलर हैं। जयपुर में निजी प्रैक्टिस।
 दस वर्ष से अधिक का अनुभव। फैमिली और मैरिज काउंसलिंग में विशेषता।
 संपर्क सूत्र : 9529265888



Time

M a n a g e m e n t

Important of Time

Time is a unique resource. Once it's gone, it's gone forever and you can never get it back, you can either use it now or loose it forever, if your understand the value forever. if you understand the value of time better, you can gain experience and develop skills over time. it is the most valuable resource.

- **Time Management**

Time must be explicitly managed. One thing that you can do with your time is change the way you use it. It is the process of organizing and planning how to divide your time between specific activities. Good time management enables you to work smarter. not harder Managing your time well makes your successful.

- **Time Management Tips**

Spend time planning and organizing plan each day, each week, each month remember - You can always change your plan, but only once you have one.

Set - Smart Goals

S - Specific

M - Measurable

A - Agreed / Committed

R- Realistic

T- Timely



Prioritize

- Make to Do lists
- Break things down into small steps
- Dot the ugliest thing first
- Be flexible
- Consider our biological time
- Practice the art of intelligent neglect
- Learn to say no
- Conquer procrastination
- Reward yourself

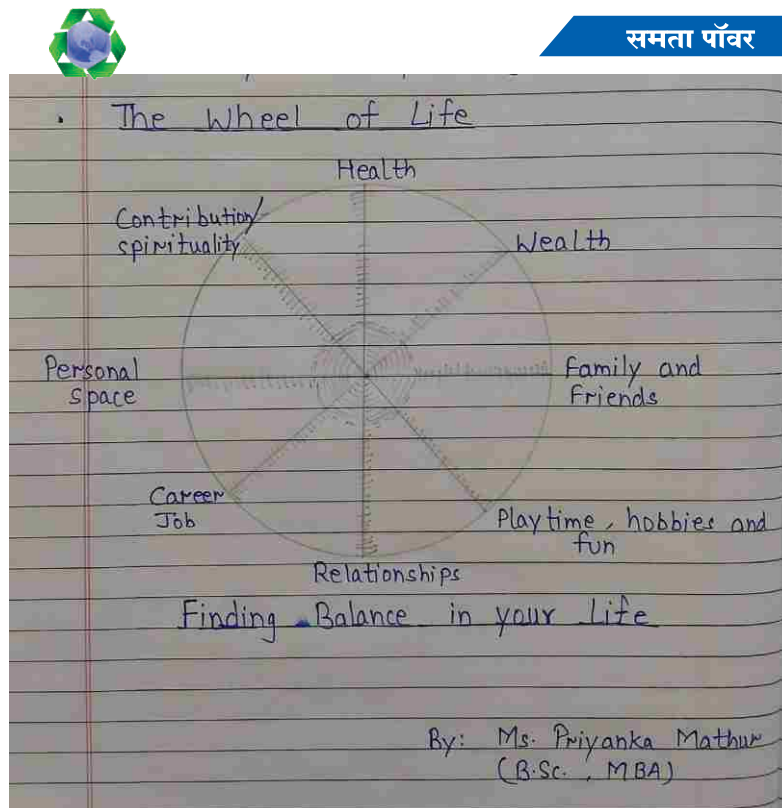
Ten Time Wasters

- 1- Procastination - Delay / Postpone actions procrastinations is the thief of time.
 - 2- Disorganization
 - 3- Diversion and distractions
 - 4- Too much involvement
 - 5- Making excuses
 - 6- Inability to say "No"
 - 7- Fatigue
 - 8- Regretting
 - 9- Inefficient meetings
 - 10- Doing everything yourself
 - 11- Delegation is not dumping
- Grant authority with responsibility

Multitasking : Doing tasks simultaneously
Remember not all of us can multitask and that is absolutely ok"
It is like playing tennis with 3 balls
It can put us under a great deal of stress and make us less efficient.

Smart Multitasking

- Set Goals
- Prioritize tasks
- Organize your desk
- Choose tasks according to concentration required
- Try and stay away from distraction



Ms. Priyanka Mathur
(Bsc. M.B.A.) Pune



मौसम के मायने एक से नहीं होते
किसी के लिए मौसम बदलने के भी मायने नहीं होते
हैलो ?

हां रूपा

कैसे हो जी ?

सब राम जी की कृपा है

और तुम ?

का कहे... ? बस अंदाजा लगा लो

अरे ! अपने से अंदाजा तो हम रोज ही लगा लेते हैं पर मुंह का कहा कुछ और
होता है उ... का कहते हैं आनंद दायक ।

छोड़ो जी ! हम इहां और तुम इतनी दूर... ! तो फिर काहे का आनंद दायक
सुनो.... ?

बाले न ।

जब कि गर्मी में तुम नहीं आ पाए । उ... अरे हां. भीड़ के मारे रिजरवेशनवा
नाही मिल रहा । अब तो बरसात में भीड़ कम हुई गवा होई । ऐसा करो,
सावन में आ जाओ. । तोहे हमार कसम है ।

ए... रूपा ई... कसम-कसम के फेर में हमें काहे उलझा रही हो ? अब
पुराना वाला सावन नहीं रहा । नए जमाने का सावन है । पैसा कमाए वाला
और खर्च करे वाला । ऐसे में सेठ छुट्टी नहीं देगा । उसके सावन का सवाल
है । अपना खयाल रखना ।

मौसम



सख्त अधिकारी

वर्माजी एक सख्त अधिकारी है । स्टाफ में कोई भी देर से आए तो
नियमानुसार उसे रजिस्टर में इसका कारण लिखना पड़ता है । उस
दिन ऑफिस आने पर जब वर्मा ने रजिस्टर देखा तो उनका दिमाग
खराब हो गया । उन्होंने तुरंत दस स्टाफ मेम्बर्स को केबिन में
बुलाया । ये देर से आए थे, सो सिर झुकाए खड़े हो गए । वर्माजी ने
सबको मिठाई हाथ में दी और कहा 'बहुत खुशी है कि आज
ऑफिस में एक साथ दस स्टाफ मेम्बर्स की बीवियां गर्भवती हैं
और इससे भी बड़े आश्चर्य की बात यह है कि इन दस जनों में दो
लेडीज भी हैं जिनकी वाइफ प्रेग्नेंट हैं 'सब हैरान थे तब वर्मा ने
कहा बेवकूफों रजिस्टर पर लिखते समय देखों तो उपर वाले ने
क्या लिखा है ? बिना देखें सेम एज एबाउ लिख देते हो ।

फीस

अरे वाह काकी ! मेरी पसंदीदा पूरण पोली बनाई है ना आज तुमने ? घर
आई पड़ोस की शांता काकी के हाथ से कटोरदान लेकर मैंने चहकते
हुए कहा ।

हां शीना, यह तुम्हारे लिए । आज बहुत महीनों बाद मन से रसोई बनाई
थी वो वीरेन आया था ना दिल्ली से, पर रूक नहीं पाया... ।

काकी की बुझी आवाज ने मेरा ध्यान खींचा । आंखे लाल, सूजी हुई
गला और कलाईयां खाली । क्या हुआ काकी ? मैंने घबरा कर पूछा ।

कुछ नहीं शीना । वीरेन को इतनी मन्नतो से पाया, नाजों से पाला, अब
उससे मिलने की फीस तो देनी ही पड़ेगी । डर सिर्फ इस बात का है कि
आज के बाद यह शायद ही आए । मकान के कागजात के बाद, सोने की
एक चैन और चार चूड़ियां ही बची थी मेरे पास । काकी ने पल्लू में
अपना मुंह छुपाते हुए रूंधे गले से कहा ।



गुड़ की डली



मिठास का संबंध स्वाद से है और उसके अहसास का आधार अपनत्व का भाव और प्रसन्नता है, जो आसानी से नहीं मिलती

चार दिन पहले स्वयंप्रभा जी की पोती मेखला का विवाह हुआ। कोरोना की गाइडलाइन के अनुसार ही सगे-संबंधी सम्मिलित हुए। कम लोग थे, सो रिश्तेदारों और बारातियों को आलीशान होटलों में ठहराया गया। लजीज व्यंजनों तथा स्वरूचि भोज ने समारोह को अविस्मरणीय बना दिया। घर में काम करने वाली पुरानी बाई भंवरी शादी के चार-पांच दिन बाद स्वयंप्रभा जी मिलने ओर बधाई देने पहुंची। दोनों के बीच स्वामिनी-सेविका से हटकर गहरी आत्मीयता रही थी। स्वयंप्रभा जी विचारने लगी कि बधाई की कौन सी मिठाई भंवरी को खिलाऊ? आजकल के भोजन समारोह में घर पर मिठाईयां आती ही कहां है। ऑर्डर देकर मंगवाए मिठाई के डिब्बे भी हाथों-हाथ बंट चुके थे। वो उठकर रसोई में गई और एक गुड़ की डली लाकर भंवरी को देते हुए कहा यह लो मुंह तो मीठा करो और इन रूपयों की मिठाई मंगवाकर सभी घरवालों को मुंह मीठा कर लेना।

भंवरी ने खुश होकर दो सौ रूपये हाथ में लिए और संभाल कर रखें। फिर गुड़ की डली के दो हिस्से किये। एक स्वयंप्रभा जी को खिलाया और दूसरे को खुद खाने लगी। लाखों रूपये विवाह में खर्च करने के बाद भी स्वयंप्रभाजी के मुंह में किसी ने गुड़ की डली भी रखी या नीं पता नहीं परन्तु भंवरी गुड़ की डली मिठास से बहुत प्रसन्न थी।

हैलो जिन्दगी

रिटायरमेंट के बाद वर्माजी एक दम फ्री हो गए थे। बच्चों की शादियां कर दी थी। बस एक सपना था कि रिटायरमेंट के बाद मिले पैसों से पत्नी को विदेश की सैर करवानी है। बच्चों को पहले ही इतला कर दी थी। बच्चे खुश थे कि पापा अब तो अपनी जिंदगी मम्मी के साथ खुल कर जियें।

आखिर वो दिन भी आ गया। पहली बार हवाई जहाज में सफर करने का मौका मिला। नौकरी के दौरान जिम्मेदारी के बोझ ने कभी जिंदगी को खुल के जीने का मौका ही नहीं दिया। कभी होम लोन, कभी बच्चों की पढाई तो कभी बच्चों शादी की चिंता। पत्नी की दबी हुई इच्छाए मन में घुटती रही। कभी कोई शिकायत नहीं की। बस पति, बच्चे और घर।

आज पत्नी ने जब हवाई जहाज में बैठे बैठे उनके कंधे पर अपना सर रखा तो वर्मा जी का मन भर आया। उनकी पत्नी बिना कुछ बोले ही सब कुछ कह रही थी। आज वर्मा जी को लगा कि अपने लिए जिंदगी तो अब जी रहा हूं। रिटायरमेंट जिंदगी का दी एंड नहीं होता।

ये तो जिंदगी को हैलो कहने और अपनी इच्छाओं को पूरा करने का समय होता है। पूरा जीवन दूसरों के लिए जिया अब तो हर दुख-सुख की साथी के लिए जीना है।





- Er. Shilpa Mathur (Pune)

It is a strong feeling or emotion. Passion is enthusiasm, an extravagant fondness towards something.

Passion gives you energy, a zeal to move forward and fight odds.

Passion has no boundaries hence it doesn't make you feel confined and gives you a sense of freeness to explore and go further.

Is Passion fined ?

The key to understand this is "MINDSET" Some people adopt a "FIXED MINDSET" approach. They search of "The One" thing that will always be enduring and full of excitement. They Believe that passion is derived from what your already have and can not be nurtured or build.

But need of the hour is for us to adopt a "Growth Mindset. So one should not restrict his/her capacity to grow. We should be open to grow our areas of interest.

So a better approach is to build your passion rather than searching for "it".

**Give Time :**

No fort was built in a day!! Patience is the key to success and moreover to "happiness."

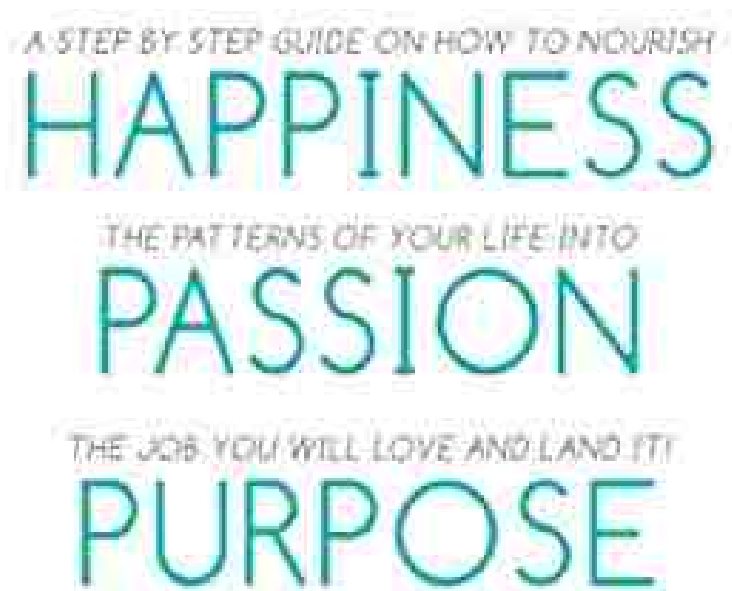
So one should not run behind "trying" to look for his/her passion. There is nothing inside you which will be suddenly "revealed" on day. So we need to get rid of the "fixed mindset" and stop waiting for it, Instead we should adopt a "growth mindset" and develop and nurture over ourselves so as to contribute positively to our lives.

It is ok to give ourselves time. If something does not click right now, it will soon.

Patience, Belief and your dreams should keep going on.

**Every great dream
begins with
a dreamer
Always remember
you have within you the
Strength**

**The patience, and
the passion
to reach for the stars
to change the world.**



- Harriet Tubman



एक दोस्त से पूछा, जो 60 की वय पार कर चुका है और 65की ओर जा रहा है। वह अपने जीवन में किस तरह का बदलाव महसूस कर रहा है?

उसने निम्नलिखित बहुत दिलचस्प पंक्तियाँ भेजीं, जिन्हें आप सभी के साथ साझा करना चाहूँगा।

मेरे माता-पिता, मेरे भाई-बहनों, मेरी पत्नी, मेरे बच्चों, मेरे दोस्तों से प्यार करने के बाद, अब मैं खुद से प्यार करने लगा हूँ।

मुझे बस एहसास हुआ कि मैं शटलसू नहीं हूँ। दुनिया मेरे कंधों पर टिकी नहीं है।

मैंने अब सब्जियों और फलों के विक्रेताओं के साथ सौदेबाजी बंद कर दी। आखिरकार, कुछ रुपए अधिक देने से मेरी जेब में कोई छेद नहीं होगा, लेकिन इससे इस गरीब को अपनी बेटी की स्कूल फीस बचाने में मदद मिल सकती है।

मैं बची चिल्लर का इंतजार किए बिना टैक्सी चालक को भुगतान करता हूँ। अतिरिक्त धन उसके चेहरे पर एक मुस्कान ला सकता है। आखिर वह मेरे मुकाबले जीने के लिए बहुत मेहनत कर रहा है।

मैंने बुजुर्गों को यह बताना बंद कर दिया कि वे पहले ही कई बार उस कहानी को सुना चुके हैं। आखिर वह कहानी उनकी अतीत की यादें ताजा करती है और जिंदगी जीने का होंसला बढ़ाती है।

जीना सीखा



कोई इंसान अगर गलत भी हो तो मैंने उसको सुधारना बंद किया है। आखिर सबको परफेक्ट बनाने का ठेका मुझ पर नहीं है। ऐसे परफेक्शन से शांति अधिक कीमती है।

मैं अब सबकी तारीफ बड़ी उदारता से करता हूँ। यह न केवल तारीफ प्राप्तकर्ता की मनोदशा को उल्लासित करता है, बल्कि यह मेरी मनोदशा को भी ऊर्जा देता है।

अब मैंने अपनी शर्ट पर क्रीज या स्पॉट के बारे में सोचना और परेशान होना बंद कर दिया है। मेरा अब मानना है कि दिखावे के अपेक्षा व्यक्तित्व ज्यादा मालूम पड़ता है।

मैं उन लोगों से दूर ही रहता हूँ जो मुझे महत्व नहीं देते। आखिरकार, वे मेरी कीमत नहीं जान सकते, लेकिन मैं वह बखूबी जानता हूँ।

मैं तब शांत रहता हूँ जब कोई मुझे फूँहे की दौड़ से बाहर निकालने के लिए गंदी राजनीति करता है। आखिरकार, मैं कोई चूहा नहीं हूँ और न ही मैं किसी दौड़ में शामिल हूँ।

मैं अपनी भावनाओं से शर्मिदा ना होना सीख रहा हूँ। आखिरकार, यह मेरी भावनाएं ही हैं जो मुझे मानव बनाती हैं।

मैंने सीखा है कि किसी रिश्ते को तोड़ने की तुलना में अहंकार को छोड़ना बेहतर है। आखिरकार, मेरा अहंकार मुझे सबसे अलग रखेगा। जबकि रिश्तों के साथ मैं कभी अकेला नहीं रहूँगा।

मैंने प्रत्येक दिन ऐसे जीना सीख लिया है जैसे कि यह आखिरी हो। क्या पता, आज का दिन आखिर हो

सबसे महत्वपूर्ण

मैं वही काम करता हूँ जो मुझे खुश करता है। आखिरकार, मैं अपनी खुशी के लिए जिम्मेदार हूँ, और मैं उसका हकदार भी हूँ।



Need v/s Wants

'Need' is something that is needed for survival. People need food, air, water, clothing and shelter to survive.

Beyond this people have a strong desire that is 'want'.

Wants refers to something which is good to have, but not essential for survival.

For the purpose of spending and saving money wisely and to make life simple we must know the difference between need and wants.

needs are limited but wants are unlimited

Needs represent necessity but wants is to desire for specific satisfices.

Needs may remain constant over time, wants may change overtime.

Non fulfillment of need may result in onset of disease, where as non fulfillment of wants may result in disappointment anger,

Human wants are continually shaped and reshaped by social forces and institutions needs are extremely necessary for an human to live healthy life. They are personal, psychological, social etc.

Wants are something that a person would like to possess.

During these tough pandemic times we all have realised that we can live / survive if our needs are fulfilled. If we can conquer our wants / desires we can make our life much more simpler and stress free.

This is a great misconception that the one who has the most, is the happiest. Material wealth does not guarantee contentment and satisfaction,

Desires are the course of anger (if not fulfilled) and greed, The one who has few desires tend to be more content.

by using the mighty weapons of knowledge one can chase the desires away. Do not allow desires to enter, stand guard at the gate of your mind, Learn to conquer the desires and stay happy and healthy.

- Ms. Priyanka Mathur

B.Sc., M.B.A.



मुंशी प्रेमचंद जी की एक सुंदर कविता,
जिसके एक-एक शब्द को
बार-बार पढ़ने को मन करता है

- संकलित बी.सी. माथुर

ख्वाहिश नहीं मुझे
मशहूर होने की,
आप मुझे पहचानते हो
बस इतना ही काफी है।
अच्छे ने अच्छा और
बुरे ने बुरा जाना मुझे,
जिसकी जितनी जरूरत थी
उसने उतना ही पहचाना मुझे
जिन्दगी का फलसफा भी
कितना अजीब है,
शामें कटती नहीं और
साल गुजरते चले जा रहे हैं
एक अजीब सी
'दौड़' है ये जिन्दगी,
जीत जाओ तो कई
अपने पीछे छूट जाते हैं और
हार जाओ तो
अपने ही पीछे छोड़ जाते हैं
बैठ जाता हूँ
मिट्टी पे अक्सर,
मुझे अपनी
औकात अच्छी लगती है।
मैंने समंदर से
सीखा है जीने का तरीका,
चुपचाप से बहना और
अपनी मौज में रहना।
ऐसा नहीं कि मुझमें
कोई ऐब नहीं है,
पर सच कहता हूँ
मुझमें कोई फरेब नहीं है।
जल जाते हैं मेरे अंदाज से
मेरे दुश्मन,
एक मुद्दत से मैंने
न तो मोहब्बत बदली
और न ही दोस्त बदले हैं।



एक घड़ी खरीदकर
हाथ में क्या बाँध ली,
वक्त पीछे ही
पड़ गया मेरे
सोचा था घर बनाकर
बैठूँगा सुकून से,
पर घर की जरूरतों ने
मुसाफिर बना डाला मुझे
सुकून की बात मत कर
बचपन वाला इतवार अब नहीं आता
जीवन की भागदौड़ में
क्यों वक्त के साथ रंगत खो जाती है ?
हँसती-खेलती जिन्दगी भी
आम हो जाती है
एक सवेरा था
जब हँस कर उठते थे हम,
और आज कई बार बिना मुस्कुराए
ही शाम हो जाती है
कितने दूर निकल गए
रिश्तों को निभाते-निभाते,
खुद को खो दिया हमने
अपनों को पाते-पाते।
लोग कहते हैं
हम मुस्कुराते बहुत हैं,
और हम थक गए
दर्द छुपाते-छुपाते!
खुश हूँ और सबको
खुश रखता हूँ,
लापरवाह हूँ खुद के लिए
मगर सबकी परवाह करता हूँ।
मालूम है
कोई मोल नहीं है मेरा फिर भी
कुछ अनमोल लोगों से
रिश्ते रखता हूँ।

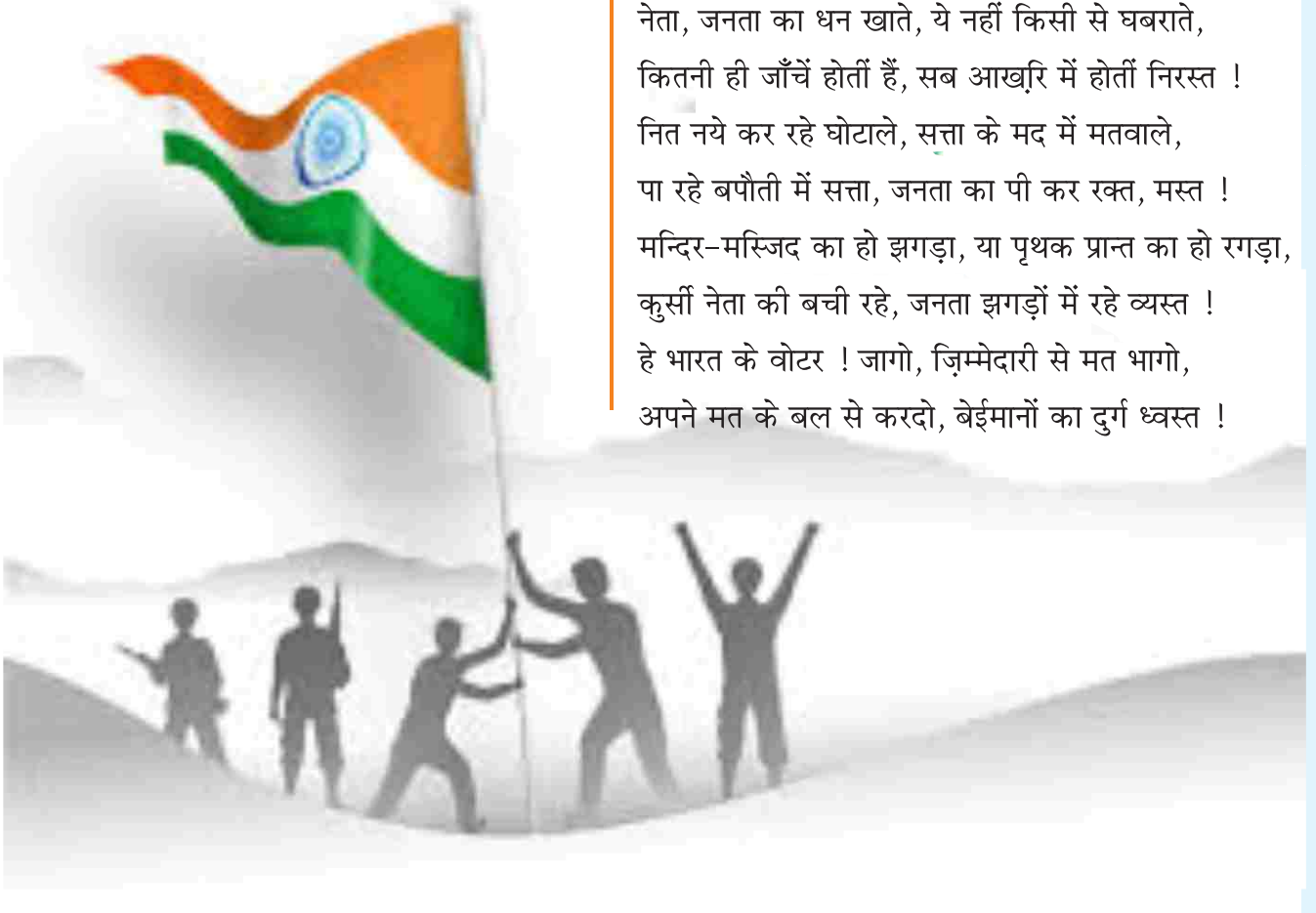




पन्द्रह अगस्त, पन्द्रह अगस्त, लो फिर आया पन्द्रह अगस्त,

- चेतन प्रकाश

इस दिन ही भारत के नभ से अँग्रेज़ी सूरज हुआ अस्त !
जब जंग - ए - आज़ादी छेड़ी,
भारत - माँ की काटी बेड़ी,
जब जाग उठा सारा भारत, अत्याचारी को दी शिकस्त !
हमको स्वराज की चाह रही, लेकिन सुराज मिल सका नहीं,
आज़ाद घूमते वे मुजरिम, जिन पर नेता का वरद-हस्त !
वैसे हम हैं आज़ाद सभी, लेकिन न हुए हैं शाद अभी,
जन-सेवक बन बैठे शासक, जनता का अब भी हाल पस्त !
धन-बल, भुज-बल से, या छल से,
पा जाते टिकट किसी दल से,
जो रहने लायक जेलों में, कुसी। पा जाते ज़बरदस्त !
नेता, जनता का धन खाते, ये नहीं किसी से घबराते,
कितनी ही जाँचें होती हैं, सब आख़रि में होती निरस्त !
नित नये कर रहे घोटाले, सत्ता के मद में मतवाले,
पा रहे बपौती में सत्ता, जनता का पी कर रक्त, मस्त !
मन्दिर-मस्जिद का हो झगड़ा, या पृथक प्रान्त का हो रगड़ा,
कुर्सी नेता की बची रहे, जनता झगड़ों में रहे व्यस्त !
हे भारत के वोटर ! जागो, ज़िम्मेदारी से मत भागो,
अपने मत के बल से करदो, बेईमानों का दुर्ग ध्वस्त !





सुविधा का जो शुल्क है, लोग करें बदनाम,
नज़राने को खामख्वा¹, रिश्वत देते नाम !
रिश्वत देते नाम, चाहते खुद तो लेना,
किन्तु अखरता, कभी अगर पड़ जाए देना !
कह "चेतन" कविराय, पड़े जब कोई दुविधा,
ईश्वर को भी रिश्वत दे कर माँगें सुविधा !

रिश्वत नाना रूप है, इसके कई प्रकार,
धन लें, या उपहार लें, या कोई बेगार !
या कोई बेगार, सभी हैं एक बराबर,
रोकड़ या उपहार, नहीं है कोई अन्तर !
कह "चेतन" कविराय, हमारा तो है दृढ़ मत,
झूठी यदि तारीफ़ करो, यह भी है रिश्वत !

ईश्वर को, वैसे, भले कभी न करते याद,
आ जाए आफ़त कभी, तब करते फ़रियाद !
तब करते फ़रियाद, मनौती तभी मनाते,
काम बने, तब पैसा औं मिष्ठान चढ़ाते !
कह "चेतन" कवि, भक्तों के चक्कर में फ़ंस कर,
ए.सी.डी². द्वारा पकड़े ना जाएँ ईश्वर !

रिश्वत का कर दें अगर, आप संधि विच्छेद,
इसकी ऊँची कूद का, समझ सकेंगे भेद !
समझ सकेंगे भेद, रिश्य कहलाता है मृग³,
जिसके मोहित करने वाले होते दो दृग⁴ !
कह "चेतन" कविराय, जिसे पा, कूदें मृग-वत⁵,
जिसकी यह तासीर⁶, कहाए वो ही रिश्वत !

रिश्वत

की व्यंगात्मक व्याख्या

(चेतन प्रकाश माथुर, 17-ई/285, चौ.हा.बोर्ड, जोधपुर)



1. खामख्वा - अकारण, 2. ए.सी.डी - ऐण्टी करप्शन डिपीटमेंट,
3. मृग - हरिण, 4. दृग - आँखें,
5. मृग-वत - हरिण के समान, 6. तासीर - प्रभाव



L.I.F.E

Life is filled with different moment
some might be gloomy while others be exciting
So keep on dreaming and making goals
Some you will achieve while others will teach
Having friends is an important step
To teach harmony and respect
Be together be happy
Because you are only created once

Be A Poet

Written by - Advika Mathur
DPS School, Pune



संकल्पों की साकार स्वरूप में प्राप्ति या संकल्पों का साकार संसार



ज्ञान मार्ग में मैंने सुना – नुमा शाम के समय देवतायें भ्रमण करते हैं। इसलिए विशेष रूप से ध्यान करने के लिए सायं काल 6.30 से 7.30 बजे के समय का बहुत महत्त्व है। शाम के समय ध्यान, योग करने का उतना ही महत्त्व है, जितना की ब्रह्ममुहूर्त में 3 से 5 बजे के बीच योग करने का महत्त्व है। भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम भी अपने जीवन में योग को अपना कर इसके अनुभवी बने ताकि इससे न केवल हमारा जीवन दिव्य बने बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी हम ईश्वर की यह अनुपम सौगात दे सकें।

नुमा शाम योग करते मेरे कानों में परमपिता परमात्मा के स्वर सुनाई दिए – ‘जो करना है अब कर लो, कल पर नहीं छोड़ो’ निश्चित रूप से कल-कल करते अवसर ही चला जाता है। इसलिए आप के साथ कुछ लेन देन कर सकू, अतः अपने भाव, विचार लिखने बैठ गया।

इन भावों को, विचारों को आध्यात्म के मार्ग में पिछले 37 वर्षों के अनुभव का स्पर्श मिलना स्वाभाविक ही है- यूँ तो शब्दों की डिक्शनरी में लाखों शब्द या उससे भी अधिक हो सकते हैं द्य पर कुछ शब्द ऐसे हैं जो न केवल हमारी वर्तमान जीवन यात्रा बल्कि भविष्य के जन्मों की जीवन यात्रा से भी सम्बन्ध रखते हैं द्य उनसे से कुछ ऐसे ही शब्द हैं प्रवृत्ति और निवृत्ति, कर्म और भाग्य, कर्मफल और कर्मभोग, धर्म और धारणा, योग और प्रयोग, गुण और अवगुण, ज्ञान, भक्ति और वैराग्य, राजयोग और कर्मयोग, रूह और रूहानियत, समय और सृष्टी चक्र या काल चक्र, कल्प वृक्ष और कामधेन, लोक और परलोक, ज्ञान और विज्ञान, जन्म और मृत्यु, मुक्ति और मोक्ष, गति और सतगति, लक्ष्य और सफलता, आत्मा परमात्मा और प्रति, त्याग और तपस्या और नियम और संयम संगठन और समर्पण आदि-आदि ये कुछ ऐसे महत्वपूर्ण शब्द हैं जिनके बाद में मैं प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के माध्यम से समझ सका। मैं इनकी वास्तविकता का बोध कर सकता। मैंने महसूस किया चाहे वर्तमान जीवन है या इस जन्म के बाद की भी जो आत्मा की जन्म और मृत्यु की अनवरत यात्रा है। उसे-शांतिमय, सुखदायी व आनन्दमयी बनाने के लिए उपरोक्त विशेष शब्दों की गुह्यता के बारे में हमें अपनी समझ बढ़ाने के लिए प्रयास करना ही चाहिए।

मैं यह भी अनुभव के आधार पर निश्चय पूर्वक कह सकता हूँ की जिस प्रकार ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में किसी विशेष विश्वविद्यालय का विशेष महत्त्व होता है। वह विश्वविद्यालय संबंधित क्षेत्र में ज्ञान की उपलब्धि अध्यापनरत व्यक्ति को सफलता प्राप्त कराने में भी अपने सम्पूर्ण योगदान के कारण विश्व प्रसिद्ध होता



है। इीक इसी प्रकार वर्तमान समय अध्यात्म एवं योग के क्षेत्र में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय हमारुा यथार्थ मार्गदर्शन करने में समर्थ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत भाई-बहनें न केवल अध्यात्म की विद्या प्राप्त कर जीवन में सफलता प्राप्त कर रहे हैं तथा स्वयं समाज के लिए उपयोगी बन रहे हैं। बल्कि अनेक भाई बहनें ईश्वरीय विश्वविद्यालय में अपने को सम्पूर्ण समर्पित कर अवैतनिक रूप से पूर्णकालिक सेवाए दे रहे हैं। ऐसे सौभाग्यशाली समर्पित आत्माओं में मैं भी एक भाग्यशाली सेवाधारी हूँ। वे ईश्वरीय विश्वविद्यालय को सेवाए देते प्रतीत होते हैं। बल्कि सच्चे अर्थों में वे स्वयं के अनादि जीवन चक्र को आभामयी बना रहे हैं। ऐसे महान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केन्द्र हर शहर कस्बे एवं गांवों तक आपके आभा मण्डल को बढ़ने के लिए आपकी सेवा में तत्पर है। ऐसे महान ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आपका स्वागत है।

कई बार संकल्प उत्पन्न होते हैं सब क्यों नहीं इस आध्यात्म के मार्ग पर चल कर स्वयं को ईश्वरीय बवरदानों व आध्यात्मिक शक्तियों से सम्पन्न कर दिव्य जीवन जिए। रूह की अनुभूति में यह खुदा से संबंध जोड़ रूहानियत से भरा जीवन जिये।

हालांकि सृष्टी भी एक बेहद का रंगमंच है और रंगमंच पर सब के पार्ट एक अनुसार नहीं हो सकते। फिर भी इस बेहद के मंच पर अपने पार्ट को हीरो पार्टधारी बनाने के लिए हर आत्मा स्वतंत्र है।

परमात्मा के महावाक्य है – तुम हिम्मत का एक कदम उठाओ तो परमात्मा हजार गुना मदद देने के लिए बढ़ा हुआ है। ऐसे ही परमात्मा कहते हैं आप ईश्वरीय कार्य में सहयोगी बनो। यह सहयोग हमें अनेक आत्माओं व परमात्मा की दुआ प्राप्त करायेगा, शुभ भावना प्राप्त करायेगा।

सहयोग देते – देते हमारुा पुण्य जमा होता जायेगा। यही पुण्य फलित हो हमें योगी बनायेगा। जिस प्रकार धन अथवा अन्य किसी शक्ति की अनउपलब्धता के कारण हम वह हासिल नहीं कर पाते। जो चाहते हैं ठीक इसी प्रकार सहयोगी एवं योगी जीवन के लिए भी हम अपने पुण्य का स्टॉक जमा करे। संकल्प को धारण कर श्रेष्ठ कर्म में प्रवृत्त हो पुण्य अर्जित करे। श्रेष्ठ कर्मों से फलित स्वयं के पुण्य व शुभ भावना से सफलता का वरण करे आओ हम संकल्पों का साकार में स्वरूप प्राप्त करें।

ओम शांति

- बी.के. सुधीर कुमार
ब्रह्माकुमारी शातिवन





आत्म ज्ञान

मैं हूँ एक चेतन आत्मा
भ्रुकुटी में मैं रहती हूँ।
मन बुद्धि बसते मेरे में।
संस्कारों में मैं जीती हूँ।।
रूप है मेरा ज्योति बिन्दु
ब्रह्मा मुख से सुनाया है।
योगी सच्चा वही है जग में
जिसे राज समझ में आया है।
परमधाम की रहने वाली
मैं पुर्नजन्म में आती हूँ।
देह रूपी चोला बदलकर
फिर से मानव देह को पाती हूँ।

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी

कल्प वृक्ष

कल्प वृक्ष और कामधेनु
नाम ये सुनते आये है।
कल्प वृक्ष की अद्भुत गाथा
स्वयं शिव सुनाने आये है।
श्री कृष्ण ने भी भजा शिव को
गोपेश्वर में वर्णन आया है
भारत को स्वर्ग बनाने की
शिव सौगात स्वयं ले आया है
तपस्या जिसने भी करी शिव की
उसने सब कुछ पाया हैं।
सफलता का वरण कराने
स्वयं शिव धरा पर आया है



शिव अनादि पिता हैं मेरे
परमधाम में उसका वास
निराकार वे ज्योति बिन्दू
सर्व गुणों के हैं भण्डार
रचते स्वर्ग साकर लोक में
मानव को देव बनाते हैं
ऐसे परमपिता हैं मेरे
अपार प्यार बरसाते हैं
मुरली उनकी बाजे मुधबन में
मन को वह हर लेती है
सुनने वालेकेचितवन में
आनन्द रस भर देती है

परमात्त्व ज्ञान

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी

योग का नाम सभी हैसुनते
गीता में सिखाया है
राजयोग का वर्ण कर
भगवान से नाता जुड़ाया है ।
राजयोग जो योगी बनाये
ईश्वर से सब संबंध जुडाये
मुक्ति जीवन मुक्ति की राह
दिखा कर
मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाये
मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाये
परमात्म प्यार की कहान इसमें
परमात्मा की वाणी है इसमें
साक्षात् मिलन ये प्रभु से कराये
वरदानों की वर्ष बरसाये
ऐसा योग रोजयोग कहलाये ।

राजयोग

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी



सृष्टि चक्र

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी

84 का चक्र

84 का चक्र बड़ा खतरनाक
हर कोई सुन घबराता है।
छूटा न आज तक कोई
न कोई छूट पाता है।
नही इसमें घबराने की बात
धरा पर जीवन है बड़ी सौगात
ये कहानी है खुद की हमारी
सतो से तमो तक की सारी
इसी चक्र में रहते हम
सतो से तमो तक हैं आये।
मानव वही श्रेष्ठ इस जग में
जो तप से खुद को सत में ले जायें।

चक्र अनवरत चलता ही रहता
समय करवट बलदता ही रहता।
सतयुग से कलियुग भी आय
अभी का समय संगमयुग कहलाया।

ये है संगमयुग बलिहारी
शिव धरा पर आते हैं।
मानव को देव बनाने की
नीति अभी सुनाते हैं।
परिवर्तन की ये है वेला
खुद को मुझे बदलना है।
नहीं अगर खुद मैं बदला
वक्त ने मुझे बदलना है।

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी





ईश्वर से प्यार

ईश्वर से प्यार करे जो प्राणी
मीठी हो जाती उसकी वाणी
उसके नयनो में ज्योति जगती
कर्णों में उसके मुरली है बजती
ईश्वर से प्यार करे जो प्राणी ।
श्वंसों में उसके सुर है समाये
दिल में उसके प्रभु बस जाये ।
कर्मों में गुणगान की गाथा
कदमों में पदम समाये ।
ईश्वर से प्यार करे जो प्राणी ।
ऐसा प्यार करें हम भी
हम उनके हो जाये
आभा बनकर खुद प्रभु
हम में बस जायें ।
हम में बस जायें ।

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी

गीता महामंत्र

नष्टो मोहा स्मृति लब्धा
ये गीता ने पाठ पढ़ाया है
ब्रजदर्शन का अवलोकन करने
प्रभु ने हमें बुलाया है ।
प्रभु ने हमें बुलाया है
मनमनाभव मध्याजी भव
का महामन्त्र गीता ने दिया है ।
मामेकम शरणमब्रज का भी
आदेश प्रभु ने दिया है ।
मन को लगा के प्रभु में
मनमनाभव हो जायें
मध्याजीभव का अर्थ समझ
बैकुण्ठ मे खो जाये ।
बैकुण्ठ में खो जाये
मामेकम शरणमब्रज हो
अब मुक्तकरे खुद को
प्रभु की ज्योति में समाते हुए
जगाये निज ज्योति को जगाये
निज ज्योति को ।

ओम शांति साभार
- ब्रह्माकुमारी



उमर कि ऐसि तैसि

अटल बिहारी बाजपेई

घर चाहे कैसा भी हो.....
उसके एक कोने में.....
खुलकर हसने की जगह रखना..

सूरज कितना भी दूर हो.....
उसको घर आने का रास्ता देना..

कभी कभी छत पर चढ़कर..
तारे अवश्य गिनना.....
हो सके तो हाथ बढ़ा कर.....
चाँद को छूने की कोशिश करना.....

अगर हो लोगों से मिलना जुलना.....
तो घर के पास पड़ोस ज़रूर रखना..

भीगने देना बारिश में.....
उछल कूद भी करने देना.....
हो सके तो बच्चों को.....
एक कागज़ की किशती चलाने देना..

कभी हो फुरसत, आसमान भी साफ हो....
तो एक पतंग आसमान में चढ़ाना.....
हो सके तो एक छोटा सा पेंच भी लड़ाना..

घर के सामने रखना एक पेड़....
उस पर बैठे पक्षियों की.....
बार्ते अवश्य सुनना.....

घर चाहे कैसा भी हो.....
घर के एक कोने में.....
खुलकर हँसने की जगह रखना..

चाहे जिधर से गुज़रिये.....
मीठी सी हलचल मचा दीजिये..

उम्र का *हर एक दौर* मज़ेदार है
अपनी *उम्र* का मज़ा लीजिये..

जिंदा दिल रहिए जनाब.....
ये चेहरे पे उदासी कैसी.....
वक्त तो बीत ही रहा है.....
*उम्र की ऐसी की तैसी.....!

— *Atal Bihari Vajpayee*



BR Chaudhary

CMD.

**Karnimata construction.
(M) 9414133587**

Karnimata Construction Company

80, Vidhya Park, Kv No 1, Ratanada,
Jodhpur - 342011, Rajasthan

Karnimata Construction Company, An Iso 9001:2015 Certified Epc Contracting Business Enterprise Dedicated To Building Power Transmission & Distribution Infrastructure In All Over The India And In The Business Since 1998.established By Er. Bhagwana Ram Choudhary And With His Regular Hard Work And Dedication Today Company Is Listed In The Top Most Epc Contractor In Rajasthan State.they Have Been In Business For The Past Over Two Decades & During This Period Executed A Large Number Of E.h.v. Lines & Gss Up To 765 Kv, 400 Kv, 220 Kv & 132 Kv Class For Some Of Listed Clients Rrvpnl /ntpc/ Pgcil/abb (india) Ltd / L & T Ltd / Wind World (india) Infra Pvt Ltd. (formerly Known As Enercon) /suzlon Power Infrastructure Ltd / Seimens / Emco/ Nbcc/vslp Ltd/ Bhel/ Sterling & Wilson/ Inox Wind Infra Structure Services Ltd./ Hpptcl/ Mytrah Energy (india) Ltd./ Ge T&d India Ltd./ Adani / Siemens Gamesa/viztech Industrial Etc.they Are Having Complete Testing Equipment Up To The Testing Of Equipment Of 765 Kv With An Expert Team.



SIDDHI VINAYAK ENTERPRISES

(Complete Electrical & Civil Solutions Provider)

Office: 1-B-38, Pratap Nagar, Jodhpur, Rajasthan – 342004

Email: siddhivinayak_enterprises2006@yahoo.com

Mobile: +91-9460468358, 8505011142.

GST NO. 08ACOF54887M1Z0



Er. Sumit Mathur

(B.E., M.B.A.)

Contact No.:

9460468358,8505011142

It gives me immense pleasure and pride to introduce my company, Siddhi Vinayak Enterprises. The director of the company, Er. Sumit Mathur has more than 15 years of experience in the design and executed more than 30 nos. of substations and transmission line projects.

We are an engineering **(A Class Contractor Complete Electrical & Civil Solutions Provider)** firm providing engineering and project management services in the Power, Oil and Gas sectors mainly in the field of Substation and Transmission line Of Solar Power Plants. We have a team of young and dynamic engineers having great experience in their respective fields.

We are the consultants to many renowned solar power companies in India and also associated with many MNCs like Adani, Vedanta Group, TATA, ABB, L&T etc. We are also dealing with various EPC's and Utilities like Clean Max Solar, Vestas, Suzlon, Renew, Azure, Acme, Axis, Brookfield, Eden, O2 Power, Solar pack, PGCIL, RRVPNL etc.

Er. Sumit Mathur

A-Class Contractor

Siddhi Vinayak Enterprises

1-B-38, Pratap Nagar Jodhpur, Rajasthan



Corporate Office: Subhash Marg, Pal Road, Near
Dalleh Khan ki Chakki, Jodhpur.

Tel.: 0291-2945005

Mb. 960226888/ 7230064888

Branch Offices:

Bhopal,

Raipur,

Ahmedabad,

Mohali,

E-mail: info@amarbhawgroup.com

Website: www.amarbhawgroup.com

With the decade of progress in the Renewable Energy Business, it gives us immense pleasure and pride to introduce our company, **Amarbhaw Power Private Limited**. We are an engineering company providing project management services in the Power and Water sector.

We have our own Solar Power Assets in Kolayat near Bikaner, Rajasthan, and Wind Turbines in various villages of Jaisalmer, Rajasthan.

We have one of the most experienced and enterprising teams. Having worked with multiple government agencies and many large private sector enterprises, and provided our mettle in every undertaken project. We are providing services to Govt. Departments and Corporate Clients that include but are not limited to: Power Grid, RVVNL, JdVVNL, LnT Construction, Indian Humes Pipes, Enercon India Ltd, Wind World India Infrastructure Pvt. Ltd, Mytrah Energy India Ltd, Sun Edison Group, Greenko, Green Infra, Ostro Energy, Renew Power, IL&FS, Leap Green Energy, Mahindra Susten, Bosch, Juwi Power, Viviid Renewables, Azure Power.

Services Advanced by us:

- GSS up to 400 KV
- Power Evacuation
- Electrical Balance of Plant
- Statuary Approval & Clearances for Project
- Transmission Line upto 765 KV
- Solar, Balance of System
- Wind Foundation and Turbine Erection
- Water projects- Complete Electromechanical works with SCADA
- Material Supply for Electrical and Mechanical



Er. Piyush Mathur
CEO & Director

On the behalf of

Amarbhaw Power Private limited



*enriching lives through Innovations
& Smart Technologies*

**One stop solution provider in all domains of
Power Transmission, Distribution, solar &
smart utilities**



91-120-4202349



info@gepdec.com



With Best Complements From:

SAMTA POWER

Electrifying India - Intelligently

Registered U/S 25 Company A/C 1956 Registration No. K-17-022443 (2006-2007)

Registered Office:

Er. B.M.Sanadhya(Director) Mob. 9928322885, 54/144, Mansarover, Jaipur
Email ID: samtapower10@gmail.com

Administrative Office:

Er.B.C. Mathur(Director) Mob. 9928222244, 'GAGAN', 3-CH-1, CHB, Jodhpur
Email ID: samtapower.jodhpur@gmail.com

Regional Office:

Er. Y.K.Bolia Mob. 9414254531, S.F.14, Gayatri Nagar, Hiran Magari,
Sector 5, Udaipur. Email Id – ykbolia@gmail.com

Email ID – samtapower.jodhpur@gmail.com

Website – www.samtapower.com

Established Consultant since 2006, Samta Power offers consultancy service for following Projects:

- ✓ Renewable Energy Solar/Wind/Biomass project.
- ✓ Energy conservation and energy management project.
- ✓ Access to Energy for the poor.
- ✓ Remote village Electrification project.
- ✓ Preparation of DPR for "Investment Grade Energy Auditing".
- ✓ Off-Grid PV Solar or stand alone system.
- ✓ Grid connected Solar System.
- ✓ CDM Benefit Project
- ✓ Solar Pumps projects.
- ✓ Regulatory Advisory/Policy Research and advocacy.
- ✓ Turn key EPC solution.
- ✓ Transmission & Distribution Project.
- ✓ Energy Efficient Building / Green City / Eco-village Project.
- ✓ Consultancy service for REC Mechanism Project.

Board of Director

1. Bal Mukund Sanadhya
2. Bhawnesh Chandra Mathur
3. Ramesh Chandra Sharma
4. Sudhir Kumar Katriyar
5. Er Bharat Dwivedi
6. Er. Vipin Mathur
- 7.Hasti Mal Choradia
- 8.Ramavtar Vijay

Core Management Team

1. Er. B.C. Mathur (Director)
2. Er. D.P. Chirania (Tech. Advisor)
3. A.B. Dangayach (Financial Advisor)
4. Er. N.M.Mathur (Project Head)
5. Er. P.C. Chouhan (Sr. Consultant)
6. Er. Suresh Chandra (Sr. Consultant)
- 7.Ms Priyanka Mathur (Marketing Executive)
- 8.Er. D.D.Agarwal (Coordinator)

